धनबाद, रविवार 23.06.2024
मूल्य- ₹ 3
वर्ष-30 अंक-122 पृष्ठ- 12
आषाढ़ कृष्ण पक्ष-2
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

10 साल की सजा, 1 करोड़ का जुर्माना लागू हुआ एंटी पेपर लीक कानून

नई दिल्ली (ईएमएस): नीट और यूजीसी-नेट की परीक्षा को लेकर विवाद के बीच केंद्र की मोदी सरकार ने लोक परीक्षा कानून

एक्शन में मोदी सरकार
कानून की अधिसूचना जारी

२०२४ की अधिसूचना जारी कर दी है। बता दें कि यह कानून फरवरी २०२४ में ही पारित हो गया था। परीक्षा में नकल के हथकंडों और पेपर लीक पर शिकंजा कसने के लिए कानून लाया गया है। परीक्षा को निष्पक्ष और सुचारु रूप से कराने के लिए कानून में बेहद कड़े प्रावधान किए गए हैं।

इस कानून का उद्देश्य परीक्षा में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। इसके दायरे में अथॉरिटी द्वारा कराई जाने वाली परीक्षा जैसे यूपीएससी, एसएससी, इंडियन रेलवे, एनटीए द्वारा आयोजित होने वाली परीक्षाएं और बैंकिंग की परीक्षाएं आएंगी। इस कानून के तहत प्रश्न पत्र या फिर उत्तर का लीक होना शामिल है। इसके अलावा कंप्यूटर नेटवर्क के साथ छेड़खानी करना भी अपराध के दायरे में आता है।

कोई व्यक्ति हो या ग्रुप, परीक्षा में गड़बड़ करने वालों के लिए सजा का प्रावधान है। इस कानून के तहत फेक परीक्षा करवाना भी आता है। अगर कोई व्यक्ति पेपर लीक या फिर नकल करवाने का दोषी मिलाता है, तब उस शख्स को तीन से पांच साल तक की जेल की सजा हो सकती है। वहीं अगर कोई ग्रुप या फिर संगठित तरीके से परीक्षा में गड़बड़ी की जाती है, तब पांच से १० साल तक की जेल और १ करोड़ रुपये जुर्माने का प्रावधान है। ऑर्गनाइज्ड पेपर लीक में शामिल लोगों की संपत्ति का भी कुर्क किया जा सकता है। वहीं जो भी परीक्षार्थी नकल करते पकड़े जाएंगे उन्हें परीक्षा से बाहर किया जाएगा। इस कानून में अनफेयर मीन्स के दायरे में क्वेश्चन पेपर या आंसर लीक करना, परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी की मदद करना, सॉल्यूशन उपलब्ध करवाना, कंप्यूटर रिसोर्सेज से खिलवाड़ करना, किसी अभ्यर्थी की जगह पर दूसरे को परीक्षा दिलवाना, फर्जी दस्तावेज जारी करना और मैरिट लिस्ट से छेड़छाड़ करना शामिल है। इस कानून के तहत अपराध गैरजमानती है।

इसके अलावा डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस या फिर असिस्टेंट कमिश्नर से नीचे का अधिकारी कानून के तहत जांच नहीं कर सकता है। वहीं केंद्र सरकार किसी भी एजेंसी को जांच सौंप सकती है।

न्यू क्रिमिनल लॉ पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आज, डीजी से लेकर एसपी रैंक के अधिकारी होंगे शामिल

रांची (एजेंसी): अनुसंधान प्रशिक्षण विद्यालय होटवार में आज सुबह ११ बजे से न्यू क्रिमिनल लॉ प्रशिक्षण कार्यक्रम ऑफलाइन माध्यम से शुरू हो रहा है।

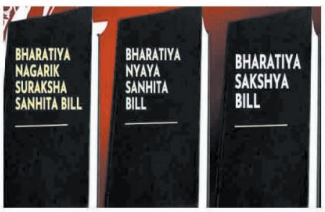

इस कार्यक्रम में झारखंड पुलिस के डीजी से लेकर एसपी रैंक अधिकारी शामिल होंगे। इस प्रशिक्षण में शामिल होने वाले सभी अधिकारियों का पहले रजिस्ट्रेशन किया जायेगा।

सभी को निर्देश दिया गया है कि वो वर्दी पहनकर इस कार्यक्रम में हिस्सा लें।

गौरतलब है कि नये क्रिमिनल लॉ को लेकर बीते १८ जून को गृह सचिव की अध्यक्षता में बैठक हुई थी।

इस बैठक के दौरान गृह सचिव ने आदेश दिया था कि एसपी और उसके ऊपर रैंक के अधिकारी के लिए नये क्रिमिनल लॉ पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाये।

जिसके बाद एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

१ जुलाई से लागू होगा तीनों नये क्रिमिनल लॉ

एक जुलाई २०२४ से तीनों नये क्रिमिनल लॉ लागू हो जायेंगे। केंद्र सरकार की ओर से तीनों कानूनों को एक जुलाई २०२४ से लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी गयी है।

तीनों नये आपराधिक कानून आईपीसी और सीआरपीसी की जगह लेंगे। इनका नाम भारतीय न्याय संहिता होगा।

तीनों नये कानूनों को दिसंबर में ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मंजूरी मिल गयी थी। तीनों कानूनों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम शामिल है। तीनों कानूनों का उद्देश्य न्याय प्रणाली को बदलना है।

इससे अंग्रेजों के जमाने के कानून खत्म होंगे और इससे छुटकारा मिलेगा। बीएनएस में राजद्रोह के अपराध को भी समाप्त कर दिया गया है और इसे देशद्रोह में बदल दिया गया है।

पीएम मोदी और हसीना ने व्यापार और संपर्क सहित कई मुद्दों पर की चर्चा

नई दिल्ली (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ शनिवार को व्यापार और संपर्क सहित विविध क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने को लेकर चर्चा की। बांग्लादेश की पीएम शुक्रवार से दो दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। लोकसभा चुनाव के बाद भारत में नई सरकार के गठन के बाद, किसी विदेशी नेता की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने लिखा,'' प्रधानमंत्री मोदी ने द्विपक्षीय वार्ता से पहले हैदराबाद हाउस में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा, दोनों नेता २०१९ से १० बार मुलाकात कर चुके हैं, जिससे रिश्तों में अभूतपूर्व बदलाव आया है। इसके पहले प्रधानमंत्री हसीना ने सुबह राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री के साथ वार्ता से पहले हसीना का राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में रस्मी स्वागत किया गया। अधिकारियों ने बताया कि मोदी-हसीना वार्ता का मुख्य उद्देश्य व्यापार, संपर्क और ऊर्जा के क्षेत्रों सहित द्विपक्षीय संबंधों को नई गति प्रदान करना है।

हसीना भारत के पड़ोसी और हिंद महासागर क्षेत्र के उन सात शीर्ष नेताओं में शामिल थीं, जो नौ जून को राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। पिछले कुछ वर्षों में भारत और बांग्लादेश के बीच समग्र सामरिक संबंध तेजी से बढ़े हैं।

भारत ने बांग्लादेश को 50 रन से हराया

हार्दिक पांड्या का अर्धशतक ० भारत ने सेमीफाइनल की तरफ एक कदम और बढ़ाया

एंटीगुआ (ईएमएस): टीम इंडिया ने शनिवार को एंटीगुआ के मैदान में बांग्लादेश को ५० रन से हरा दिया। सुपर-८ स्टेज में ये टीम इंडिया की दूसरी जीत है। इसके साथ ही टीम सेमीफाइनल के और करीब पहुंच गई है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ५ विकेट पर १९६ रन बनाए जवाब में बांग्लादेश की टीम ८ विकेट खोकर १४६ रन ही बना सकी।

भारत ने गेंदबाजी शुरू की, तो बांग्लादेशी बल्लेबाजों को रन नहीं बनाने दिए। कुलदीप यादव ने अपने ४ ओवर में ३ विकेट लिए और सिर्फ १९ रन खर्च किए। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो अकेले लड़ाई लड़ते रहे। उन्होंने ४० रन बनाए। जसप्रीत बुमराह ने उन्हें पवेलियन भेजा। बाकी के बल्लेबाज कोई खास कमाल नहीं दिखा सके। इससे पहले बांग्लादेश ने टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी का आमंत्रण दिया। भारत ▶▶ 4

पीएम मोदी ने आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित के निधन पर जताया दुख

नई दिल्ली (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने काशी विश्वनाथ धाम के प्रति समर्पण और राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह के हिस्सा रहे आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। पीएम मोदी ने आचार्य को काशी की विद्वान परंपरा का एक प्रसिद्ध व्यक्ति कहा। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया; देश के मूर्धन्य विद्वान और साङ्गवेद विद्यालय के यजुर्वेदाध्यापक लक्ष्मीकान्त दीक्षित जी के निधन का दुःखद समाचार मिला। दीक्षित जी काशी की विद्वत् परंपरा के

आज होने वाली नीट-पीजी परीक्षा स्थगित

नई दिल्ली (ईएमएस): राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड ने नीट पीजी की रविवार को होने वाली परीक्षा को स्थगित कर दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में यह कहा है। परीक्षा की नई तारीख की घोषणा जल्द ही की जाएगी। सरकार की ओर से नीट-यूजी और यूजीसी नेट परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर हो रहे विवाद की ओर इशारा करते हुए मंत्रालय ने कहा कि उसने मेडिकल के छात्रों के लिए राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित नीट पीजी परीक्षा की प्रक्रियाओं का गहन मूल्यांकन करने का निर्णय लिया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, एहतियात के तौर पर इस परीक्षा को स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। परीक्षा की नई तारीख जल्द अधिसूचित की जाएगी। साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय छात्रों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया है।

खान मंत्रालय अहम और रणनीतिक खनिजों की नीलामी की चौथी किस्त करेगा शुरू

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी.किशन रेड्डी और कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे २४ जून, २०२४ को नई दिल्ली में सीजीओ कॉम्प्लेक्स के स्कोप कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉकों की

नीलामी की चौथी किस्त शुरू करेंगे। महत्वपूर्ण खनिज देश के आर्थिक विकास और खनिज सुरक्षा दोनों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उनकी कमी या निष्कर्षण और प्रसंस्करण के लिए कुछ देशों पर निर्भरता हमारी आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए बहुत बड़ी कमजोरियां पैदा कर सकती है। इसी के मद्देनजर, खान और खनिज विकास एवं विनियमन (एमएमडीआर) अधिनियम २०२३ में संशोधन किया गया था। इस संशोधन के जरिए केंद्र सरकार को २४ महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों की खनिज रियायत देने की शक्ति प्रदान की गई थी। अब तक केंद्र ▶▶ 4

राष्ट्रपति से मिली बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना

नई दिल्ली (ईएमएस): राष्ट्रपति भवन में आज को बांग्लादेश गणराज्य की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। प्रधानमंत्री शेख हसीना का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के कुछ ही दिनों बाद उनसे फिर मिलकर बेहद खुशी हुई। उन्होंने कहा कि ये नियमित बातचीत दोस्ती और सहयोग की उस भावना को दर्शाती है, जिसकी शुरुआत १९७१ के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम से हुई थी।

राष्ट्रपति को यह जानकर खुशी हुई कि ▶▶ 4

देर से दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों पर होगी सख्त कार्रवाई, केंद्र ने आने का समय किया निर्धारित

नई दिल्ली (ईएमएस): देर से दफ्तर आने वाले कर्मचारियों पर केंद्र सरकार ने शिकंजा कस दिया है। कोरोना काल में बद हुई बायोमेट्रिक मशीनों पर फिर से उपस्थिति दर्ज करने को कहा गया है। साथ ही यह भी निर्देश दिए हैं कि यदि सवा ९ बजे से ज्यादा लेट हुए तो आधे दिन का आकस्मिक अवकाश काट लिया जाएगा। देश भर के कर्मचारियों को सुबह ९.१५ बजे तक कार्यालय में उपस्थित होने और अपनी हाजिरी दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा वरिष्ठ अधिकारियों

सहित सभी कर्मचारियों को बायोमेट्रिक सिस्टम का उपयोग करने के लिए भी कहा गया है। आपको बता दें कि कोरोना संक्रमण के बाद इसका इस्तेमाल बंद कर दिया गया था।

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने अधिकतम १५ मिनट की देरी को माफ करने का फैसला किया है। कर्मचारियों को आगाह किया गया है कि अगर वे सुबह ९.१५ बजे तक ऑफिस नहीं आते हैं तो उनका आधा दिन का आकस्मिक अवकाश काट लिया जाएगा। सरकारी कर्मचारियों के लिए जारी आदेश में कहा गया है, किसी भी कारण से यदि कर्मचारी किसी विशेष दिन कार्यालय में उपस्थित नहीं हो पाते हैं तो उन्हें इसकी सूचना देनी होगी। आकस्मिक अवकाश के लिए आवेदन करना होगा।केंद्र सरकार के ▶▶ 4

अंतरिक्ष में होगा कमाल, साथ आए नासा और इसरो

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत अब चांद तक अपनी छाप छोड़ चुका है। साथ ही देश अंतरिक्ष में नए कारनामे करने की राह पर है। तकनीक की दुनिया में भारत आए दिन कारनामे कर रहा है। इतना ही नहीं भारत अपने वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष भेजने की पूरी तैयारी कर चुका है। अब खबर है कि इस काम में इसरो की मदद नासा कर रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकी (आईसीईटी) पर पहल को आगे बढ़ाने के लिए भी काम कर रही है। नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के प्रमुख बिल नेल्सन ने खुद इसकी पुष्टि की है।

नेल्सन ने कहा है कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी भारत के साथ सहयोग बढ़ाएगी। उन्होंने कहा है कि नासा इसरो के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर मिलकर काम करेगा। नेल्सन की यह टिप्पणी अमेरिका और भारत द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और उनके अमेरिकी समकक्ष जेक सुलिवन के बीच आईसीईटी वार्ता के बाद आई है।

नेल्सन ने लिखा 'पिछले साल भारत की मेरी यात्रा के बाद, नासा मानवता के लाभ ▶▶ 4

झरिया में 3 साइबर अपराधी गिरफ्तार, 1 करोड़ का मिला ट्रांजेक्शन

धनबाद (कासं) : ऑन लाइन गेमिंग के माध्यम से लोगों को ठगने वाला ३ साइबर अपराधी को पुलिस ने आज झरिया से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवकों के पास से मिले पासबुक में करीब १ करोड़ से अधिक रकम का ट्रांजेक्शन है। झरिया थाना में सिंदरी डीएसपी भूपेन्द्र प्रसाद राउत ने प्रेस वार्ता कर मामले की जानकारी दी। कहा वरीय पुलिस पदाधिकारी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने अपराधियों को गिरफ्तार किया। झरिया थाना क्षेत्र के बनियाहीर १० नं. का रहने वाला रविरंजन कुमार ठाकुर कुछ लोगों के साथ मिलकर ऑन लाइन गेमिंग ठगी, फ्रॉड, साइबर फ्रॉड ऑन लाइन मोबाइल ठगी, फर्जी ए.टी.एम. कार्ड, फर्जी सीम कार्ड बनाकर लोगों को झांसा देकर ठगी कर रहा था। वरीय पुलिस अधीक्षक ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिन्दरी के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया। छापामारी की गई। घटना में शामिल ३ अभियुक्त रविरंजन ठाकुर, किशोर कुमार सिंह, सुहैल अली अंसारी को गिरफ्तार किया गया। छापामारी में फर्जी ए.टी.एम. कार्ड, फर्जी सीम कार्ड बनाने में प्रयुक्त मोबाइल, फर्जी ए.टी.एम. कार्ड, फर्जी सीम कार्ड, क्यू आर कोर्ड, खाता, चेकबुक एवं अन्य कागजात मिला।

वही जाँच के क्रम में अभियुक्तों के खाता से करीब १ करोड़ से अधिक का लेनदेन का विवरणी मिला है। इस गिरोह के मास्टर माइंड का राज्य तथा देश से बाहर रह कर ठगी कराने का पता चला है। छापामारी में एसडीपीओ भूपेन्द्र प्रसाद राउत, जोड़ापोखर थाना प्रभारी राजेश प्रकाश सिन्हा, झरिया थाना प्रभारी सहित कई एएसआई और जवान शामिल थे।

जोगता में लगता है साइबर अपराधियों का जमावड़ा

धनबाद (कासं) : श्याम बाजार सिजुआ हटिया स्थित शिव मंदिर के पास रोजाना रात में साइबर अपराधियों का लगता है जमावड़ा। जोगता पुलिस को शिकायत मिलने के बावजूद मौन है। सूत्रों से पाता चला है कि ये जमवाड़ा साइबर क्राइम करने वाले गिरोह का है। इन अपराधियों पर कई बार मामला भी दर्ज हो चुका है। बावजूद इन अपराधियों का हौसला बुलंद है। ये लोग अवैध तरीका से घटना को अंजाम देते हैं। घटना की शिकायत होने के बाद भी थाना प्रभारी मौन है। प्रशासन चाह ले तो अवैध कारोबार में विराम लगाना और क्राइम कंट्रोल हो सकता लेकिन प्रशासन नहीं चाहती। गौरतलब है कि अपराधी इन दिनों मर्हिद्रा थार जिसकी बाजार मै कीमत २२ लाख बताया जा रहा और गाड़ी ले कर दिनभर ४ से ५ लड़के बैठ कर घुमते रहते है और रात होते ही एक साथ कई और अपराधी शिव मंदिर के पास बैठ कर घटना को अंजाम देते है।

कतरास में नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म

धनबाद (कासं) : कतरास थाना क्षेत्र में एक १२ वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई। पुलिस ने गुरुवार की देर शाम दो युवकों को पूछताछ के लिए थाना लाई। हालांकि, पुलिस अभी कुछ भी बताने से परहेज़ कर रही है. सूत्रों के अनुसार तीन युवकों ने नाबालिग के साथ दरिंदगी की है। तीनों नाबालिग को बहला-फुसलाकर कर जलराही और अकाश किनारी बस्ती के बीच झाड़ियों में ले गए और उसे अपनी हवश का शिकार बनाया। दरिंदों ने नाबालिग का एक वीडियो भी बनाया है। नाबालिक के विरोध करने पर तीनों युवकों ने वीडियो सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी दी। डर से बच्ची अपने घर वालों को कुछ नहीं बता रही थी। लेकिन बार-बार युवकों द्वारा वीडियो वायरल करने की धमकी देने पर देर शाम उसने अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजनों ने तुरंत कतरास थाना पहुंचकर पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। थाना प्रभारी असीत कुमार सिंह ने कार्रवाई करते हुए अकाश किनारी मैदान के समीप छापेमारी कर दो युवकों को पकड़ा। इस मामले में पुलिस हर बिंदुओं पर जांच-पड़ताल कर रही है।

आउटसोर्सिंग में मिले दलितों को नौकरी : मुकेश

धनबाद (कासं) : कोल इंडिया एससी एसटी के केंद्रीय संयुक्त सचिव सह लोक जलशक्ति पार्टी रामविलास पासवान के जिला महासचिव मुकेश पासवान ने. बीसीसीएल के सीएमडी तथा डीपी को पत्र लिखकर एरिया ५ में चल रहे आउटसोर्सिंग कंपनियों में एससी एसटी को नियोजन देने की मांग की है। विदित हो कि भारत सरकार के एससी आयोग के सदस्य रामनाथ पारधी ने मुकेश पासवान को प्रेषित पत्र में बीसीसीएल सीएमडी से अनुरोध किया है कि क्षेत्र संख्या ५ में चल रहे विभिन्न आउटसोर्सिंग कंपनियों में एससी एसटी बेरोजगार युवकों को नियोजन दिया जाए स पत्रकारों द्वारा मुकेश पासवान के पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि २ सालों से क्षेत्र संख्या ५ में विभिन्न अवशोर्षिग कंपनियों में नियोजन के लिए आवेदन दे रहा हूं पर अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। अगर हमारी मांगे पूरी नहीं हुई तो बाध्य होकर कोयला भवन और क्षेत्र संख्या ५ के कार्यालय के द्वार पर आमरण अनसन पर बैठने को बाध्य होंगे।

रोक के बावजूद हो रही बालू की तस्करी

धनबाद (कासं) : धनबाद में एनजीटी की रोक के बावजूद बड़े पैमाने पर बालू की तस्करी प्रतिदिन हो रही है। रात के अंधेरे में होने वाले इस तस्करी में अंचल एवं थाना स्तर के स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक पदाधिकारीयों की भूमिका भी संदिग्ध है।

यह अलग बात है कि धनबाद उपायुक्त माधवी मिश्रा एवं एसएसपी हरदीप पी जनार्दनन ने संयुक्त आदेश जारी करके कई जगहों पर मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल को तैनात कर चेकप्वाइंट बना दिया है। लेकिन बालू तस्करी में शामिल माफिया प्रशासन की आंखों में धूल झोंकते हुए कारोबार कर रहे हैं । सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बीती रात अंधेरे में ८० से १०० हाइवा एवं कई ट्रकों पर अवैध बालू लोड करके बेजरा एवं सिजुआ घाट से धनबाद शहर और आसपास के इलाकों में खपाया जा रहा है। हालांकि उपायुक्त के निर्देश पर परिवहन एवं खनन विभाग की टीम द्वारा गस्ती की जा रही है, बावजूद उनके आंखों में धूल झोंककर बालू माफिया अपने मकसद में कामयाब हो रहे हैं। बेजरा और सिजुआ घाट से दिन में ही बालू तस्कर नदी से निकलवाकर बालू का भंडारण करवा लेते हैं और शाम ढलते वाहनों की एंट्री शुरू हो जाती है। सौ से अधिक की संख्या में ट्रैक्टर एवं ४०७ वाहन से भी बालू की तस्करी बदस्तूर जारी है। रात्रि के नौ बजे के बाद स्कार्पियो एंव अन्य लग्जरी वाहनों के माध्यम से बालू लोड वाहनों को बारीबारी से स्कॉट कर गन्तव्य तक पहुंचाया जाता है। उन स्कॉट वाहनों में दबंग एवं आपराधिक किस्म के लोग भी शामिल रहते हैं। कुछ दिनों तक तो इस पर लगाम लगे थे लेकिन एक बार फिर से बालू के अवैध कारोबार ने तेजी से रफ्तार पकड़ ली है दलदली के रास्ते बरवा होते हुए जीटी रोड पर गाड़ियां पहुंचती है वहां से गन्तव्य की ओर प्रस्थान करती है। हालांकि जिला प्रशासन की टीम कार्रवाई भी कर रही हैं, लेकिन उन्हें सफलता नही मिल रही।कभी कभार सुबह में एक दो गाड़िया आई वाश के लिए जब्त कर लिया जाता है। ताकि वरीय अधिकारियों के फटकार से बच सकें।

डॉ. श्यामा प्रसाद की पुण्यतिथि मनाने की तैयारी

गोविंदपुर (ससे) : धनबाद जिला ग्रामीण भाजपा के पदाधिकारियो की बैठक शनिवार को हरदेवराम स्मृति भवन में जिलाध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर की अध्यक्षता में हुई। इसमें रविवार को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि बलिदान दिवस पर मंडलों, बूथों एवं हरदेव राम स्मृति भवन गोविन्दपुर में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारी पर विचार किया गया। आगामी २५ जून को आपातकाल को काला दिवस के रूप में हरदेव राम स्मृति भवन में ४ बजे से आयोजित कार्यक्रम की सफलता पर भी विचार किया गया। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष सह बलिदान दिवस कार्यक्रम के जिला संयोजक जयप्रकाश सिह, महामंत्री दिनेश सिंह, आपातकाल सह काला दिवस के जिला संयोजक रतिरंजन गिरि, भाजपा नेता मोहन कुम्भकार, ओमप्रकाश बजाज, दिनेश मंडल, बलियापुर पूर्वी के मंडल अध्यक्ष आशीष मुखर्जी, तालेश्वर साव, अरविंद सिंह, कृटि भूषण रुज आदि थे।

योजनाओं का किया निरीक्षण

बलियापुर (ससे) : जिला परियोजना पदाधिकारी मनोज कुमार ने शनिवार को बलियापुर प्रखंड के बड़ादाहा पंचायत के दर्जनों योजनाओं का निरीक्षण किया। योजना पदाधिकारी ने जांच के दौरान अबुआ आवास, बिरसा कूप, मनरेगा के तहत आम बागवानी, दीदी बाड़ी योजना का निरीक्षण करते हुए लाभुकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। अबुआ आवास निर्माण कार्य जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। आम बागवानी के लिए गड्ढा खोदने एवं बिरसा कूप निर्माण कार्य को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। मौके पर बीपीओ विशाल कुमार, मुखिया प्रतिनिधि शेखर महतो, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक एवं स्वयंम सेवक आदि मौजूद थे।

रागिनी सिंह पहुंची बेलगढ़िया

बलियापुर (ससे) : बरवाअड्डा स्थित लोहारबरवा जीटी रोड पर मंगलवार की देर रात हाइवा व कार की जोरदार टक्कर होने से चार युवकों की हुई मौत के बाद शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह बेलगढ़िया टाउनशिप पहुंची। मृतक विशाल पासवान, मृतक संकेत वर्मा के परिजनों से मिली। घटना पर शोक जताते हुए उन्होंने अपनी गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। रागिनी सिंह ने पीड़ित परिवार को हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। वहीं प्रशासन के दिल रवैया पर सवाल उठाया। कहा कि प्रशासन अगर अपना काम ठीक से करती तो घटना को अंजाम देने वाले हाइवा को बरामद कर लिया जाता और उचित कार्रवाई होती। इस दौरान मासस नेत्री सीमा देवी समेत परिजन के लोग मौजूद थे।

नगर निगम आयुक्त से मिले कांग्रेस प्रवक्ता

जोड़ापोखर (ससे) : शनिवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता शमशेर आलम धनबाद नगर निगम आयुक्त रविराज शर्मा से मिलकर झरिया, लोयाबाद, कतरास, केन्दुआ करकेंद्र, क्षेत्रों के वार्डो में पानी की घोर अभाव को देखते हुए इस भीषण गर्मी में लोग पानीपानी के लिए त्राहिमाम है अविलंब निराकरण की मांग किया, साथ ही निगम क्षेत्र में तत्काल पानी टैंकर से क्षेत्र में पानी पहुंचाने का मांग रखा। आगे शमशेर आलम ने नगर आयुक्त का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि बरसात का मौसम आने वाला है जो नालीनाला कचरा से भारा पड़ा उसे समय रहते उसकी साफसफाई जरूरी है ताकि बरसात का पानी घरों में घुसने से बचाया जा सके। वर्तमान मं मेयर एवं वार्ड पार्षद जैसे जनप्रतिनिधि नहीं रहने के वजह से जनता अपनी समस्याओं को आपके निगम कार्यालय तक नहीं पहुंच पा रहा है। सफाई कर्मचारी की लहपरवाई के कारण वार्डो में साफसफाई की समस्या उत्पन्न हो रहा है। इस ओर विभाग के पदाधिकारी को दिशानिर्देशित करने का निवेदन किया।

वार्ड एवं चौक चौराहे रास्ते में लगे लाईट जो काफी संख्या में बंद बुझा पड़ा है अविलंब संज्ञान लेने का अनुरोध किया। आगे शमशेर आलम ने नगर आयुक्त से निवेदन करते हुए कहा कि अतिक्रमण के नाम पर गरीब फुटपाथ दुकानदार का दुकान उजाड़ने से पहले उस गरीब दुकानदार को शहर के खाली जगह पर रोजीसेटी के लिए बसाया जाना चाहिए जिससे वैसे लोग आपना जीविका चला सके।

बासुदेवपुर में पुलिस ने चलाया मॉकड्रील अभियान

केन्दुआ (ससे) : भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की सिजुआ क्षेत्र संख्या ५ के वासदेवपुर कोलियरी माइंस में शुक्रवार को सीआईएसएफ और केन्दुआडीह पुलिस ने कोयला और डीजल चोरी रोकने को लेकर संयुक्त रूप से मॉकड्रील अभियान चलाया। जैसे ही सीआईएसएफ टीम और केन्दुआडीह पुलिस ने अभियान की शुरूआत किया, तभी केंदुआ खटाल पट्टी के आसपास के दर्जनों कोयला चोरी कर रहे कोयला तस्करों में हड़कंप मच गया। सभी इधरउधर भागने लगे। पूछताछ के दौरान केन्दुआडीह पुलिस ने बताया कि कोई छापामारी अभियान नहीं चल रहा था। सीआईएसएफ के वरीय अधिकारियों के निर्देश पर कोयला तस्करी रोकथाम के लिए रणनीति अभियान चलाया जा रहा था।

सुब्रतो फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन

बलियापुर (ससे) : खेतटांड़ फुटबॉल मैदान में शिक्षा विभाग की ओर से प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा नेत्री तारा देवी, प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी, उप प्रमुख आशा देवी, बीडीओ राजेश कुमार सिन्हा ने संयुक्त रूप से किया। प्रतियोगिता में एक दर्जन टीमों ने भाग लिया। १७ वर्ष आयु वर्ग के बालिका वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बलियापुर की टीम ने प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय बलियापुर की टीम को २० से पराजित कर टूर्नामेंट जीत लिया। वहीं १७ वर्ष आयु वर्ग के बालक वर्ग के फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में हाई स्कूल प्रधानखंता की टीम ने उत्क्रमित हाई स्कूल डांगेपाड़ा को ३१ से पराजित किया। मौके पर बीईईओ रीना कुमारी, बीपीओ राकेश कुमार प्रसाद, परिमल महतो, शुशील कुमार, संजीव कुमार आदि मौजूद थे।

खेलो झारखण्ड : नगरकियारी बालिका व बालक वर्ग बरवापूर्व की जीत

गोविंदपुर (ससे) : खेलो झारखंड के तहत गोविंदपुर प्रखंड स्तरीय ६३वीं सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल बालिका वर्ग का खिताब प्लस टू हाई स्कूल नगरकियारी ने जीत लिया, जबकि बालक वर्ग का खिताब मर्हेद्र प्लस टू हाई स्कूल बरवापूर्व ने जीता। नगरकियारी की बालिका टीम ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका प्लस टू विद्यालय को १० गोल से पराजित कर दिया, जबकि प्लस टू हाई स्कूल बरवा-पूर्व की टीम ने प्लस टू विद्यालय गोसाईंडीह को ३१ से पराजित कर दिया। खेल में गोविंदपुर प्रखंड के विभिन्न सरकारी स्कूलों की २० टीमों ने भाग लिया। पुरस्कार वितरण समारोह की मुख्य अतिथि गोविंदपुर प्रखंड प्रमुख निर्मला सिंह, जिप सदस्य नाजिश रहमानी, २० सूत्री के प्रखंड अध्यक्ष अख्तर हुसैन अंसारी, उपाध्यक्ष पारस हांसदा, मुखिया रेखा देवी, डीएन सिंह, सारथी मंडल, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अताउल्लाह अंसारी, माथुर अंसारी आदि ने विजेता टीमों को पुरस्कृत किया। प्रखंड प्रमुख ने कहा कि प्रखंड के खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में उनका पूरा सहयोग रहेगा। नगरकियारी और बरवापूर्व की टीम अब जिला स्तरीय चैंपियनशिप में भाग लेगी। इस मौके पर बीईईओ विनोद कुमार पांडेय, बीपीओ दीपक दा, प्रमोद कुमार, बीआरपी बासुदेव महतो, अजहर हुसैन अंसारी, अब्दुल सत्तार अंसारी, जमशेद अंसारी, रेफरी धनपति पांडेय, सुदामा महतो, मनोवर हसन, मोइन अंसारी, मनोज शर्मा, राधा मोहन पांडेय, यमुना प्रसाद, तपन मंडल, चिंतामणि प्रसाद, अशोक मंडल, नसीम अंसारी, अयूब अंसारी, सरफराज, किशोर कुमार, मधुलता, सीता सिन्हा, दिव्या, सुरेंद्र विश्वकर्मा, विजय श्रीवास्तव, महेंद्र कुमार, अमरनाथ तिवारी आदि मौजूद थे।

बंद औद्योगिक इकाइयों को राज्य सरकार करेगी पुनर्जीवित : चम्पाई सोरेन

धनबाद (कासं) : झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि बंद औद्योगिक इकाइयों को राज्य सरकार पुनर्जीवित करेगी। झारखंड इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी के कार्य प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कहा कि झारखंड इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी के अंतर्गत वैसी औद्योगिक इकाइयां स्थापित होने के बाद किस कारणवश बंद पड़ी है, उनका सर्वेक्षण करे।

बंद पड़ी औद्योगिक इकाइयों को नए सिरे से आवंटन करें और उन्हें पुनर्जीवित करने का मार्ग प्रशस्त करे। बंद पड़ी औद्योगिक इकाइयां चालू होगी तो लोगों को रोजगार से जोड़ा जा सकता है। शुक्रवार को प्रोजेक्ट भवन में उद्योग विभाग के कामकाज की समीक्षा कर रहे थे सीएम। मुख्यमंत्री का यह निर्देश अगर सही में जमीन पर उतर गया तो झारखंड का तो जो भला होगा सो होगा ही, धनबाद बोकारो की किस्मत चमक जाएगी। मुख्यमंत्री को तो कम से कम एक उच्च स्तरीय टीम बनाकर धनबाद और बोकारो भेजना चाहिए. यह पता लगाना चाहिए कि किन कारणों से झारखंड का औद्योगिक क्षेत्र धनबाद आज वीरानी की ओर बढ़ रहा है। कोयला उद्योग के राष्ट्रीयकरण के बाद यहां हार्डकोक उद्योग पनपे, लेकिन आज इन उद्योग परिसर में सियार लोट रहे है।

बरवाअड्डा से लेकर चिरकुंडा तक जीटी रोड के दोनों किनारे उद्योगों की चिमनिया पहले धुआं उगल रही थी, लेकिन आज वह स्थिति नहीं है। उद्योग चलाने के लिए आवश्यक रॉ मैटेरियल नहीं मिलते। उद्योग मालिक कोयले के लिए चिरौरी करते हैं, लेकिन कोयला मिलता नहीं है। झारखंड बनने के बाद ही सिंदरी खाद कारखाना बंद हुआ. यह अलग बात है कि कंपनी से उत्पादन आरंभ हुआ है। लेकिन खाद कारखाने की ख्याति अर्जित करने में इस कंपनी को बहुत वक्त लगेगा।

छोटेछोटे उद्योगों का हाल बेहाल हो गया है। झारखंड बनने के बाद लोगों को भरोसा जगा था कि धनबाद का औद्योगिक विकास होगा, लेकिन हुआ कुछ नहीं। इसके उलट उद्योग बंद होते चले गए। छोटे-छोटे उद्योगों का भी बुरा हाल है। अगर झारखंड सरकार सचमुच औद्योगीकरण की दिशा में आगे बढ़ना चाहती है तो धनबाद के उद्योगों का सर्वेक्षण करना और जरूरी मदद देकर उद्योगों को पुनर्जीवित करना होगा। वैसे धनबाद का इतिहास धान की खेती से शुरू होता है और उसके बाद धीरे-धीरे कोयले की प्रचुरता के कारण यहां कोयला आधारित उद्योग खुलते गए। लेकिन अब चिमनियों से धुंवा निकलना बंद हो गया है।

वैसे तो कोयलांचल में उद्योगों की बदहाली बिहार के समय से ही शुरू हो गई थी। उसे समय तर्क दिया जा रहा था कि धनबाद पर बिहार सरकार का ध्यान नहीं है, लेकिन झारखंड बनने के बाद उम्मीद जगी थी कि धनबाद के औद्योगिक क्षेत्र का विकास होगा, सरकार ध्यान देगी। झारखंड बनने के बाद बाबूलाल मरांडी की सरकार में धनबाद और अगलबगल के पांच विधायक मंत्री थे। बावजूद धनबाद की हकमरी हुई। एक समय था जब यहां १०० से अधिक हार्ड कोक उद्योग चल रहे थे। रिफ्रैक्टिज उद्योगों की मोनोपोली थी।

रिफ्रैक्टिव उद्योग तो धीरे-धीरे काल के गाल में समा गए। हार्डकोर उद्योग चल रहे हैं लेकिन वहां भी अब उत्पादन नाम मात्र का हो रहा है। कोयले के लिंकेज सिस्टम ने उद्योग मालिकों को ऐसा परेशान किया कि अब वह उद्योगों की तरफ से मुंह मोड़ना ही शुरू कर दिए है। यह धनबाद की सेहत के लिए अच्छी बात नहीं है। झारखंड की आर्थिक सेहत के लिए भी ठीक नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने पहल शुरू की है तो उसका परिणाम भी निकलना चाहिए। देखना है आगेआगे होता है क्या।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

राजस्थान के विकास से जुड़े मुद्दों पर हुई सकारात्मक चर्चा

नई दिल्ली (ईएमएस) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मोदी ३.० सरकार के विजन को साकार करने के लिए आगामी केंद्रीय परिवर्तित बजट २०२४-२५ में विकसित भारत-विकसित राजस्थान की परिकल्पना को साकार करने हेतु केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित बजट पूर्व चर्चा में राजस्थान का पक्ष राजस्थान की उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दिया कुमारी ने रखा। दिया कुमारी ने राजस्थान की जनता से जुड़े हुए विकास के मुद्दों को केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा। बैठक के दौरान दिया कुमारी ने राजस्थान के २१ जिलों की जीवनदाई रेखा साबित होने वाली पूर्वी राजस्थान कैनाल परियोजना को जल्द ही मूर्त रूप देने के सभी आयामों को विस्तार से केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने राजस्थान में संचालित जल जीवन मिशन की प्रगति और और इस मिशन को अधिक मजबूती देने तथा जल्द ही इसके लक्ष्यों को हासिल करने के लिए राजस्थान सरकार के प्रयासों के बारे में जानकारी देते हुए केंद्र सरकार से और अधिक सहयोग की मांग रखी।

दिया कुमारी ने कहा कि हमने केंद्रीय मंत्री के समक्ष राजस्थान में लंबित ३ प्रमुख रेल परियोजनाओं को जल्द ही मूर्त रूप देने के विषय को भी रखा ताकि रेल सुविधाओं से वंचित राजस्थान के दूरस्थ इलाकों में विकास की धारा को पहुंचाया जा सके। प्रदेश में नए राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण और उनके सुदृढ़ीकरण को लेकर भी केंद्रीय मंत्री से बैठक के दौरान चर्चा की गई। दिया कुमारी ने बताया कि क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ-साथ राजस्थान में बड़े शहरों को दूरस्थ इलाकों के गांवों और ढाणियों से जोड़ने के लिए सड़कों का सुदृढ़ जाल होना बहुत जरूरी है ताकि राज्य के सभी हिस्सों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में कृषि, उद्योग के साथ साथ प्रदेश की आधारभूत संरचना के विकास में पर्याप्त ऊर्जा की सुलभ उपलब्धता बहुत अहम स्थान रखती है, इसलिए राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्रीय सहयोग आवश्यक है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से राजस्थान में संचालित ऊर्जा कंपनियों के लिए विशेष सहयोग दिए जाने की मांग रखी ताकि ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान सभी संभावित संभावनाओं का बेहतर ढंग से दोहन करते हुए विकास को आगे बढ़ा सके।

बैठक के दौरान उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा राजस्थान की तरफ से रखे गए सभी पक्षों को केंद्रीय मंत्री ने गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार राजस्थान की सभी मांगों पर सकारात्मक कदम उठाएगी। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा और सचिव देवाशीष पुष्टि भी मौजूद रहे।

छात्रों के बीच पुस्तक वितरण कार्यक्रम संपन्न

पुटकी (सप्रे) : धनबाद सदर ब्लॉक अंतर्गत मुनीडीह प्रोजेक्ट मध्य विद्यालय में छात्रों के बीच शनिवार को पुस्तक वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। विद्यालय के प्रधानाध्यापक चंद्रेश्वर प्रसाद की उपस्थिति में दुबराजडीह पंचायत के पंचायत समिति सदस्य सुधीर कुमार सिंह के द्वारा विद्यार्थियों को बीआरसी धनबाद से प्राप्त प्रत्येक वर्ग को पुस्तके प्रदान की गई।

मौके पर राजू कुमार, उमेश प्रसाद शर्मा, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष शोभा देवी एवं अन्य सदस्यगण, शिक्षकशिक्षिकाए एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

छात्रों से कहा नीट का मुद्दा संसद में उठाऊंगा : राहुल

नई दिल्ली (ईएमएस) : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीटस्नातक में कथित अनियमितताओं से जुड़े विवाद के बीच कहा है कि वह संसद के आगामी सत्र में इस विषय को व्यक्तिगत रूप से उठाएंगे। उन्होंने नीट परीक्षा के कुछ अभ्यार्थियों के साथ बातचीत से संबंधित वीडियो में यह टिप्पणी की। राहुल गांधी ने अभ्यर्थियों से मुलाकात के वीडियो के साथ पोस्ट में कहा, नीट देने वाले हजारों छात्र अपने परिवारों के साथ भयंकर गर्मी में सड़क पर हैं, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुपचाप तमाशा देख रहे हैं। उन्हें भरोसा दिलाता हूं कि संघर्ष में सड़क से लेकर संसद तक इंडिया आपके साथ है। उन्होंने में कहा, अगर सरकार आपकी (छात्र) रक्षा नहीं कर सकती, तब विपक्ष आपकी रक्षा करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ध्यान सत्र का हुआ आयोजन

नई दिल्ली (ईएमएस) : १०वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उत्सवकाल में कल विधि कार्य विभाग ने हार्टफुलनेस सोसाइटी के सहयोग से अपने कर्मचारियों की मानसिक और शारीरिक स्वस्थता के लिए योग और ध्यान सत्रों की एक श्रृंखला का आयोजन किया। इस महत्वपूर्ण आयोजित कार्यक्रम का यह तीसरा दिन था, जिसमें लगभग १०० प्रतिभागियों ने पूर्ण उत्साह से भाग लिया। इस कार्यक्रम में विधि सचिव डॉ. राजीव मणि व अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारियों ने भाग लिया। हार्टफुलनेस सोसाइटी के डॉ. मणि रमन सुब्रा, शर्मिला समीर पेंडसे और डॉ.बिंदु सिंघल ने प्रतिभागियों को विभिन्न योग और ध्यान की बारीकियों के लिए मार्गदर्शन किया।

इस आयोजित सत्र की इस वर्ष की थीम स्वयं और समाज के लिए योग है। इसका आयोजन कर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए किया गया था, जो शारीरिक स्वास्थ्य पर गहन प्रभाव को दर्शाता है। विभाग कर्मियों के बीच शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम में ध्यान, स्ट्रेचिंग व्यायाम, विभिन्न कुर्सी योग और प्राणायाम आसन का एक घंटे का व्यापक सत्र शामिल था। हार्टफुलनेस सोसायटी द्वारा बताए गए अभ्यासों को अपनी दिनचर्या में शामिल करके, विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने अंतर्मन से जुड़ने का सुअवसर प्राप्त हुआ।

देश के कुख्यात गैंगस्टर्स के गुर्गों के खिलाफ मोर्चा खोला

नई दिल्ली (ईएमएस) : दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गैंगस्टरों के १५ गुर्गों को गिरफ्तार किया है। साथ ही गैंगस्टर्स के २०० सोशल मीडिया अकाउंट को बंद किया गया है। यह कार्रवाई स्पेशल सेल की ओर से गैंगस्टर्स के खिलाफ नो नेम, नो फेम ऑपरेशन के तहत की गई। दिल्ली पुलिस का मानना है कि गैंगस्टर्स के सोशल मीडिया अकाउंट से प्रभावित होकर युवा अपराधी बन रहे हैं। इस पर लगाम लगाने के लिए दिल्ली पुलिस की ओर से यह नई पहल शुरू की गई है।

दिल्ली पुलिस अब गैंगस्टर्स के सोशल मीडिया अकाउंट पर नजर रखेगी और उन्हे ब्लॉक करवाएगी। साथ ही जब भी गैंगस्टर्स या उनके गुर्गे पकड़े जाएंगे तो न गैंग्स्टर्स के नाम सामने आएंगे और न ही उनके गुर्गों के यानी अब दिल्ली पुलिस ने बदनाम हुआ तो क्या नाम तो हुआ को शायद अच्छे से समझ लिया है, इसलिए डर के नाम पर चलने वाले गैंगस्टर्स के धंधे पर पुलिस सीधा चोट करना चाहती है।

दरअसल स्पेशल सेल की टीम ने पिछले पांच दिनों में गैंगस्टर्स के खिलाफ पांच अलगअलग ऑपरेशन चलाए हैं। इन पांच ऑपरेशनों में पुलिस ने कुल १५ गैंगस्टर को गिरफ्तार किया है। इनमें से पांच ऐसे हैं, जो नए रिक्रूट हैं यानी इन पांच के खिलाफ अब तक कोई मामला कहीं भी दर्ज नहीं है। यह पांचों बड़े गैंगस्टर के सोशल मीडिया अकाउंट्स को देखकर और उनकी अय्याश जिंदगी को देखकर जुर्म के रास्ते पर चल पड़े थे। पहला अपराध कब और कहां करना है, यह भी इन्हें बता दिया गया था। हालांकि वह जुर्म के रास्ते पर आगे बढ़ते इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।

जरूरतमंदों के बीच भोजन का वितरण

धनबाद (कासं) : ९९ फाउंडेशन का जरूरतमंदों के लिए सेवा लगातार जारी है। वहीं आज भी ९९ फाउंडेशन की ओर से हर शनिवार की भांति इस बार भी जरूरतमंदों के बीच भोजन का वितरण किया गया। मेमको मोड़ स्थित ९९ ग्रुप ऑफ कंपनीज के कार्यालय परिसर में सैकड़ों लोगों के बीच भोजन वितरित किया गया। बताया जाता है कि इस भीषण गर्मी में मजदूर, रिक्शा चालक, ऑटो चालक, आसपास मजदूरी करने वाले साथ ही राहगीरों सहित सैकड़ों लोगों के बीच कंपनी के कर्मियों ने खुद अपने हाथों से भोजन वितरित किया। ९९ फाउंडेशन की इस पहल की लोग सराहना कर रहे हैं। भोजन करने पहुंचे लोगों ने ९९ फाउंडेशन को उनके इस प्रयास के लिए धन्यवाद दिया।

कुवैत अग्निकांड के बाद गैरकानूनी रूप से निवास कर रहे 10 गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस) : कुवैत की पुलिस ने उत्तर गुजरात के साबरकांठा जिले के १० लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए १० गुजराती कुवैत में अवैध रूप से निवास कर रहे थे। बता दें कि १२ जून को कुवैत की एक इमारत में आग लगने से ५० जितने लोगों की मौत हो गई थी और उसमें ४५ भारतीय भी शामिल थे। अग्निकांड के बाद कुवैत पुलिस की जांच तेज हो गई है। जिसमें पता चला कि जिस इमारत में आग लगी थी, उसमें कई लोग गैरकानूनी रूप से रह रहे थे। अवैध रूप से निवास करनेवालों में १० जितने गुजराती भी शामिल हैं और इन सभी को कुवैत पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। ये सभी लोग मोढ पटेल समाज के हैं।

कुवैत में पकड़े गए लोगों में अल्पेश रमणलाल पटेल, हिमांशु रसिकलाल पटेल, बिपिन शिवलाल पटेल, मिलन दिनेशभाई पटेल, निलव अशोक पटेल, ललित देवचंदभाई पटेल, अनिल नारायणदास पटेल, नटवरलाल भीमजीभाई पटेल, बिपिन कोदरभाई पटेल और विवेक खेमजीभाई पटेल शामिल हैं। ये सभी लोग उत्तर गुजरात के साबरकांठा जिले के विजयनगर के निवासी हैं। कुवैत में गिरफ्तार किए गए लोगों के परिजन चिंतित हैं और भारत सरकार से पकड़े लोगों को छुड़ाने की मांग है। रमणभाई कुरजीभाई मोढ पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर समेत साबरकांठा की सांसद शोभना बारैया तथा राज्यसभा सांसद रमीला बारा को पत्र लिखकर कुवैत में पकड़े गए लोगों की मुक्त कराने की मांग की है। दूसरी ओर गिरफ्तार किए गए गुजराती लोगों को रिहा कराने के लिए भारतीय दूतावास लगातार प्रयास कर रहा है।

भगवान राम ने उन्हे 241 पर ही रोक दिया

नई दिल्ली (ईएमएस) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी इंद्रेश कुमार अपने बयान से पलट गए हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद दी अपनी प्रतिक्रिया से खुद को अलग कर लिया है। पहले उन्होंने बिना नाम लिए कहा था कि भगवान श्रीराम ने उन्हे २४१ सीटों पर ही रोक दिया। इसके बाद अपने बयान से पलटते हुए इंद्रेश कुमार ने कहा कि जो भगवान राम के भक्त थे वे सत्ता में हैं और जो विरोधी थे वो सत्ता में नहीं आ पाए।

उन्होंने कहा कि देश चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन और मोदी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से वह खुश हैं। इससे पहले उन्होंने भाजपा का नाम लिए बिना कहा था कि भगवान राम ने उन लोगों को २४१ पर ही रोक दिया जो अहंकारी हो गए थे। इसको लेकर कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल भाजपा पर हमलावर हो गए थे। बता दें कि, आरएसएस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश कुमार ने जयपुर में हुए एक कार्यक्रम में भाजपा पर उसके चुनावी प्रदर्शन को लेकर निशाना साधते कहा था, जिस पार्टी ने भगवान राम की भक्ति की, लेकिन अहंकारी हो गई उसे २४१ पर रोक दिया गया। हालांकि वह सबसे बड़ी पार्टी बनी। उन्होंने कहा, और जिन लोगों का राम में कोई विश्वास नहीं था, उन्हें एक साथ २३४ पर रोक दिया। उनका इशारा इंडिया गठबंधन की ओर था जिसे इस चुनाव में २३४ सीट मिले।

आरएसएस के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार ने अब कहा है कि देश का माहौल इस समय में बहुत स्पष्ट है- जिन्होंने राम का विरोध किया, वो सब सत्ता से बाहर हैं, जिन्होंने राम की भक्ति का संकल्प लिया आज वो सत्ता में हैं और तीसरी बार की सरकार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बन गई है। देश उनके नेतृत्व में प्रगति करेगा -लोगों में यह विश्वास है। हमें उम्मीद है कि यह विश्वास और बढ़ेगा और आगे भी इसी तरह फलेगाफूलेगा। रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि, अब अपने बयान को लेकर पैदा हुए विवाद के बीच इंद्रेश कुमार ने शुक्रवार को कहा कि देश चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन और नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से वह खुश हैं। उन्होंने कहा कि इस समय, ताजा खबर यह है कि जो भगवान राम के खिलाफ थे वे सत्ता से बाहर हैं और जो भगवान राम के भक्त थे वे सत्ता में हैं। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति करेगा। वहीं, भागवत के भाषण पर चल रही बहस के बारे में पूछे जाने पर इंद्रेश कुमार ने कहा कि बेहतर होगा कि आप संघ के अधिकृत पदाधिकारियों से ही इस बारे में पूछें। लोकसभा चुनाव के बीच, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री जेपी नड्डा की उस कथित टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर जिसमें कहा गया था कि भाजपा को आरएसएस की उस तरह जरूरत नहीं है जैसी उसे पहले जरूरत थी क्योंकि उसका अपना संगठन मजबूत हो गया है, उन्होंने कहा कि आरएसएस के स्वयंसेवकों ने इस पर चर्चा की और फिर अपने काम में जुट गए।

हत्या कस्ने गए तीन युवकों में से दो की हो गई हत्या

नई दिल्ली(ईएमएस) : दिल्ली के वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया से हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां हत्या के इरादे से आए तीन लोगों में से दो की मौके पर मौजूद लोगों ने चाकू से गोद कर हत्या कर दी। पुलिस का कहना है कि इस डबल मर्डर के पीछे आपसी रंजिश की बात सामने आई है।

पुलिस ने बताया कि वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया में दो लोगों की हत्या की जानकारी मिली थी। मौके पर पहुंची टीम को शुरुआती जांच में पता चला कि तीन लोग अनुज उर्फ इड्डा की हत्या करने के लिए आए थे, लेकिन मौके पर मौजूद इड्डा के लोगों ने हमला करने आए तीन में से दो लोगों पर हमला कर दिया और चाकुओं से गोद कर हत्या कर दी। आरोपियों की पहचान कमल कुमार और राहुल के रूप में हुई है। राहुल विपिन गार्डन में जिम चलाता है। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले भी कुछ आपराधिक मामले दर्ज हैं। लिस ने आरोपियों से लूटी गई गहने, दो मोबाइल, एक क्रेटा कार, चोरी की स्कूटी और फर्जी नंबर प्लेट बरामद की है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद थाना अशोक विहार पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस ने हाल में डेटिंग एप्प के जरिए लड़की से दोस्ती कर उनके घर में लूटपाट करने वाले दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, ३१ मई को एक महिला ने शिकायत दी कि उसके साथ लूटपाट हुई है। इसके बाद ३० मई को जतिन ने मिलने की जिद की। इसके बाद महिला ने ३० मई की रात जतिन को अपने घर बुलाया। जतिन अपने साथ अपने एक दोस्त को ले गया था। महिला का आरोप है कि दोनों ने उसके हाथपांव बांध दिए। फिर कैश और जेवर लूट कर फरार हो गए। महिला की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

छोटा शकील के रिश्तेदार की जेल में दिल का दौरा पड़ने से मौत

नई दिल्ली(ईएमएस) : राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने २०२२ में टेरर फंडिंग से जुड़े एक मामले में शेख (६१) को गिरफ्तार किया था। इस मामले में दाऊद इब्राहिम और छोटा शकील सहित दाऊद गैंग के कई सदस्य शामिल हैं। शेख गिरफ्तारी के बाद आर्थर रोड जेल में बंद था और जेजे अस्पताल में ही उसका इलाज चल रहा था। बता दें कि जुलाई २०२३ में ठाणे जिले से सटे मीरा रोड एरिया में शेख की प्रॉपर्टी को एनआईए ने जब्त कर लिया था। आरिफ अबूबकर शेख को टेरर फंडिंग मामले में एनआईए ने गिरफ्तार किया था। उस पर टेरर फंडिंग के अलावा हथियारों की तस्करी, ड्रग्स और मनी लॉन्ड्रिंग के भी आरोप थे। शेख और उसके भाई मोहम्मद सलीम कुरैशी को सलीम फ्रूट के नाम से भी जाना जाता है। छोटा शकील ६० के दशक में मुंबई के नामपाड़ा में एक ट्रैवल एजेंसी चलाता था। लेकिन वह १९८० के दशक में दाऊद के गैंग में शामिल हो गया। उसे दाऊद का भरोसेमंद माना जाता रहा है। उसकी दाऊद की डी कंपनी में बड़ी भूमिका थी। १९८८ में गिरफ्तार होने के बाद छोटा शकील लगभग चार महीने जेल में रहा। लेकिन जमानत मिलते ही वह भागकर दाऊद के पास दुबई चला गया। बाद में मार्च १९९३ में दोनों ने मुंबई सीरियल ब्लास्ट की साजिश बनाई और उसे अंजाम दिया।

राहुल गांधी ने अग्निकांड पीड़ितों से की बात

नई दिल्ली (ईएमएस) : कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुजरात के राजकोट टीआरपी गेम जोन में भीषण अग्निकांड पीड़ित परिवार वालों से जूम कॉल के जरिए से बातचीत की। कांग्रेस ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो भी शेयर किया है। इस बातचीत में राहुल गांधी ने पीड़ितों से कहा कि कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है। बातचीत में गुजरात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल भी जुड़े रहे। गुजरात कांग्रेस के विधायक जिगनेश मेवानी और लालजी देसाई पीड़ित परिजनों के साथ मौके पर मौजूद रहे। कांग्रेस पार्टी ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, राहुल गांधी ने गुजरात के राजकोट गेमिंग जोन में हुए भीषण हादसे के पीड़ितों से जूम कॉल पर बात की। राहुल गांधी ने आश्वासन दिया कि कांग्रेस पार्टी उनके साथ है। हम सरकार पर निष्पक्ष जांच और उचित मुआवजे के लिए दबाव बनाएंगे। इस बातचीत में गुजरात कांग्रेस के नेता भी शामिल रहे। २ मिनट ३८ सेकेंड के इस वीडियो में पीड़ित परिजनों ने राहुल गांधी को अपना दुख बयां किया। इसके बाद राहुल गांधी ने पार्टी के नेताओं से पूछा कि कांग्रेस पार्टी पीड़ितों के लिए क्या कर रही है। इस पर शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने कैंडल मार्च निकाला। साथ ही हमने मांग की कि सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के सिटिंग जज के जरिए नॉन करप्ट आईपीएस अफसरों की एसआईटी बने। शक्ति सिंह गोहिल ने आगे बताया कि ३ दिन पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अनशन किया और २५ जून को बंद का ऐलान किया है। आखिर में राहुल गांधी ने कहा कि हम इस हादसे को लेकर सरकार पर निष्पक्ष जांच और उचित मुआवजे के लिए दबाव डालेंगे। साथ ही संसद में भी इस मुद्दे को उठाएंगे।

छत्रपति शिवाजी महाराज हमारे देश के महान प्रतीक हैं : शेखावत

नई दिल्ली (ईएमएस) : केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आज इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) और राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (एनजीएमए) द्वारा आयोजित शिवाजी महाराज की ११५ आयल पेंटिंस की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। यह प्रदर्शनी छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक की ३५०वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी। पिछले १५ दिनों में कई कला प्रेमी, विशेष रूप से युवा, इस प्रदर्शनी को देखने आए हैं। संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज हमारे देश के महान प्रतीक हैं और सदियों से हम सभी के लिए प्रेरणा के स्रोत रहे हैं। उनके जीवन पर आधारित यह ऐतिहासिक प्रदर्शनी हमें उनके जीवन के बारे में बहुत कुछ जानने और समझने का अवसर प्रदान करती है। संस्कृति मंत्री ने कहा कि यह संग्रह राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है।

डीमार्ट सुपरमार्केट में मिला नकली घी व तेल, फर्मो के मालिक फरार

जयपुर (ईएमएस) : नकली सामान और मिलावटी चीजों को लेकर सरकार हमेशा लोगों को चेताती रहती है और कई संस्थानों पर छापे मारकर सामान जब्त कर जुर्माना भी लगाती है लेकिन इसके बावजूद नकली और मिलावटी का कारोबार दिन ब दिन बढ़ाता ही जा रहा है जो लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन रहा है इससे लोग कैंसर जैसी बीमारियों से जूझ रहे हैं। यह तो हम आम दुकानों पर मिलने वाले सामान की बात कर रहे हैं वहीं लोग मॉल से सामान लेना अपनी शान समझते हैं लेकिन अब आप डीमार्ट और आईपरमार्ट जैसी नामी रिटेल कंपनियों के आउटलेट में शॉपिंग कर रहे हैं तो होशियार हो जाएं क्योंकि इन ब्रांडेड रिटेल कंपनियों के आउटलेट में भी शुद्ध और असली माल मिलने की गारंटी नहीं है।

ऐसा ही एक मामला राजस्थान के जयपुर स्थित डी-मार्ट और आईपरमार्ट के आउटलेट्स का सामने आया है जहां भारी मात्रा में नकली घी और तेल जब्त किया गया है। खाद्य विभाग की टीम पिछले दो दिन से डीमार्ट और आईपरमार्ट के आउटलेट पर कार्रवाई कर रही है।

सरस घी जो एक सरकारी ब्रांड है लेकिन इसी ब्रांड का नकली घी डीमार्ट आउटलेट पर बेचा जा रहा था। डीमार्ट के आउटलेट पर नकली सरस घी मिला। वहीं जयपुर के सिरसी रोड स्थित आईपरमार्ट पर भी टैगोर ब्रांड का नकली घी मिला है।

जयपुर शहर के अलग अलग इलाकों में डीमार्ट के आधा दर्जन से ज्यादा आउटलेट हैं। इन आउटलेट्स पर अनाधिकृत फर्म से सरस ब्रांड का घी सप्लाई होता है।

आरसीडीएफ की सीएमडी सुषमा अरोड़ा ने बताया कि डीमार्ट को कुकरखेड़ा के गोदारा मार्केट में स्थित खंडेलवाल एंड कंपनी सरस घी सप्लाई होता है। इस फर्म का संचालक आशीष खंडेलवाल कुकरखेड़ा मंडी के अनुज ट्रेनिंग कंपनी से घी खरीद कर डीमार्ट में सप्लाई करता था। ये दोनों ही फर्म सरस डेयरी के अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर नहीं है। कार्रवाई के बाद दोनों फर्मों को सीज कर दिया गया है और दोनों फर्मों के संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। दोनों फर्मों के मालिक फरार हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ये दोनों फर्म नकली घी कहां कहां सप्लाई करते थे।

नकली तेल की शिकायत मिलने के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से कार्रवाई की जा रही है। अब तक ४६ हजार लीटर नकली तेल सीज किया जा चुका है। यह तेल टैगोर ब्रांड का है जो एक नामी कंपनी है। मिलावटखोरी करने वाले माफियाओं ने नकली प्रोडक्ट निकाल कर मार्केट में सप्लाई कर दिया। सरकारी ब्रांड के नाम से बेचा जाने वाला नकली सरस घी और प्रो वैदिक कंपनी का नकली घी भी सीज किया गया है। अब तक नकली घी और तेल की शिकायतें छोटे दुकानदारों के खिलाफ आती थी। लेकिन अब नामी कंपनियों के सुपरमार्केट में भी नकली प्रोडक्ट मिलने लगा है। विभाग इस मामले की गंभीरता से छानबीन कर रहा है।

अरोड़ा ने बताया कि सरस घी के उपभोक्ता असली और नकली की पहचान आसानी से कर सकते हैं। हाल ही में आरसीडीएफ की ओर से क्यूआर कोड जारी किए हैं। इन क्यूआर कोड को स्कैन करने पर पूरी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। हर पेकिंग का अलग यूनिट कोड और बैच नंबर है। एमआरपी, मैनुफैक्चरिंग और एक्सपायरी डेट सहित तमाम जानकारी क्यूआर कोड स्कैन करके ली जा सकती है।

मादक पदार्थ एवं तम्बाकू के दुष्प्रभाव विषय पर सेमिनार

बोकारो (ससे): महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज बालीडीह में मादक पदार्थ एवं तम्बाकू के दुष्प्रभाव विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन प्रधानाचार्य डा० रमेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित लिया गया। स्वास्थ्य विभाग से डा० बी०पी० गुप्ता व सोशल वर्कर छोटेलाल द्वारा सभी बच्चियों को तम्बाकू के दुष्परिणाम, तम्बाकू खाने से होने वाली बीमारी से अवगत कराया गया साथ ही तम्बाकू छोड्ने के उपाय, परामर्शी सेवा लेने की सुविधा, टाल फ्री नम्बर १८००-११-२३५६ के बारे में जानकारी दी गई।

डा० बी० पी० गुप्ता द्वारा सभी बच्चों को बताया गया कि तम्बाकू किसी भी रूप में लिया जाये तो कैंसर होता है जैसे बीडी, सिगरेट, पान, जर्दा, खैनी, मावा, मिश्री, गुल, नसवार या चबाने वाला तम्बाकू जो लोग इस्तेमाल करते है। इससे इतना भयानक कैंसर होता है और इससे इतना बर्बादी होती है कि हम लोग अन्दाजा नही लगा सकते। भारत के अन्दर लगभग २७ करोड ५० लाख लोग तम्बाकू का प्रयोग किसी न किसी रूप में लेते है। तम्बाकू मनुष्य के शरीर में ४००० से अधिक बीमारियां पैदा कर सकता है जोकि आगे चल कर मौत का कारण बनता है।

छोटेलाल दास सोशल वर्कर तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम बोकारो ने बताया कि बोकारो जिला में दो तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र का संचालन किया जा रहा है जहां पर फेफडे की जांच, ब्लड के अन्दर कार्बन की जांच व तम्बाकू छोडने में मदद के लिये निकोटीन गम की उपलब्धता कराई जाती है। साथ ही साथ यह सेवा सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर भी एन०सी०डी० क्लीनिक में उपलब्ध हैं तो मेरा सभी लोगों से अनुरोध है कि जो भी तम्बाकू छोडना चाहते है वह एक बार तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र का भ्रमण अवश्य करें।

उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर नशा मुक्त समाज के निर्माण एवं युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहने को लेकर जारी अभियान के तहत जिले में कई *जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को चास प्रखंड के तालगेरिया स्थित कौशल विकास केंद्र में अध्ययनरत छात्राओं के बीच चित्रांकन एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के बीच मादक द्रव्यों के सेवन से होने वाले नुकसान से जागरूक करना और स्वयं ऐसा नहीं करना एवं दूसरों को भी ऐसा नहीं करने को लेकर प्रेरित करने की सीख देना है। इस कार्यक्रम में छात्रों ने काफी बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। भाषण प्रतियोगिता में छात्रों ने अपने वक्तव्य/ संबोधन के माध्यम से नशीले/ मादक पदार्थों का सेवन हर आयु वर्ग के लोगों को नहीं करने के लिए प्रेरित किया। चित्रांकन प्रतियोगिता में भी छात्रों ने एक से बढ़कर पोस्टर बनाकर नशा मुक्त भारत बनाने का संदेश दिया।

वहीं, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के जागरूकता रथ द्वारा भी जिले के विभिन्न प्रखंडों का भ्रमण कर आमजनों को नशा से मुक्ति का संदेश दिया। विभिन्न आडियो - विजुअल संदेश के माध्यम से आमजनों को मादक पदार्थों को छोड़ने के लिए प्रेरित किया। जानकारी हो कि, राज्य सरकार मादक पदार्थों के रोकथाम को लेकर पूर्णतः संकल्पित है।

आमजनों के बीच जागरूकता को लेकर राज्य सरकार ने आगामी २६ जून २०२४ तक जागरूकता कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है।

प्रतापपुर सब स्टेशन को सरिया पावर ग्रिड से जोडने की मांग

डुमरी (ससे): जिप सदस्य सुनीता कुमारी एवं भाजपा नेता सुरेन्द्र कुमार ने शनिवार को विद्युत सहायक अभियंता, महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता प्रतोष कुमार से मुलाकात कर एव पत्र सौंपकर प्रतापपुर सब स्टेशन को सरिया पावर ग्रिड से जोड़ने की मांग की है,पत्र में लिखा है कि डुमरी प्रखंड के उपभोक्ताओं को लगातार बिजली संकट झेलना पड़ रहा है क्योंकि डीवीसी पर निर्भरता के कारण डुमरी सहित आसपास के प्रखंडों के जेबीवीएनएल के उपभोक्ताओं के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है,जेबीवीएनएल का प्रतापपुर सब स्टेशन डीवीसी ग्रिड से जुड़ा हुआ है,ग्रिड में तकनीकी खराबी आने सहित समय-समय पर लोड शेडिंग करने से प्रतापपुर पावर सब स्टेशन से जुड़े उपभोक्ताओं को निर्वाध बिजली नहीं मिल पा रही है,जिप सदस्य ने कहा कि प्रतापपुर सब स्टेशन को सरिया पावर ग्रिड में जोड़ने से घंटो बिजली कटौती की यह गंभीर समस्या का निदान हो जाएगी और डुमरी प्रखंड वासियों को नियमित बिजली मिल पाएगी, विभाग को इस गंभीर समस्या को गंभीरता से लेते हुए प्रतापपुर सब स्टेशन को सरिया पावर ग्रीड से जोडने पर तत्काल पहल करनी चाहिए इसके साथ ही उन्होंने जामतारा, पिपराडीह, पंचवटी नगर, लक्ष्मणटुंडा, मधगोपाली मटियोयोबेड़ा, इसरी पंजाबीटोला, घटवार टोला, केंदुवाडीह, बड़कीटांड़ सहित कई स्थानों पर जर्जर पोल तार एवं जले मीटर को तत्काल बदलने की अवश्यकता है इधर जिप सदस्य ने बताया कि जीएम ने कहा कि प्रतापपुर फिडर को सरिया पावर ग्रिड जोड़ने की जो आवेदन मिला है उसकी जांच पड़ताल विभागीय स्तर से करवा कर आगे की प्रक्रिया की जाएगी वहीं जहां-जहां तार पोल बदलने एवं नई लगाने की आवेदन मिला है उसका भी समाधान जल्द ही कर दिया जाएगा।

दिव्यांगता शिविर में 111 दिव्यांगजनों ने करायी जांच

बोकारो (ससे): उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर आगामी १५ जुलाई तक अलग - अलग प्रखंडों में पेंशन/ दिव्यांगता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को पेंशन/दिव्यांगता शिविर का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चास में आयोजन किया गया है। जहां काफी संख्या में ग्रामीण आमजनों ने पेंशन से संबंधित समस्याओं को रखा। वहीं, दिव्यांगजनों ने अपनी दिव्यांगता की जांच कराई। शिविर में आम जनों का स्वास्थ्य जांच भी स्थानीय चिकित्सक एवं टीम द्वारा किया गया। आज शिविर में कुल १११ दिव्यांगजनों ने जांच कराया, जिसमें ४० फीसदी से ज्यादा दिव्यांगता वाले ५० दिव्यांगजन को चिन्हित किया गया। १८ लोगों ने आयुष्मान कार्ड, सिकल सेल एनिमिया जांच ७९ लोगों ने, आभा कार्ड निर्माण ४५ लोगों ने, फइलेरिया जांच २० लोगों ने, हाईपर टेंशन एवं ब्लड सुगर की जांच १०५ लोगों ने करवाया। परिवार नियोजन से संबंधित ७५ लोगों के बीच सामग्री वितरित की गई एवं जनरल ओपीडी में ५० लोगों ने स्वास्थ्य जांच करवाया।

सोमवार को पेंशन/दिव्यांगता शिविर का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नावाडीह में किया जाएगा।

वहीं, जिले के सभी प्रखंड सह अंचल कार्यालयों में विशेष राजस्व शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जो आगामी २९ जून २०२४ तक जारी रहेगा। इसी क्रम में शनिवार को भी जिले के सभी प्रखंड सह अंचल कार्यालयों में शिविर का आयोजन किया गया। जहां खतियानी रैयत के उत्तराधिकारियों एवं आपसी बंटवारा के आधार पर दाखिल - खारिज के लिए आवेदन प्राप्त किए गएं।

शिविर में भूमि संबंधित अन्य समस्याओं का भी निराकरण संबंधित अंचल के अंचलाधिकारियों द्वारा किया गया। साथ ही, अग्रतर कार्रवाई के लिए आवेदन प्राप्त किया गया। शिविर में काफी संख्या में आमजन शामिल हुए। चास अंचल कार्यालय स्थित शिविर का डीसीएलआर चास प्रभास दत्ता ने जायजा लिया।

उधर, परिवहन विभाग की टीम ने कसमार प्रखंड सभागार में शिविर का आयोजन किया। जहां ड्राइविंग लाइसेंस, सड़क सुरक्षा, मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना २०२२, झारखंड गुड सेमेरिटन पॉलिसी २०२० एवं हिट एंड रन से संबंधित आवेदन आमजनों से प्राप्त किया गया। सोमवार को नावाडीह प्रखंड सभागार में शिविर का आयोजन किया जाएगा। सभी शिविरों में आमजनों की भीड़ उमड़ रही है। आमजनों की समस्याओं का ऑन स्पॉट निष्पादन हो रहा है।

योग्य लोगों को मिले अबुआ आवास का लाभ

डुमरी (ससे): क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता सह युवा कांग्रेस के विधानसभा स्तरीय नेता रोहित कुमार ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि प्रखंड के विभिन्न पंचायतों खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में अबुआ आवास के चयन में काफी विसंगतियां हुई है,अबुआ आवास वैसे लोगों को भी मिल गया जो सुखी सम्पन्न हैं क्योंकि वे लोग दिखावे के लिए अपना एक मिट्टी का मकान रखे हुए हैं जिसको दिखाकर वेसब वाजिब लोगों को हक मारकर सरकारी योजनाओं का लाभ ले लेते हैं उचित नहीं है और स्थानीय प्रशासन इसका गहराई से जांच कर अबुआ आवास आवंटन सूची से सम्पन्न व्यक्तियों के नाम हटाकर जरूरतमंद लोगों का नाम जोड़ने का काम करना चाहिएगवहीं उन्होंने कहा कि वन विभाग के कतिपय कर्मियों की मिलीभगत से भरखर आदि विभिन्न पंचायतों में हो रहे सड़क निर्माण में क्रेशर से गिट्टी पत्थर ना लाकर नदी और वन क्षेत्र में अवस्थित पत्थर को ट्रैक्टर ड्रील मशीन से तोड़ कर उपयोग में लाया जा रहा है।

ऐप्पल वॉच ने बचाई बीजेपी नेता की जान वॉर्निंग मेसेज भेजा

हैदराबाद(ईएमएस): तेलंगाना के बीजेपी नेता को दिल का दौरा पड़ने से पहले ही ऐप्पल वॉच ने अलर्ट कर दिया। ऐप्पल वॉच के अलर्ट को गंभीरता से लेते हुए बीजेपी नेता प्रताप रामकृष्ण जांच के लिए अस्पताल पहुंचे, जहां उनके दिल में दो ब्लॉकेज पाए गए। इसके बाद डॉक्टरों ने तुरंत उनका इलाज शुरु कर दिया और अब वह स्वस्थ हैं।

डॉक्टर्स ने कहा कि अगर वह समय से अस्पताल न पहुंचते तो स्थिति गंभीर हो सकती थीं। उन्होंने जान बचने के बाद ऐप्पल वॉच को धन्यवाद दिया और कहा कि वह अब इसे हमेशा हाथ में पहनकर ही रखेंगे। बीजेपी नेता प्रताप रामकृष्ण अपनी दिनचर्या और स्वास्थ्य पर नज़र रखने के लिए स्मार्टवॉच का इस्तेमाल करते हैं। ऐप्पल वॉच सामान्य स्मार्टवॉच की तुलना में महंगी है, इसलिए इसे इस्तेमाल करने वाले बहुत कम लोग हैं।

तेलंगाना के राजन्ना सिरसिला जिले के बीजेपी नेता रामकृष्ण ६२ साल के हैं। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत खराब लग रही थी। हल्के काम करने या कम दूरी पैदल चलने के बाद भी अक्सर थकान महसूस होने लगती थी। उन्हें सीने में दर्द हो रहा था, लेकिन उन्होंने सोचा कि वह गैस से पीड़ित हैं। बीते सोमवार को वह रोज की तरह मॉर्निंग वॉक पर निकले और व्यायाम किया। उन्हें अचानक सीने में दर्द का हुआ।

आजसू ने बलिदान दिवस के रूप में मनाया पार्टी का स्थापना दिवस

डुमरी(ससे): आजसू पार्टी का ३९वां स्थापना दिवस शनिवार को मथुरासिनी भवन इसरी बाजार में बलिदान दिवस के रूप में मनाया गया। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश में आयोजित स्थापना दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पार्टी के गोमिया विधायक डा.लंबोदर महतो उपस्थित थे। कार्यक्रम में डुमरी विधानसभा क्षेत्र के तीनों प्रखंडों और पंचायतों से आये प्रखण्ड अध्यक्ष सहित प्रखण्ड कमिटी के पदाधिकारी व सदस्य और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।इस दौरान आजसू पार्टी की स्थापना का उद्देश्य, उद्देश्यों की प्राप्ति, आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की सशक्त उपस्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। अपने संबोधन में विधायक लंबोदर महतो ने कहा कि राज्य की वर्तमान सरकार जिस वायदे के साथ सत्ता में आयी थी उस वायदे को पूरा नहीं कर पायी। उसे इसका खामियाजा आने वाले विधानसभा चुनाव में भुगतना होगा।

कहा कि अलग झारखंड राज्य की स्थापना जिस उद्देश्य से हुई थी। वह आज भी अधूरा है। झारखंडियों के सपनों का झारखंड नहीं बन पाया।कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में प्रदेश में एनडीए की सरकार बनेगी और सपनों के झारखंड का निर्माण होगा। कार्यक्रम को विधानसभा प्रभारी यशोदा देवी जिला प्रधान सचिव छक्कन महतो डुमरी विधानसभा सह-प्रभारी संतोष महतो जिप सदस्य बैजनाथ महतो छोटू,टिकैत महतो आदि ने भी संबोधित किया।कार्यक्रम के अंत में विधानसभा क्षेत्र में पार्टी की मजबूती के लिए १०० दिनों का कार्यक्रम बनाया गया।जिसमें ग्राम प्रभारी और चूल्हा प्रभारी को सशक्त बनाने और पंचायत व गांवों में पार्टी को और मजबूत करने का निर्णय लिया गया।

अध्यक्षता संतोष महतो और संचालन पार्टी के नावाडीह प्रखण्ड अध्यक्ष मिश्रीलाल महतो ने किया।मौके पर जिप सदस्य प्रदीप मंडल, लखन महतो, शम्भूनाथ महतो, दुलारचन्द महतो, कुमारी खुशबू केन्द्रीय महासचिव अलाउद्दीन अंसारी, चंद्रदेव महतो,दीपक महतो बोकारो प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष जयलाल महतो, बासुदेव महतो, टुकन चौधरी, सतीश महतो, मोहन महतो के अलावा काफी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नाबालिग आरोपी के पिता को जमानत मिली

पुणे (ईएमएस): पुणे की एक अदालत ने पोर्श एक्सीडेंट मामले में आरोपी किशोर के पिता विशाल अग्रवाल को जमानत दे दी। रिपोर्ट के अनुसार, अग्रवाल को किशोर न्याय अधिनियम से संबंधित एक मामले में जमानत मिली है। अग्रवाल पर एक अभिभावक के रूप में अपने कर्तव्य को पूरा करने में विफल रहने के लिए मोटर वाहन अधिनियम और किशोर न्याय अधिनियम के तहत आरोप लगाया गया था। पुलिस ने यह पता लगाने के बाद इसे अपने कब्जे में ले लिया कि मार्च में अपने बेटे के लिए खरीदी गई पोर्श का पंजीकरण नहीं कराया गया था क्योंकि अग्रवाल ने ४४ लाख रुपये का रोड टैक्स नहीं चुकाया था। इसके अलावा, उनके नाबालिग बेटे के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था। दुर्घटना के परिणामस्वरूप दो सॉफ्टवेयर इंजीनियर अनीश अवधिया और अश्विनी कोस्टा की मौत हो गई। १७ वर्षीय किशोर ने कथित तौर पर नशे में गाड़ी चलाकर उन्हें टक्कर मार दी।१४ जून को पुणे की अदालत ने किशोर के माता-पिता और एक अन्य आरोपी को १४ दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। विशाल, शिवानी अग्रवाल और बिचौलिए अश्पक मकंदर पर किशोर के रक्त के नमूने बदलने के आरोप में जांच की जा रही है, ताकि यह दिखाया जा सके कि दुर्घटना के समय वह नशे में नहीं था।

डीपीएस चास में छात्र सम्मान समारोह आयोजित

चास (ससे): डीपीएस चास में आज शनिवार को सीबीएसई १०वीं और १२वीं बोर्ड परीक्षा-२०२४ में डॉ. राधाकृष्णन सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स बोकारो के विभिन्न ४३ स्कूलों के टॉपर्स १२९ उत्कृष्ट छात्रों की उपलब्धियों को पहचानने और सम्मानित करने के लिए एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर रजनीश कुमार थे। अन्य सम्मानित अतिथियों में डॉ. एस राधाकृष्णन सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स बोकारो के अध्यक्ष सह डीपीएस बोकारो के प्रधानाचार्य-डॉ. ए. एस. गंगवार, उपाध्यक्ष सह जीजीपीएस, बोकारो के प्रधानाचार्य-सोमेन चक्रवर्ती, महासचिव सह ए. आर. एस. पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य-विश्वजीत पात्रा, एमजीएम हायर सेकंडरी बोकारो के प्रधानाचार्य-डॉ जोशी वर्गीस मुख्य रूप से उपस्थित थे। इसके साथ ही अन्य स्कूलों के प्रधानाचार्यों तथा शिक्षकों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि तथा सम्मानित अतिथियों का स्वागत डीपीएस चास की प्रभारी प्रधानाचार्या दीपाली भुस्कुटे ने की। उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. एस राधाकृष्णन सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स बोकारो के इस कार्यक्रम का आयोजन करना डीपीएस चास के लिए गर्व की बात है।

उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. एस राधाकृष्णन सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स बोकारो की स्थापना वृहत् दृष्टिकोण रखने वाली, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित, डीपीएस चास की चीफ मेंटर डॉ हेमलता एस मोहन ने की हैं और उन्नीस वर्षों से अधिक समय तक अध्यक्ष पद को सुशोभित करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य भी किए हैं।

इसके पूर्व मुख्य अतिथि तथा अन्य सम्मानित अतिथियों को बालवृक्ष देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डीपीएस चास के छात्रों ने गणेश वंदना का मनमोहक प्रदर्शन किया। इसके बाद मुख्य अतिथि तथा सम्मानित अतिथियों ने सीबीएसई बोर्ड-२०२४ के स्कूल टॉपर्स छात्रों को उनकी कड़ी मेहनत, परिश्रम और प्रतिबद्धता के लिए ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि अपने लक्ष्य के प्रति जुनून हो तो निश्चय ही कामयाबी हमारे कदम चूमेगी। इसके साथ ही साथ उन्होंने छात्रों को खुद को केंद्रित रखने और दृढ़ संकल्प तथा कड़ी मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर श्री गंगवार ने छात्रों को कहा कि एक अच्छा इंसान ही अच्छा विद्यार्थी और अच्छा नागरिक बन सकता है। उन्होंने छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में ए. आई. की नई तकनीक के कारण बदल रही परिस्थितियों के अनुसार लक्ष्य निर्धारित कर उसके प्रति केंद्रित रहने तथा जुनून के साथ अध्ययन करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

डीपीएस चास की चीफ मेंटर डॉ हेमलता एस मोहन ने सम्मानित विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है। छात्र योजनाबद्ध तरीके से अपने ध्येय को पाने का अनवरत प्रयास करते रहें। ऐसा करें जिससे कि वे समाज के लिए प्रेरणा बन सकें, क्योंकि वे ही समाज व राष्ट्र के भविष्य हैं।

इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका सुदेशना सिन्हा तथा डीएस मेमोरियल सोसायटी चास के सचिव सुरेश अग्रवाल ने भी विद्यार्थियों को उनकी सफलता पर बधाई दी।

पृष्ठ एक का शेषांश

भारत ने बांग्लादेश को---

के ओपनर रोहित शर्मा और विराट कोहली ने विस्फोटक शुरुआत की। दोनों ने पहले विकेट के लिए ३.४ ओवर में ३९ रन जोड़े। रोहित शर्मा को साकिब अल हसन ने जाकिर अली के हाथों कैच कराया। रोहित शर्मा ने ११ गेंद में तीन चौके और एक छक्के की सहायता से २३ रन बनाए विराट्। कोहली का विकेट ९वें ओवर में गिरा, जब तंजीम हसन ने उन्हें बोल्ड कर दिया। कोहली ने २८ गेंद में तीन छक्के और एक चौके की सहायता से ३७ रन का योगदान दिया। सूर्यकुमार यादव आज ज्यादा नहीं चल पाए्। ६ रन के स्कोर पर एक छक्का लगाने के बाद तंजीम हसन साकिब ने उन्हें लिटन दास के हाथों कैच करा दिया। ऋषभ पंत ने २४ गेंद में चार चौके और दो छक्के की सहायता से ३६ रन की पारी खेली। उन्हें रिशाद होसैन ने तंजीम हसन शाकिब के हाथों कैच करा दिया। शिवम दुबे २४ गेंद में तीन छक्के की सहायता से ३४ रन बनाने के बाद रिशाद होसैन की गेंद पर बोल्ड हो गए्। हार्दिक पांड्या नाबाद रहे। उन्होंने २७ गेंद में चार चौके और तीन छक्के की सहायता से ५० रन जोड़े। अक्षर पटेल पांच गेंद में तीन रन ही बना सके। बांग्लादेश के लिए रिशाद होसैन और तंजीम हसन शाकिब ने दो-दो और शाकिब अल हसन ने एक विकेट लिया।

खान मंत्रालय अहम और---

सरकार ने १४ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित ३८ महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉकों की ३ चरणों में नीलामी की शुरुआत कर दी है। इस कार्यक्रम के दौरान २९ नवंबर, २०२३ को नीलामी की शुरू की गई पहली किस्त के पसंदीदा बोलीदाताओं की घोषणा की जाएगी।

राष्ट्रपति से मिली---

प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश ने महत्वपूर्ण आर्थिक प्रगति की है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और बांग्लादेश विभिन्न क्षेत्रों में अपने सहयोग को मजबूत करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और सहयोग के नए क्षेत्रों में भी प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इससे भारत-बांग्लादेश संबंधों का भविष्य तय होगा। स्निग्ध और सौहार्दपूर्ण बातचीत के दौरान, दोनों नेताओं ने आर्थिक संबंधों, विकास साझेदारी, रक्षा सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा और कनेक्टिविटी सहित सभी क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत बनाने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की। ९ जून २०२४ को नई सरकार के गठन के बाद यह भारत द्वारा आयोजित पहली राजकीय यात्रा है।

देर से दफ्तर जाने वाले---

कार्यालय सुबह ९ बजे से शाम ५.३० बजे तक खुले रहते हैं, लेकिन जूनियर स्तर के कर्मचारियों का देर से आना और जल्दी चले जाना सामान्य बात है। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि ऑफिस कोई निश्चित समय नहीं है। हम काम घर भी ले जाते हैं। वे आमतौर पर शाम ७ बजे के बाद निकलते हैं। इसके अलावा उनका तर्क है कि कोविड के बाद इलेक्ट्रॉनिक फाइलों पर अक्सर छुट्टियों या वीकेंड में घर से काम करते हैं। २०१४ में सत्ता संभालने के बाद मोदी सरकार ने कार्यालय के समय को लागू करने को कहा था। कर्मचारियों ने इसका विरोध किया था। कुछ ने तर्क दिया था कि वे लंबी दूरी की यात्रा करते हैं। अधिकारी और कर्मचारी समय पर ऑफिस आएं इसके लिए आधार वाली बायोमेट्रिक सिस्टम लगाई गई थी।

अंतरिक्ष में होगा कमाल---

के लिए महत्वपूर्ण और उभरती हुई प्रौद्योगिकी पर अमेरिका और भारत की पहल को आगे बढ़ा रहा है। हम साथ मिलकर अंतरिक्ष में अपने देशों के सहयोग का विस्तार कर रहे हैं, जिसमें इसरो अंतरिक्ष यात्री के साथ अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर एक संयुक्त प्रयास शामिल है। हालांकि मिशन के बारे में विशिष्ट विवरण अभी भी काम में हैं, ये प्रयास भविष्य के मानव अंतरिक्ष यान का समर्थन करने और पृथ्वी पर जीवन को बेहतर बनाएंगे।

वहीं डोभाल ने अपने अमेरिकी समकक्ष जेक सुलिवन की मौजूदगी में कहा कि भारत और अमेरिका को बड़े रणनीतिक हित के हिस्से के रूप में महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के विकास में सबसे आगे रहना चाहिए्।

पेपर लीक पर लगाम,योगी सरकार ने बनाया फुल प्रुफ प्लान

लखनऊ (ईएमएस): यूपी में करीब ५६ प्रतिशत आबादी युवाओं की है। इस आबादी के लिए पेपर लीक सबसे बड़ा मुद्दा है। युवा लगातार पेपर लीक पर लगाम लगाने की बात कह रहे हैं। इसके बाद योगी सरकार ने पेपर लीक पर लगाम लगाने का फुल प्रुफ प्लान बनाया है। इसके तहत पेपर लीक जैसी गंभीर समस्या से निपटने के लिए पूरी तैयारी हुई है। योगी सरकार की नई प्लानिंग के मुताबिक किसी भी परीक्षा की जिम्मेदारी चार एजेंसियों के पास होगी। वहीं डीएम की अध्यक्षता में सेंटर का चयन होगा।

प्रिंटिंग प्रेस के चयन में भी गोपनियता रखी जाएगी। वहीं प्रिंटिंग प्रेस की सीसीटीवी कैमरों से निगरानी होगी, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी ना हो सके। प्रिंटिंग प्रेस में आने जाने वाले हर शख्स की जांच की जाएगी। जो भी प्रेस में जाएगा उसके पास कंपनी का आईडी कार्ड होना अनिवार्य होगा। किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रेस में जाने की इजाजत नहीं होगी।

प्रिंटिंग प्रेस में स्मार्टफोन और कैमरा ले जाना पूरी तरीके से बैन होगा। इतना ही नहीं प्रिंटिंग प्रेस को २४ घंटे सातों दिन सर्विलांस पर रखा जाएगा।

प्रेस की २४ घंटे सातों दिन सीसीटीवी की निगरानी की जाएगी। इसके अलावा सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग को १ साल तक सुरक्षित रखा जाएगा।

बता दें कि नए आदेश के अनुसार यूपी में भर्ती परीक्षा ४ अलग-अलग ऐजेंसियों को मदद से होगी। परीक्षार्थी को अपने गृह मंडल के बाहर परीक्षा देने जाना होगा। ४ लाख से अधिक परीक्षार्थी होने पर दो चरणों में परीक्षा ली जाएगी। हर पाली में २ या अधिक पेपर सेट जरूर होने चाहिए। प्रत्येक सेट के प्रश्न पत्र की छपाई अलग-अलग एजेंसी के माध्यम से होगी। पीसीएस परीक्षा को एक ही पाली में करने की छूट रहेगी। रिजल्ट बनाने में घांधली को रोकने के लिए आयोग और बोर्ड में ही ओएमआर शीट की स्कैनिंग होगी। ओएमआर सीट की तीन सेंट उपलब्ध रहने वाले हैं। मूल प्रति आयोग और बोर्ड के पास दूसरी कॉपी कोषागार और तीसरी कॉपी अभ्यर्थी को दी जाएगी। सीएम योगी ने ये सारी जिम्मेदारी अलग-अलग एजेंसी को दी है। काम को अलग-अलग बांटा गया है, ताकि पेपर माफिया कहीं भी सेंटिंग का खेल ना खेल सकें।

एजेंसी ए- इसका काम प्रश्नपत्र तैयार करवाना, छपवाना और सभी जिलों में कोषागार तक पहुंचाना।

एजेंसी बी- इसकी जिम्मेदारी परीक्षा करवाने की। कोषागार से पेपर सेंटर तक पहुंचाने की। परीक्षा केंद्र की व्यवस्था और ओएमआर शीट को बोर्ड और आयोग तक पहुंचाने की होगी।

एजेंसी सी- परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी तीसरी एजेंसी की होगी। इसमें फ्रिस्किंग, बायोमैट्रिक कैप्चर, सीसीटीवी से निगरानी और कंट्रोल रूम की व्यवस्था करना होगा।एजेंसी डी- इसका काम ओएमआर शीट की स्कैनिंग आयोग व बोर्ड परिसर में ही कराकर परीक्षा का स्कोर चयन संस्था को उपलब्ध करवाने का होगा।

इतना ही नहीं पेपर लीक से बचने के लिए योगी सरकार ने प्रश्न पत्र में गोपनीय कोड का भी प्रयोग करने का प्लान बनाया है। क्रेब्बन पेपर के हर पन्ने पर सीक्रेट सिक्योरिटी साइन होगा, जैसे- यूनिक बारकोड या क्यूआरकोड या फिर यूनिक सिरियल नंबर्स इन कोड की मदद से जरूरत पर उसकी सीरीज के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।

क्रेब्बन पेपर लाने व ले जाने के बक्से की टेंपर प्रूफ मल्टी लेयर पैकेजिंग होगी। क्रेब्बन पेपर सेटिंग के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। परीक्षा नियंत्रक द्वारा प्रश्न पत्र छापने वाली एजेंसी का नियमित निरीक्षण किया जाएगा। योगी सरकार ने सेंटर चुनने की जिम्मेदारी अब सीधे डीएम को सौंप दी है।

डीएम की अध्यक्षता में कमेटी बनाकर सेंटर का चयन होगा। मतलब सेंटर पर गड़बड़ी हुई तब फिर जिम्मेदारी डीएम की होगी। सेंटर का सेलेक्शन कक्षा-१ और कक्षा-२ के हिसाब से होगा। इसके अलावा जो स्कूल या कॉलेज विवाद में रह चुके हैं या जहां कभी गड़बड़ी हो चुकी है, वहां एग्जाम नहीं होगा। उन सारे संस्थानों को ब्लैक लिस्ट में ही रखा जाएगा।

कक्षा-१ में राजकीय इंटर कॉलेज, डिग्री कॉलेज, राज्य एवं केंद्र के विश्वविद्यालय, पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग एवं मेडिकल कॉलेज को रखा गया है। इन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

कक्षा-२ में उन स्कूलों को चयन किया जाएगा। जिनकी रेपुटेशन अच्छी हो, सेंटर पर छात्रों के लिए सुविधाएं उपलब्ध हो। योगी सरकार ने सेंटर सेलेक्शन का भी नियम बनाया है। इसके अनुसार एग्जाम सेंटर को ३ साल परीक्षा करने का अनुभव होना जरूरी है। परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी चालू अवस्था में होना अनिवार्य है।

परीक्षा शुरू होने से लेकर परीक्षा के खत्म होने तक सीसीटीवी ऑन रहेगा। इसके लिए लाइट के साथ-साथ जेनरेटर की व्यवस्था होगी। परीक्षा केंद्र के ब्लिंडिंग में बॉउंड्रीवॉल होना अनिवार्य होगा।

पप्पू यादव ने फिर बढ़ा दी बीमा भारती की मुश्किलें

पटना (एजेंसी): बिहार में लोकसभा चुनाव के बाद अब रुपौली में होने वाले उपचुनाव को लेकर सियासी घमासान छिड़ा हुआ है. राजद अध्यक्ष लालू यादव ने बीमा भारती को टिकट दिया है. उन्हें महागठबंधन में शामिल अन्य दलों का समर्थन मिला हुआ है. बीमा के सामने जेडीयू से कलाधर मंडल चुनावी ताल ठोंक रहे हैं. निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर शंकर सिंह भी एलजेपी से इस्तीफा देकर चुनावी मैदान में हैं. हालांकि, बीमा भारती को सबसे ज्यादा खतरा पूर्णिया सांसद पप्पू यादव से है. पप्पू यादव ने साफ कहा है कि रुपौली विधानसभा की जनता को नया प्रतिनिधि मिलने जा रहा है. पप्पू यादव के इस बयान से सियासी पारा चढ़ गया है.

पप्पू यादव ने कहा कि रुपौली से कांग्रेस को उपचुनाव लड़ना चाहिए. उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस नहीं लड़ी तो महागठबंधन से सीपीआई को सीट मिलनी चाहिए थी. उन्होंने कहा कि अगर महागठबंधन से सीपीआई से किसी उम्मीदवार को टिकट मिलता तो वह उसका समर्थन करते, लेकिन महागठबंधन की ओर से बीमा भारती को उम्मीदवार बनाया है. ऐसे में वो या तो नए विकल्प के साथ जाएंगे या फिर खुद को इस चुनाव से अलग रखेंगे. उन्होंने कांग्रेस पार्टी से भी बीमा भारती का समर्थन नहीं करने की अपील की है.

बता दें कि २०२० में हुए विधानसभा चुनाव में रूपौली सीट से बीमा भारती जेडीयू की टिकट पर विधायक बनी थीं. लेकिन पूर्णिया से लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए जेडीयू और विधायकी से इस्तीफा देकर राजद की टिकट पर चुनाव लड़ा. यहां निर्दलीय पप्पू यादव ने उनको करारी शिकस्त दी. पप्पू ने महागठबंधन की ओर से टिकट मांगी थी, लेकिन उनको मिली नहीं थी. यही वजह है कि पप्पू यादव अब बीमा भारती की राह के कांटे बन गए हैं.

पहले में मैं अंजार में थी, जहां भूंकप के दौरान मेरी मौत हो गई थी

बनासकांठा (ईएमएस): हिन्दू धर्म के शास्त्रों में पुनर्जन्म का उल्लेख है, मौजूदा दौर में इसे लेकर सवाल उठाया जा सकता है। लेकिन एक मासूम बच्ची की बातें सुनकर पुनर्जन्म पर लोग यकीन जरूर करने लगेंगे। बच्ची का कहना है कि वह पहले अंजार में रहती थी, जहां भूंकप में छत गिरने से उसकी मौत हो गई थी। यह बच्ची बनासकांठा जिले की पालनपुर तहसील के खसा गांव में रहती है।

श्रमिक परिवार की चार साल की बेटी दक्षा के शुद्ध हिन्दी बोलना उसके परिजन समेत आसपास के लोगों को अचंभित कर देती है। जबकि उसके परिवार समेत आसपास का शायद ही कोई व्यक्ति हिन्दी जानता है। पालनपुर तहसील का खसा गांव पहले देशभर में हाथ बुनाई से बनी चद्दरें, गमछा और रूमाल की वजह से मशहूर था और अब चार साल की बच्ची के पुनर्जन्म को लेकर चर्चा में आ गया है। खसा गांव के सरपंच वालजी पटेल के खेत बटाई में जोतने-बोनेवाले जेताजी ठाकोर की तीन संतानों में एक बेटा और दो बेटियां हैं। जिसमें सबसे छोटी बेटी दक्षा ४ साल की है और जबसे उसे बोलना आया है तब से वह हिन्दी ही बोलती है। आश्चर्य की बात तो यह है कि उसके परिवार समेत आसपास कोई हिन्दी में बातचीत करने वाला नहीं है। परिवार में सभी गुजराती में बात करते हैं, जबकि दक्षा हिन्दी बोलती है। जो उसके माता-पिता समेत अन्य लोग भी समझ नहीं पाते कि वह क्या बोल रही है? उसे अगर पानी चाहिए तो वह गुजराती नहीं बल्कि हिन्दी में कहती है मां मुझे पानी दे।

दक्षा की मां पढ़ी लिखी नहीं है, जिससे उसे अपनी बेटी की भाषा समझ नहीं आती। स्कूल गए बगैर किसी प्रकार के टीवी-सिनेमा या सोशल मीडिया के माध्यम समेत आसपास कोई भी हिन्दी बोलने वाला नहीं है, इसके बावजूद दक्षा का हिन्दी बोलना सभी को अचंभित कर देता है।

दक्षा कहती है कि उसे भगवान ने यहां भेजा है। पहले वह अंजार में थी और उसके माता-पिता भी अंजार में ही थे। भूकंप के दौरान छत गिरने से उसकी मौत हो गई थी। पुनर्जन्म की बात करने वाली मासूम बच्ची दक्षा बड़ी होकर सेना में भर्ती होना चाहती है और दुश्मनों के दांत खट्टे करने के सपने देख रही है। दक्षा के पिता जेताजी ठाकोर ने बताया कि उन्हें भी बेटी के हिन्दी बोलने पर आश्चर्य होता है। लेकिन जब बताती है कि यह उसका पुनर्जन्म है और इससे पहले वह अंजार में थी जहां भूकंप के दौरान उसकी मौत हो गई थी। दक्षा की ऐसी बातें हमें भी अचरज में डाल देती हैं। गौरतलब है कि २००१ में गुजरात में आए विशाशकारी भूकंप में हजारों लोगों की मौत हो गई थी। कच्छ में सबसे अधिक जानहानि हुई थी।

नीट परीक्षा मामले में बड़ा खुलासा देवघर से 5 शातिर गिरफ्तार

पटना (एजेंसी): नीट पेपर लीक मामले में देशभर में बवाल मचा हुआ है. इस बीच झारखंड के देवघर से पांच शातिर लोगों की गिरफ्तारी की खबर आई है. पुलिस का मानना है कि इन पांचों का नीट पेपर लीक में बड़ा हाथ हो सकता है और अब उनसे पूछताछ की जाएगी. इस मामले में हजारीबाग के एक सेंटर से पेपर लीक होने का बड़ा खुलासा हुआ है. सूत्रों के अनुसार पटना में मिली जली हुई प्रश्न पत्र की बुकलेट के आधार पर यह पता चला है कि पेपर सबसे पहले हजारीबाग के सेंटर से लीक हुआ था.

जानकारी के लिए बता दें कि नीट पेपर लीक के एक प्रमुख आरोपी सिकंदर यादवेंद्र ने अपने कबूलनामे में महत्वपूर्ण खुलासे किए हैं. सिकंदर ने बताया कि उसने ३०-३२ लाख रुपए में अमित आनंद और नीतीश कुमार से पेपर खरीदा था. इसके बाद उसने यह पेपर समस्तीपुर के अनुराग यादव, दानापुर पटना के आयुष कुमार, गया के शिवनंदन कुमार और रांची के अभिषेक कुमार को ४०-४० लाख रुपए में बेचा था. पेपर बेचने के बाद पटना के रामकृष्णा नगर में ४ मई की रात को इन चारों उम्मीदवारों को पेपर रटवाया गया था.

इस मामले में संजीव मुखिया उर्फ लूटन की तलाश अभी भी जारी है. पुलिस संजीव मुखिया को खोजने में जुटी हुई है, क्योंकि उसका बेटा शिव कुमार पहले से ही बीपीएससी पेपर लीक मामले में जेल में है. अब तक बिहार में १३ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और पुलिस को शक है कि संजीव मुखिया के तार नीट परीक्षा लीक मामले से भी जुड़े हो सकते हैं. संजीव मुखिया के बारे में जानकारी है कि वह पिछले २० सालों में अनेक परीक्षाओं को लीक कराने में शामिल रहा है और पहले भी जेल जा चुका है.

पुलिस इस मामले की जांच में पूरी मेहनत कर रही है और उम्मीद है कि जल्द ही और भी बड़े खुलासे होंगे. इस पेपर लीक कांड ने नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा की शुचिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं और छात्रों व अभिभावकों में भारी निराशा पैदा की है. पुलिस और संबंधित जांच एजेंसियों पर अब जिम्मेदारी है कि वे मामले की गहराई से जांच करें और दोषियों को सख्त सजा दिलवाएं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों और परीक्षाओं की शुचिता बनी रहे.

भारत दुनिया में क्वांटम मिशन के क्षेत्र में अग्रणी है: मंत्री जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली (ईएमएस): 'इकोनॉमिक टाइम्स' द्वारा आयोजित पहले ईटी सरकारी पीएसयू पुरस्कार समारोह में भाग लेते हुए केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, भारत आज अधिकांश वैश्विक मानदंडों में आगे है, कुछ क्षेत्रों में यह अन्य बड़े देशों के बराबर है, जबकि अन्य क्षेत्रों में यह उनसे बहुत आगे है। डॉ.जितेंद्र सिंह ने कहा, वर्तमान समय में १०वें स्थान से ५वें स्थान पर पहुंची भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास पीएसयू के योगदान के कारण ही संभव हुआ है। पीएसयू आज वैश्विक मानदंडों और मानकों पर खरे उतरे हैं। उनके अद्वितीय प्रयासों के कारण ही भारत वैश्विक नवाचार सूचकांक में ऊंचे पायदान पर पहुंचा है। आज, यह विश्व में ४७वें स्थान पर है, जो तुलना योग्य कई अन्य अर्थव्यवस्थाओं से आगे है, जबकि २०१४ में यह ८१वें स्थान पर था।

डॉ.जितेंद्र सिंह ने यह भी उल्लेख किया कि भारत दुनिया में क्वांटम मिशन के क्षेत्र में अग्रणी है और इस विशिष्ट समूह में शामिल विश्व के पांच या छह देशों में से एक है। राष्ट्रीय क्वांटम मिशन सरकार की प्राथमिकता वाली प्रमुख पहलों में से एक है, जिसके अंतरिक्ष से लेकर क्रिप्टोग्राफी तक कई अनुप्रयोग हैं। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, वर्तमान समय में भारतीय सार्वजनिक उपक्रमों ने जो उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, उसका कारण यह है कि उन्होंने निजी कंपनियों को शामिल करने के प्रति अपनी झिझक छोड़ दी है।डॉ.जितेंद्र सिंह ने विभिन्न श्रेणियों के लिए सार्वजनिक उपक्रमों को पुरस्कृत भी किया। कौशल विकास की श्रेणी में, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को स्वर्ण पुरस्कार मिला, जबकि एआई और पूर्वानुमानित प्रौद्योगिकी अपनाने की श्रेणी में भाभिणी को स्वर्ण पुरस्कार मिला।

मंत्री आतिशी का अनिश्चितकालीन अनशन जारी

नई दिल्ली (ईएमएस): राजधानी दिल्ली में जल संकट को लेकर दिल्ली की जल मंत्री आतिशी का अनिश्चितकालीन अनशन दूसरे दिन, शनिवार को भी जारी है। दक्षिणी दिल्ली के भोगल में अपने 'जल सत्याग्रह स्थल से एक वीडियो संदेश में आतिशी ने कहा कि जब तक हरियाणा दिल्ली वासियों के लिए और पानी नहीं छोड़ता, तब तक वह कुछ नहीं खाएंगी।

उन्होंने कहा कि शहर में २८ लाख लोग पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं।

मंत्री का अनिश्चितकालीन अनशन शुक्रवार को शुरू हुआ और उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा यमुना नदी में दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं छोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को हरियाणा ने ११ करोड़ गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) कम पानी छोड़ा। उन्होंने कहा, ''एक एमजीडी पानी से २८,००० लोगों को जलापूर्ति होती है। १०० एमजीडी पानी की कमी का मतलब है कि दिल्ली में २८ लाख लोगों को पानी नहीं मिल रहा है। जलमंत्री ने कहा कि दिल्ली को पानी के लिए पड़ोसी राज्यों पर निर्भर रहना पड़ता है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्यों से नदियों और नहरों के जरिए उसे १,००५ एमजीडी पानी मिलता है जिसमें से हरियाणा ६१३ एमजीडी पानी मुहैया कराता है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में जारी भीषण गर्मी के बीच हरियाणा कुछ समाह से ५१३ एमजीडी पानी ही दे रहा है जिस कारण २८ लाख से अधिक लोग प्रभावित हो रहे हैं।

मॉरीशस के लुईस बंदरगाह पर आईएनएस सुनयना जहाज

नई दिल्ली (ईएमएस): दक्षिण पश्चिम आईओआर में लंबी दूरी की तैनाती पर भारतीय नौसेना सुरक्षा (आईएनएस) के सुनयना जहाज ने २० जून, २०२४ को मॉरीशस के लुइस बंदरगाह में प्रवेश किया। बंदरगाह में प्रवेश करने से पूर्व जहाज मॉरीशस तट रक्षक (एमसीजी) जहाज बाराकुडा और एमपीएफ डोर्नियर के साथ मॉरीशस के ईईजेड की समुद्री निगरानी में कार्यरत था। क्षेत्र में संयुक्त ईईजेड गश्ती इस क्षेत्र में सहकारी समुद्री सुरक्षा के प्रति भारतीय नौसेना की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। एमसीजी डोर्नियर और मॉरीशस पुलिस बल बैंड द्वारा सुनयना जहाज के आगमन पर इसका पूर्ण गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यह जहाज बंदरगाह की तीन दिवसीय यात्रा पर है तथा पेशेवर और सामाजिक बातचीत, एमसीजी कर्मियों के बंदरगाह प्रशिक्षण, सामुदायिक सेवा, चिकित्सा शिविर और खेल गतिविधियों की विस्तृत श्रृंखला में कार्यरत है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई २०२४) के अवसर पर लुइस बंदरगाह में आईएनएस सुनयना और एमएनसीजी बाराकुडा पर संयुक्त योग सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय नौसेना और मॉरीशस के राष्ट्रीय तटरक्षक बल के कर्मियों ने भाग लिया गया है।

दूसरे राज्यों में कांग्रेस का हाथ थामेगी सपा, जारी रहेगा गठबंधन

लखनऊ (ईएमएस): लोकसभा चुनाव में विशेषकर उत्तर प्रदेश में भाजपा के विजय रथ पर लगाम लगाने का श्रेय समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव तथा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को गया है। इन दोनों दलों के गठबंधन ने भाजपा को न सिर्फ अपेक्षित सफलता हासिल करने से रोक दिया बल्कि केन्द्र में बहुमत के आंकड़े से भी बहुत दूर कर दिया। अब समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का यह गठबंधन देश के अन्य राज्यों में भी विस्तार लेने वाला है। माना जा रहा है कि कांग्रेस मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा आदि राज्यों में भविष्य में होने वाले चुनावों में समाजवादी पार्टी का साथ निभायेगी। वहीं, उप्र की दस विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में भी यह गठबंधन ताल ठोंकेगा।

दरअसल, लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद समाजवादी पार्टी कांग्रेस के

सहारे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करना चाहती है तो वहीं कांग्रेस देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में सपा के कंधों पर चढ़कर अपनी खोयी जमीन को वापस पाना चाहती है। जाहिर है कि दोनों को ही एक-दूसरे की जरुरत है। लोकसभा चुनाव से पहले जब मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और सपा के बीच गठबंधन को लेकर सहमति बनी थी लेकिन तब कांग्रेस नेता कमलनाथ के एक बयान ने दोनों के बीच खटास पैदा कर दी थी। उससे सबक लेकर अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे स्वयं दोनों दलों के बीच गठबंधन को लेकर आने वाली कथित दिक्कतों पर सीधे हस्तक्षेप करेंगे।

वहीं राहुल गांधी अखिलेश यादव से सीधे वार्ताकर समस्याओं का हल निकालेंगे। कांग्रेस चाहती है कि सपा के साथ मध्य प्रदेश जैसी तल्खी की स्थिति कहीं न आए और यूपी में जिस गठबंधन के बूते उन्होंने बेहतर परिणाम पाए हैं, उसे बरकरार रखा जाए। ऐसे में महाराष्ट्र और हरियाणा के कांग्रेस सपा को कुछ सीटें देने पर गंभीरता से विचार कर रही है। महाराष्ट्र में कुछ इलाकों में सपा की इकाई का प्रदर्शन ठीक रहा है। मौजूदा समय में भी उसके दो विधायक महाराष्ट्र के सदन में हैं। इसके अलावा हरियाणा में भी कई सीटों पर यादव मुस्लिम गठजोड़ निर्णायक स्थिति में है।

इन सीटों की संख्या तकरीबन दो दर्जन बताई जाती है। कांग्रेस चाहती है कि इस गठबंधन को इन राज्यों में भी विस्तार दिया जाए ताकि जातियों का जो एका लोकसभा चुनावों में तैयार हुआ है, उसे दूसरे राज्यों में भी प्रभावी बनाया जा सके। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं कि यूपी के दो लड़के हिंदुस्तान की राजनीति को मोहब्बत की दुकान बनाएंगे-खटाखट खटाखट! राहुल की कही गई इस बात को अब महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनावों में संभावित गठबंधन से जोड़ा जा रहा है।

एमवाई समीकरण के टूटने के खतरे से राजद ने बदली रणनीति

पटना (एजेंसी): हाल में ही संपन्न लोकसभा चुनाव में कई सीटों पर मुस्लिम-यादव वोट बैंक के खिसकने की आहट के बाद राजद ने अब रणनीति में बदलाव का मन बना लिया है. पिछले दो दिन की समीक्षा बैठक के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि कई सीटों पर आपसी खींचतान के कारण राजद को आशा के अनुरूप सफलता नहीं मिली. राजद की समीक्षा बैठक में यह बात सामने आई है कि नवादा, जियारपुर, अररिया, पूर्णिया और सिवान जैसी कई सीटों पर पार्टी के वोट बैंक में विरोधी सेंध लगाने में कामयाब हो गए.

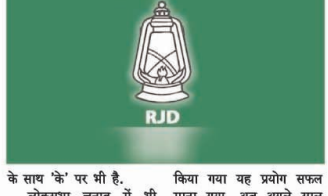

समीक्षा बैठक में पार्टी ने सर्वसम्मति से अभय कुशवाहा को लोकसभा में संसदीय दल का नेता भी चुना. कुशवाहा इस बार औरंगाबाद लोकसभा सीट से जीते हैं. जहानाबाद लोकसभा से नव निर्वाचित सांसद सुरेंद्र यादव को लोकसभा में मुख्य सचेतक बनाया गया है, जबकि राज्यसभा में फैयाज अहमद को मुख्य सचेतक के रूप में चुनकर राजद ने साफ संकेत दिया कि उसकी नजर 'एमवाई' के साथ 'के' पर भी है.

लोकसभा चुनाव में भी राजद ने कुशवाहा वोट को साधने के लिए कुशवाहा जाति से आने वाले सात प्रत्याशियों को मैदान में उतारा था. कई सीटों पर इसका लाभ भी महागठबंधन को मिला. इस बीच, संसदीय दल के नेता पद पर अभय कुशवाहा के चयन को राजद के आधार विस्तार का प्रयास माना जा रहा है. राजद के अभय कुशवाहा के अलावा भाकपा माले के राजाराम सिंह की जीत हो गई. दूसरी तरफ एनडीए के बड़े नेता उपेंद्र कुशवाहा चुनाव हार गए. लोकसभा में राजद की ओर से किया गया यह प्रयोग सफल माना गया. अब अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में इसे विस्तार देने के प्रयास के रूप में ही अभय कुशवाहा के चयन को देखा जा रहा है. कुशवाहा तीन महीने पहले ही राजद में शामिल हुए थे.

राजनीति के जानकार अजय कुमार भी कहते हैं कि बिहार में कुशवाहा की आबादी चार प्रतिशत से अधिक है. भाजपा ने सम्राट चौधरी को प्रदेश की जिम्मेदारी देकर इसी वोट बैंक पर फोकस करने के संकेत दिए थे. चुनाव नतीजों ने संकेत दिया है कि कुशवाहा समाज में राजद को लेकर सोच बदल रही है. राजद अध्यक्ष लालू यादव और तेजस्वी यादव को इस बार के नतीजों के बाद लगता है कि थोड़ा तवज्जो देकर और मेहनत कर कुशवाहा समाज को वे अपने साथ जोड़ सकते हैं. यही कारण है कि कुछ दिन पहले ही राजद में आये अभय कुशवाहा को पार्टी ने बड़ी जिम्मेदारी दे दी.

इधर, राजद के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने जाति की राजनीति को सिरे से नकारते हुए कहा कि राजद जाति की नहीं, जमात की राजनीति करती है, गरीबों के हक की लड़ाई लड़ती है. कुशवाहा को संसदीय दल का नेता बनाया गया है, इसमें किसी को क्या परेशानी हो सकती है.

उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव में २३ सीटों पर चुनाव लड़ने वाली राजद केवल चार सीटें जीत पाई. हालांकि, २०१९ के मुकाबले इस बार के परिणाम को अच्छा कहा जा सकता है, क्योंकि तब उसे एक भी सीट नहीं मिली थी. राजद को इस चुनाव में २२.१४ फीसद वोट मिले जबकि २०१९ में उसे १५.७ फीसदी वोट मिले थे.

नीट पेपर लीक में तेजस्वी के कनेक्शन पर सियासी पारा चढ़ा

पटना (एजेंसी): नीट पेपर लीक में राजद नेता और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के पीए का लिंक सामने आने के बाद सियासी पारा चढ़ गया है. इस मामले में जेडीयू नेता और राज्यसभा सांसद संजय झा ने कहा कि सब तार तेजस्वी यादव से क्यों जुड़ जाता है. उन्होंने कहा कि मामले में एजण जांच कर रहा है. इन्वेस्टिगेशन प्रोसेस में है, उस पर ज्यादा कुछ बोलना ठीक नहीं है. उन्होंने कहा कि इन्वेस्टिगेशन फाइनल हो जाएगा, उसके बाद कुछ बोलेंगे. लेकिन एक बात बड़ा स्पेसिफिक आ रहा है कि तेजस्वी के पर्सनल स्टाफ में जो थे उनका नाम आ रहा है, जब आदमी फंसता है तो चुनौती ही देता है.वहीं बीजेपी प्रवक्ता प्रभाकर मिश्र ने कहा कि नीट मामले में जो भी दोषी होंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई कर सख्त से सख्त सजा दी जाएगी. इसके लिए तेजस्वी यादव को कोई नसीहत देने की जरुरत नहीं है. तेजस्वी यादव पहले ये बताएं कि मामले में उनके पीएस प्रीतम कुमार की क्या भूमिका है? क्या नीट पेपर लीक मामले में जेल में बंद जूनियर इंजीनियर के कहने पर उनके पीएस ने गेस्ट हाउस में कमरा बुक नहीं कराया था?

उधर किशनगंज से कांग्रेस सांसद डॉ जावेद ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए सीबीआई से जांच करवाने की मांग की है. डॉ जावेद ने कहा कि नीट परीक्षा में खुलेआम धांधली हुई और केंद्र सरकार बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है. उन्होंने कहा कि मैं मोदी जी से पूछना चाहता हूं कि आखिर वो क्यों बच्चो के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं. सांसद ने कहा कि धांधली की निष्पक्ष जांच सीबीआई से की जानी चाहिए और जांच की निगरानी सिटिंग जज से करवाया जाए. उन्होंने संबंधित विभाग के मंत्री सहित सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने की मांग की. सांसद ने कहा कि क्षतिपूर्ति के लिए पीड़ित अभ्यर्थियों को सरकार को मुआवजा देना चाहिए.

किशोर को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा

मुजफ्फरपुर (एजेंसी): मुजफ्फरपुर में एक किशोर को बेरहमी से पीटने और फिर उसके बाद थूक कर चाटने का वीडियो तेजी से वायरल होने के बाद पुलिस ने एक्शन लेते हुए घटना में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल की तैनाती भी कर दिया गया है.

जानकारी के लिए बता दें कि फिलहाल मामला शांतिपूर्ण है वायरल वीडियो मोतीपुर थाना क्षेत्र के नरियार गांव का है. वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरह एक १५ वर्षीय किशोर को बेरहमी से पीटा जा रहा है. फिर अपने पैर पर थूक रखकर उस किशोर से चटवाया जा रहा है. वीडियो वायरल होने के बाद तत्काल पुलिस ने एक्शन लेते हुए मौके पर पहुंचकर आरोपी युवक को गिरफ्तार करते हुए उसमें शामिल दो उन लोगों को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. साथ ही घटनास्थल पर पुलिस बल की तैनाती करते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस लोगों से अपील किया है.

बताया जा रहा है कि किशोर का गांव के ही दो दोस्तों में किसी बात को लेकर विवाद हुआ. उसके बाद दो लड़के उसे एक घर में ले गए और उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी, फिर थूक चटवाया.मौके पर तैनात मोतीपुर थाना के एस आई एस झा ने बताया कि एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और मौके शांति व्यवस्था कायम है.

दो कारों की भिड़ंत में एक की मौत, पांच घायल

हापुड़(ईएमएस): शनिवार की सुबह करीब छह बजे थाना क्षेत्र में फ्लाई ओवर के पास दो कारों की भिड़ंत हो गई। जिसमें छह लोग घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी विजय कुमार गुप्ता पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में फ्लाई ओवर पर गंगा स्नान के लिए जाने और आने वाले दो श्रद्धालुओं की कारों की भिड़ंत हुए हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे एक गाड़ी में सवार ग्राम वझीलपुर थाना हापुड़ देहात निवासी अमित कुमार, हापुड़ निवासी सनी, आकाश घायल हो गए। जबकि मुजफ्फरनगर निवासी आयुष की मौत को गई। दूसरी गाड़ी में सवार रोहिणी दिल्ली निवासी पवन और उनकी पत्नी कविता घायल हो गई।पवन और कविता की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें दिल्ली के एक अस्पताल में रेफर कर दिया। उन्होंने बताया कि दिल्ली निवासी दंपत्ति गंगा स्नान करने के लिए ब्रजघाट जा रहे थे। जबकि दूसरी कार में सवार लोग गंगा स्नान कर वापस अपने गंतव्य पर लौट रहे थे।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा करने वाले मुख्य पुजारी का निधन

वाराणसी (ईएमएस): अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा करने वाले मुख्य पुजारी काशी के पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित का निधन हो गया। सूचना मिलने के बाद काशी के लोगों में शोक की लहर दौड़ पड़ी। जनवरी में अयोध्या के राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पूजन में पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित की मुख्य भूमिका थी। उनके नेतृत्व में सभी पूजन संपन्न कराए गए थे। इसके अलावा वह दिसंबर २०२१ काशी विश्वनाथ धाम लोकार्पण के पूजन में भी शामिल हुए थे।

पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित के परिजनों ने जानकारी देते हुए बताया कि आज सुबह उनकी तबीयत अचानक बिगड़ी और कुछ ही देर बाद उनका निधन हो गया। भारतीय सनातन संस्कृति और परंपरा में उनकी गहरी आस्था थी और वह हमेशा से ही ईश्वर के प्रति समर्पित रहने वाले भाव को ही लोगों को समझाते रहते थे। परिजनों ने बताया कि महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, ग्वालियर, राजस्थान और देश के प्रमुख राजघरानों के राज्याभिषेक को बाबूजी और पूर्वजों ने संपन्न कराया है। इसके अलावा छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक में भी दीक्षित परिवार के पुरानी पीढ़ियों का योगदान रहा है।

अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के समय पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित ने कहा था कि यह मंगल घड़ी है जिसमें प्रभु राम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। हम उनसे प्रार्थना करते हैं कि हमारा राष्ट्र हमेशा उन्नति करें। प्रभु राम का आशीर्वाद प्रत्येक भारतवासियों पर बना रहे।

पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित के निधन पर प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावक और राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त तय करने वाले गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ की तरफ से भी इस घटना पर शोक प्रकट किया गया। उन्होंने कहा कि यह सनातन जगत की अपूरणीय छति है। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए बाबा काशी विश्वनाथ के चरणों में प्रार्थना है।

स्वामी सहजानंद सरस्वती स्मृति समारोह का आयोजन

पटना (एजेंसी): नई दिल्ली स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब आफ इंडिया के स्पीकर हाल में देश के महान किसान-मजदूर नेता स्वामी सहजानंद सरस्वती का स्मृति समारोह का आयोजन युवा चेतना के द्वारा किया गया.

इस स्मृति समारोह शुभारंभ स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी,भारत सरकार के कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह,भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय मयुख,युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह,लालबहादुर शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुरली मनोहर पाठक एवं अन्य गणमान्य लोगों ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया.उद्घाटन करते हुए स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती विश्व के महानतम किसान-मजदूर नेता थे. स्वामी सहजानंद संत रहते हुए देश निर्माण हेतु संघर्ष करते रहे. स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा की सहजानंद सरस्वती गरीबों के भगवान थे.

मुख्य अतिथि भारत सरकार के कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती ने जमींदारों के खिलाफ बड़ी लड़ाई लड़ी. बिहार सहित पूरी दुनिया में स्वामी सहजानंद जैसा प्रवर्तक कोई नहीं हुआ. सिंह ने कहा कि रोहित को धन्यवाद है की हर वर्ष स्वामी जी को याद करते हैं. अब समय आ गया है जब हमें सनातन को बचाना होगा. सिंह ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली कैबिनेट में किसानों के लिए महत्वपूर्ण घोषणा किया. सिंह ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री स्वामी सहजानंद के ही दिखाए रास्ते पर चल रहे हैं.कांग्रेस और इंडी गठबंधन गरीब विरोधी है.

वहीं समारोह की अध्यक्षता करते हुए युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह ने कहा कि हमने बिहार को बचाने की लड़ाई लड़ी है. जंगलराज के ख़िलाफ हमारे लोग शहीद हुए हैं आने वाले २०२५ के विधानसभा के चुनाव में २५ सीटों के नीचे तेजस्वी यादव के अहंकार को समेटना है.

कार्यालय असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, बोकारो
स्वास्थ्य, चिकित्सा, शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, बोकारो (झारखण्ड)

सभी निजी अस्पताल एवं नर्सिंग होम के लिए अति आवश्यक सूचना

Clinical Establishment Act 2010 के तहत बोकारो जिला अन्तर्गत संचालित सभी नीजि अस्पताल/क्लीनिक/नर्सिंग होम/ आयुश क्लीनिक/पैथेलॉजी जॉच घर/एक्स–रे/फिजियोथेरेपी संस्थान आदि के पंजीकरण/नवीनीकरण हेतु दिनांक 08.07.2024 तक अनिवार्य रूप से अपना आवेदन Online http://www.clinicalestablishments.gov.in पर आवेदित कर अनिवार्य कागजातों के साथ उसकी एक प्रति **सिविल सर्जन कार्यालय, बोकारो** में समर्पित करें, साथ ही सभी नीजि अस्पताल/नर्सिंग होम को पुनः सूचित किया जाता हैं कि जिन संस्थानों के द्वारा सिविल सर्जन कार्यालय में अग्निशमन प्रमाण–पत्र (Fire Safety Certificate) नहीं उपलब्ध कराया गया हैं, वे सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 (पन्द्रह) दिनों अन्दर तक अग्निशमन पदाधिकारी द्वारा निर्गत अग्निशमन प्रमाण–पत्र (Fire Safety Certificate) अधोहस्ताक्षरी को समर्पित करेंगें। तिथि समाप्ति के पश्चात् पंजीकरण/नवीनीकरण एवं अग्निशमन प्रमाण पत्र से संबंधित कागजात नहीं होने पर संस्थान पर Clinical Establishment Act के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी, जिसकी पूर्ण जवाबदेही संबंधित संस्थान के संचालकों की होगी।

इसे अंतिम सूचना समझा जाय।

नोट :– सभी आम–जनता/मरीजों से अनुरोध हैं कि अपना ईलाज क्लीनिकल ईस्टेब्लिटमेंट एक्ट के तहत पंजीकृत संस्थानों से ही करायें।

आदेशानुसार
असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, बोकारो

PR 327339 (Health Med Edu and Family Welfare) 24-25 (D)

कार्यालय, जिला अभियंता जिला परिषद गिरिडीह

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई0–निविदा संख्या– DE/ZP/GIRIDIH/02/2024-25

ई– निविदा सूचना संख्या – DE/ZP/GIRIDIH/02/2024-25

1. कार्य की विस्तृत विवरणीः– आय श्रोत मद्।

क्रं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य अवधि
1	Minor Renovation of Makatpur Dak Bangla under Block Giridh District Giridih	1113200.00	23000.00	2500.00	2 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 25.06.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय दिनांक 25.06.2024 से दिनांक 02.07.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान– जिला अभियंता, जिला परिशद का कार्यालय, गिरिडीह।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय– 04.07.2024 अपराह्न 3:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– जिला अभियंता, जिला परिशद, गिरिडीह।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष संख्या – 9431323435 (संबंधित जिला अभियंता, गिरिडीह का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है। तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रघन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
11. जिला परिषद, गिरिडीह के समुचित श्रेणी एवं उससे एक उपर के निबंधित संवेदक ही भाग ले सकते है।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

PR.NO.327321 Rural Development(24-25):D जिला अभियंता, जिला परिषद, गिरिडीह।

कार्यालय- निर्वाची पदाधिकारी, इंडियन रेड क्रॉस सोसाईटी, बोकारो

घोषणा

इंडियन रेड क्रॉस सोसाईटी, बोकारो के पुनर्गठन से संबंधित निर्वाचन प्रक्रिया

1. त्रिसदस्यीय निर्वाचन संचालन समिति में निम्नलिखित सदस्य है :–
(i) श्री सौरभ कुमार भुवानिया, भा0प्र0से0, अपर नगर आयुक्त, चास, बोकारो–निर्वाची पदाधिकारी।
(ii) श्री कुमार कनिष्क, प्रभारी सामान्य शाखा, बोकारो–निर्वाचन पदाधिकारी।
(iii) श्री राणा रमेश कुमार सिंह, सहकारिता प्रसार पदाधिकारी, चास– गणन पदाधिकारी।
2. अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन– 22 जून 2024 को उपायुक्त, बोकारो के प्रकोष्ठ, इंडियर रेड क्रॉस सोसाईटी, बोकारो के कार्यालय के सूचना पट्ट एवं बोकारो के अधिकारिक वेबसाईट https://bokaro.nic.in के Notice Section पर किया गया है।
इंडियन रेड क्रॉस सोसाईटी, बोकारो में 10 सदस्यीय प्रबंध समिति का निर्वाचन होगा। उक्त 10 सदस्यीय प्रबंध समिति में ही अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष का पद अंर्तनिहित होगा, जिनका निर्वाचन नवगठित जिला प्रबंध समिति अपने निर्वाचित सदस्यों से करेगी।
3. नामांकन पत्र भरने हेतु निर्धारित शुल्क – (Bank Draft in favour of India Red Cross Society, Bokaro) के नाम से नामांकन के समय जमा करना होगा–
प्रबंध समिति के सदस्य हेतु प्रति नामांकन 1,000 (एक हजार) शुल्क निर्धारित।
4. निर्वाचन कार्यक्रम:–

क्र0	कार्यक्रम	तिथि	समय	स्थल
1	नामांकन पत्र प्राप्त करने की तिथि	07 जुलाई 2024 से 09 जुलाई 2024 तक	10:00 बजे पूर्वाह्न से 03:00 बजे अपराह्न तक।	
2	नामांकन पत्र दाखिल करने की तिथि	10 जुलाई 2024	10:00 बजे पूर्वाह्न से 03:00 बजे अपराह्न तक।	
3	. नामांकन पत्रों की जाँच	11 जुलाई 2024	10:00 बजे पूर्वाह्न से 03:00 बजे अपराह्न तक।	
4	नामांकन पत्र की सूची का प्रदर्शन	11 जुलाई 2024	04:00 बजे अपराह्न।	
5	नामांकन पर आपत्तियाँ प्राप्त करना	12 जुलाई 2024	10:00 बजे पूर्वाह्न से 12:00 बजे मध्याह्न तक।	
6	नामांकन पर आपत्तियों का निष्पादन	12 जुलाई 2024	01:00 बजे अपराह्न से 04:00 बजे अपराह्न तक।	
7	विधिमान्य नामांकन सूची का प्रदर्शन	12 जुलाई 2024	04:30बजे अपराह्न।	
8	नामांकन पत्रों की वापसी	13 जुलाई 2024	10:00 बजे पूर्वाह्न से 12:00 बजे मध्याह्न तक।	
9	नामांकन वापसी उपरांत नामांकन सूची का प्रदर्शन	13 जुलाई 2024	01:30 बजे अपराह्न से।	
10	चिन्हों का आवंटन	13 जुलाई 2024	02:00 बजे अपराह्न से 03:00 बजे अपराह्न तक।	
11	मतदान (निर्वाचन की स्थिति में).	21 जुलाई 2024	08:00 बजे पूर्वाह्न से 03:00 बजे अपराह्न तक।	
12	मतगणना (मतदाना की स्थिति में), निर्वाचन परिणाम की घोषणा	21 जुलाई 2024	मतदान की समाप्ति के उपरांत।	

श्री सौरभ कुमार भुवानिया, (भा0प्र0से0),
अपर नगर आयुक्त, चास–सह–निर्वाची पदाधिकारी

PR 327334 Co-opretive(24-25).D

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, जामताड़ा

निविदा सूचना रदद् करने की सूचना

इस कार्यालय के निविदा आमंत्रित सूचना सं0– **DWSD/EE/Jamtara-11/DWSD/JMT/2023-24 Date-29.02.2024 PR No.-321204** है को अपरिहार्य कारणो से रदद् किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, जामताड़ा।

PR 327354 (Drinking Water and Sanitation) 24-25 (D)

जिला आयुष समिति, बोकारो

विज्ञापन सं0–201/बोकारो

संचिका सं0–जि0आयु0स0(स्थापना)–02/2023

साक्षात्कार सूचना

उपायुक्त–सह–अध्यक्ष जिला आयुष समिति, बोकारो के निदेशानुसार जिला कार्यक्रम प्रबंधक (DPM) की संविदा/अनुबंध आधारित नियुक्ति हेतु विज्ञापन सं0– 68/बोकारो (PR No.-320440 Health Med. Edu. and Family Welfare (23-24).D दिनांक 28.02.2024 के क्रम में प्राप्त अभ्यावेदनों के स्क्रुटनी पश्चात् मेधा (Merit) के आधार पर 06 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाता है, जो निम्न है–

क्र0 सं0	स्क्रुटनी क्रमांक	अभ्यर्थि का नाम / पिता / पति का नाम	JAP IT Reg. No.	कुल प्राप्तांक
1	10	मो0 जावेद अंसारी/ मो0 समसुद्दिन	10000234802	67.88
2	23	उज्जवल कुमार सिंहा /स्व0 कार्तिक चन्द्र सिंहा	10000108621	63.32
3	03	अरविंद कुमार/दयाल चंद महतो	10000181222	61.84
4	08	ज्योति कांत/त्रिवेणी कांत साहु	10000227054	58.66
5	04	आर्यन राज/विरेन्द्र नाथ सिंह	10000235661	56.74
6	12	मयंक मंजुल/रामा शंकर प्रसाद	10000147347	53.85

साक्षात्कार का स्थान–उपायुक्त कार्यालय, बोकारो के सभागार कक्ष।
तिथि–28.06.2024 समय 12:30 बजे अपराह्न में।
विशेष जानकारी JAP-IT के Website- http://recruitment.jharkhand.gov.in पर देखा जा सकता है।
साक्षात्कार के लिए आमंत्रित अभ्यर्थियों के लिए निदेश–
1. अभ्यर्थि आवेदन के समय Upload किए गये प्रमाण पत्र/अभिलेखों की मूल प्रति तथा एक–एक प्रति स्वअभिप्रमाणित प्रति के साथ उपस्थित होंगे।
2. अभ्यर्थि साक्षात्कार के समय वैधानिक प्रोटोकॉल का अनुपालन करेंगे।

(डॉ0 शिव शंकर पाण्डेय)
प्र0 जिला आयुश चि0पदा0
–सह–सदस्य सचिव, जिला आयुष समिति, बोकारो।

PR.NO.327418 Health Med Edu and Family Welfare(24-25):D

झारखण्ड सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, जिला गव्य विकास कार्यालय, गिरिडीह

पशुपालकों के लिए आवश्यक सूचना

शुद्धि पत्र

गिरिडीह जिला के दुधारू मवेशी पालकों के लिए दिनांक 22.06.2024 को विभिन्न सामाचार पत्रों में KCC से संबंधित प्रकाशित विज्ञापन संख्या PR326995 Animal Husbandry (24-25)D में आवेदन पत्र प्राप्त करने की तिथि दिनांक 05.06.2024 तक हो गई है जिसे शुद्धि करते हुए दिनांक 22.06.2024 से किया जाता है।

अतः दुधारू मवेशी पालकों के लिए **KCC** से संबंधित आवेदन पत्र दिनांक 22.06.2024 से कार्यालय में निःशुल्क उपलब्ध है।

विशेष जानकारी के लिए कार्य दिवस में जिला गव्य विकास कार्यालय, गिरिडीह से संर्पक किया जा सकता है।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी,
गिरिडीह।

PR.NO.327400 Animal Husbandry(24-25):D

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना

ई–निविदा सूचना

निविदा सूचना सं.: **पीसीएमएम/ सीएलडब्ल्यू/ एचडब्ल्यूएच/ ई–प्रोक्योरमेंट**/24/37 दिनांक: 19/06/24 । भारत के राष्ट्रपति की ओर से पीसीएमएम/सीएलडब्ल्यू/हावड़ा के द्वारा निम्नलिखित की आपूर्ति हेतु प्रतिष्ठित विश्वसनीय निर्माता से इलेक्ट्रॉनिक बोली आमंत्रित की जाती है। निम्नलिखित ई–निविदाएँ इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के निर्माण के लिए सामग्री की आपूर्ति हेतु हैं। प्रत्याशित/संभावित आपूर्तिकर्ताओं से अनुरोध किया जाता है कि वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें। ये ई–निविदाएँ हैं, इन निविदाओं के लिए मैनुअल प्रस्ताव वाली बोली स्वीकार नहीं जाएगी, केवल इलेक्ट्रॉनिक प्रस्ताव वाली बोली स्वीकार की जाएगी। विस्तृत निर्देशों के लिए कृपया वेबसाइट देखें। **क्रम सं.; निविदा सं.; सामग्री का विवरण; मात्रा; नियत तिथि; निविदा मूल्य** निम्नानुसार हैं: **[192]; 31242938;** स्पेसिफिकेशन नं. सीएलडब्ल्यू/एमएस/3/बोगी/005 ऑल्ट. 2 के अनुसार सीलिंग एडहेसिव, लोकटाइट या समकक्ष (शेल्फ लाइफ-18 माह)। सेट विवरण डॉक. टैब में संलग्न है; निविदा/कागजात के अनुसार; **22/07/24;** ₹0.00। **[193]; 31242533;** स्पेसि. नं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0018/बी के अनुसार अर्थिंग चोक ; निविदा/कागजात के अनुसार; **19/07/24;** ₹0.00। **[194]; 31242723;** स्पेसिफिकेशन नं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0045/जी के अनुसार टीएम के लिए डीआईएन रेल के साथ केबल क्लीट का सेट; निविदा/कागजात के अनुसार; **23/07/24;** ₹0.00 । **[195]; 31242661;** स्पेसि. नं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0128/सी के अनुसार केबल डिसकनेक्शन टीएम-1 से टीएम-6 (टर्मिनल ब्लॉक, टीएम-केबल) का सेट ;निविदा/कागजात के अनुसार; **15/07/24;** ₹0.00। **[196]; 14242785;** सीएलडब्ल्यू स्पेसिफिकेशन नं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0436/ए के अनुसार 3 फेज लोकोमोटिव के लिए कैब हीटर हेतु होज; निविदा/कागजात के अनुसार; **05/08/24;** ₹0.00। **[197]; 23242505ए;** एमएजी सीएनसी मशीन में स्टोर्स की टैपिंग के लिए उपयुक्त एचएसएस-ई-ईजी एम20 X 2.5-6एच एमओडी हेलिकल का इंटरनल कूलेंट मशीन टैप, स्पेसिफिकेशन:-ईएमयूजीई या समरूप डीआईएन 8140-2 स्टैंडर्ड का ईजी एम20-6एच एमओडी 5009276; निविदा/कागजात के अनुसार; **12/07/24;** ₹0.00। **[198]; 31242706;** (1) ड्रॉ./स्पेसि. नं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0309/डी के अनुसार डब्ल्यूएजी-9 के लिए ऑग्जिलरी कम्प्रेसर होज, (2) ड्रॉ./स्पेसि. नं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0309/डी के अनुसार डब्ल्यूएजी-9 के लिए मेटलिक होज का सेट (डॉक. टैब में सेट का विवरण संलग्न है); निविदा/कागजात के अनुसार; **15/07/24;** ₹0.00। **[199]; 31242688;** (1) सीएलडब्ल्यू के ड्रॉ./स्पेसि. नं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0129/डी के अनुसार बेल माउथ के साथ केबल ग्लैंड पीजी-21, (2) सीएलडब्ल्यू के ड्रॉ./स्पेसि. नं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0129/डी के अनुसार केबल ग्लैंड पीजी 21 एमएस-एनआई, (3) सीएलडब्ल्यू के ड्रॉ./स्पेसि. नं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0129/डी के अनुसार केबल ग्लैंड पीजी 29 एमएस-एनआई; निविदा/कागजात के अनुसार; **10/07/24;** ₹0.00। **[200]; 31242640;** स्पेसि. नं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0120बी के अनुसार डब्ल्यूएजी-9 के लिए केबल टाई हेतु बेस का सेट (डॉक. टैब में सेट का विवरण संलग्न है); निविदा/कागजात के अनुसार; **12/07/24;** ₹0.00। **[201]; 14242667ए;** सीएलडब्ल्यू स्पेसि. नं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0119/जी के तहत लूमिंग बार का सेट (सेट विवरण संलग्न है); निविदा/कागजात के अनुसार; **16/07/24;** ₹0.00। **[202]; 14242623;** सीएलडब्ल्यू स्पेसि. नं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0044 के तहत लैचिंग पुश बटन कॉरिडोर लाइटिंग ; निविदा/कागजात के अनुसार; **18/07/24;** ₹0.00।

PR3-483 पीसीएमएम/चिरेका/हावड़ा

हमें: www.facebook.com/clwrailways पर लाइक करें

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, एन0आर0ई0पी0, बोकारो

अति–अल्पकालीन ई–पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना संख्या –NREP/BOKARO/03/2024-25

दिनांक 22.06.2024

मद का नाम – जिला खनिज फाउण्डेशन ट्रस्ट

1. बेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 28.06.2024
2. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – 28.06.2024 के पूर्वाह्न 11:00 बजे से 08.07.2024 के अपराह्न 05:00 बजे तक।
3. निविदा खोलने का स्थान – एन0आर0ई0पी0 कार्यालय, बोकारो।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 09.07.2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता – कार्यपालक अभियंता, एन0आर0ई0पी0, बोकारो।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0–7717797735 ई–मेल – nrepbokaro@rediffmail.com

निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता बन्द कर दिया जाता है कि उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

क्र0 सं0	प्रखण्ड	योजनाओं का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	योजना पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
01	नावाडीह	नावाडीह प्रखंड अन्तर्गत पंचायत कंजकिरो ग्राम पिपराडीह में ट्रांसफार्मर से लेकर अर्जुन महतो घर तक 1000 फीट पी0सी0सी0 एवं पुलिया गार्डवाल का निर्माण।	7410200.00	10000.00	148500.00	छः (06) माह
02	चास	चास प्रखण्ड अन्तर्गत रानी चिड़का दिलीप मास्टर के घर से गवाई नदी सगड़िया घाट तक गार्डवाल सह पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	8403564.00	10000.00	168100.00	छः (06) माह

8. पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड, रॉची के संकल्प सं0–2146(s) दिनांक 09.09.2020 के आलोक में सम्प्रति 10 प्रतिशत से नीचे के दर की निविदायें अनुमान्य होगी। 10 (दस) प्रतिशत से न्युन निविदाओं के लिए Additional Preformance Security के क्रम में परिमाण विपत्र की राशि से – (i) 10 से 20 प्रतिशत Below तक की राशि का 20 प्रतिशत तथा (ii) 20 प्रतिशत से अधिक Below की राशि का 30 प्रतिशत अतिरिक्त जमानत का प्रावधान लागू होगा। निविदाओं का निष्पादन उपरोक्त वर्णित संकल्प के आधार पर होगा।
9. इस निविदा में अंकित योजनाओं के लिए ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण कार्य मामले)/पथ निर्माण विभाग में पंजीकृत (नवीकृत) समुचित श्रेणी के निबंधित संवेदक निविदा में भाग ले सकते हैं।

नोट :–
केवल ई–निविदा स्वीकृत होगा। प्राक्कलित राशि घट/बढ़ सकती है। अन्य सूचनाएँ वेबसाईट http: www-jharkhandtenders.gov.in/ कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, बोकारो कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, बोकारो

PR 327387 NREP(24-25)#D

झारखण्ड सरकार
कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, धनबाद
पता :– माडाकॉलोनी, हीरापुर, धनबाद। पिन–826001
website: www.dhanbad.nic.in

अति अल्पकालीन निविदा वर्ष 2024–25

निविदा संख्या– 02/2024–25

मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 219, दिनांक 05.02.2024 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2024–25 में तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना (प्रस्तावित) एवं अन्य के अंतर्गतपूर्व वर्ष की भाँति Formulated Spawn Feed धनबाद **जिला के निबंधित मत्स्य बीज उत्पादकों एवं मत्स्य पालकों को मैसफीड एवं फ्लोटिंग फिशफीड आपूर्ति** के लिए उसके क्रय करने हेतु मुहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं0	शीर्षक	विवरण
1	कार्यकानाम	धनबाद जिला के निबंधित मत्स्य बीज उत्पादकों एवं मत्स्य पालकों को मैसफीड एवं फ्लोटिंग फिशफीड की आपूर्ति
2	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम	जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, धनबाद।
3	कार्य की अवधि	2024–25
4	निविदा वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि	22.06.2024
5	निविदा की कुलराशि	लगभग रू0/– 770,000.00
6	अग्रधनराशि	रू0/– 75,000.00
7	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	01.07.2024, 5:00 बजे अपराहन तक
8	निविदा निस्तारण की तिथि एवं समय	02.07.2024, 12:00 मध्याह्न
9	निविदा आमंत्रित करने का स्थान	जिला मत्स्य कार्यालय, धनबाद
10	निविदा खोलने का स्थान	उप विकास आयुक्त, कार्यालय का सभागार, नया समाहरणालय, धनबाद।
11	संपर्क संख्या	मो0– 7979947030 ई–मेल–dfodhanbad0@gmail.com

निविदा की शर्तें जिला मत्स्य कार्यालय, धनबाद के सूचना पट्ट एवं www.dhanbad.nic.in पर किसी भी कार्य दिवस में देखी जा सकती है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, धनबाद

PR 327333 Fish(24-25)#D

ईडी की शिकायत के बाद पुलिस ने जमीन कारोबारी कमलेश के खिलाफ किया केस दर्ज

रांची (एजेंसी): ईडी की शिकायत के बाद रांची पुलिस ने जमीन कारोबारी कमलेश के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है. कांके थाना में शनिवार को कमलेश के खिलाफ केस दर्ज किया गया है. इससे पहले शुक्रवार को ईडी ने कमलेश के ठिकानों पर छापेमारी की थी. इस दौरान उसके ठिकानों से एक करोड़ कैश और १०० कारतूस बरामद हुए थे. जिसके बाद ईडी के सहायक निदेशक देवव्रत झा ने पूरे मामले में झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह को पत्र लिखा और कार्रवाई की मांग की थी. शुक्रवार की शाम तकरीबन छह बजे ईडी ने बरामद कारतूसों को रांची

पुलिस को सौंप दिया था.

फर्जी दस्तावेज बनाकर जमीन हड़पने वाले सिंडिकेट से जुड़े शेखर कुशवाहा ने बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी कांके इलाके में कई जगहों पर कमलेश कुमार द्वारा जमीन के फर्जी दस्तावेजों के सहारे हड़पने की जानकारी दी थी. मामला सामने आने के बाद ईडी ने समन कर कमलेश कुमार को रांची जोनल आफिस में पूछताछ के लिए बुलाया था. लेकिन ईडी के समन पर उपस्थिति ना होकर कमलेश फरार हो गया था. जिसके बाद शुक्रवार की दोपहर १२ बजे ईडी की टीम कांके रोड के चांदनी चौक स्थित एस्ट्रो ग्रीन स्थित फ्लैट पहुंची. लेकिन ईडी के पहुंचने से ठीक पहले कमलेश वहां से निकल गया था. स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में ईडी ने इस फ्लैट को सर्च किया. इस दौरान ईडी को वहां से १०० जिंदा कारतूस और एक करोड़ कैश बरामद की. इस मौके से एजेंसी ने जमीन से जुड़े दस्तावेज समेत कई महत्वपूर्ण साक्ष्य भी बरामद किये हैं. कांके रोड में छापेमारी के बाद ईडी ने देर शाम कमलेश के चेशायर होम रोड स्थित आवास में भी छापेमारी की थी.

अफसर के घर से मिली थी 200 एकड़ से ज्यादा जमीन की सेल डीड

अफसर अली के घर से मिले दस्तावेजों की जांच के दौरान ही ईडी को पता चला कि २०० एकड़ से ज्यादा जमीन की फर्जी सेल डीड बनी थी.

इसमें कुछ जमीनों की खरीद-बिक्री में कमलेश भी लिप्त था. ईडी ने सरकार को दस्तावेज सौंपते हुए इस मामले की जांच कराने का आग्रह किया, लेकिन सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की.

हेमंत सोरेन की याचिका पर हाईकोर्ट में 12 जुलाई को सुनवाई

रांची (एजेंसी): प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज शिकायत वाद (कंप्लेन केस) पर रांची सिविल कोर्ट के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी द्वारा लिये गये संज्ञान और समन जारी करने के आदेश के खिलाफ पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा दाखिल याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान हेमंत सोरेन के अधिवक्ता ने बहस के लिए समय मांगा, जिसे एक्टिंग चीफ जस्टिस की बेंच ने स्वीकार कर लिया और अगली सुनवाई के लिए १२ जुलाई की तिथि निर्धारित की. साथ ही कोर्ट ने एक को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. हेमंत सोरेन की ओर से अधिवक्ता पियूष चित्रेश ने बहस की.

एनजीटी के आदेश को ताक पर रखकर झारखंड में हो रहा बालू का अवैध खनन

रांची (एजेंसी): झारखंड में ७९६ बालू घाट हैं. लेकिन आज तक इन बालू घाटों की नीलामी नहीं हो पायी है. इस वजह से झारखंड के सभी जिलों में बालू का अवैध खनन थमने का नाम नहीं ले रहा है. प्रशासन की नाक के नीचे से बालू की कालाबाजारी हो रही है.

ट्रैक्टर, ट्रक और हाइवा से खुलेआम बालू ढोया जा रहा है. प्रशासन और खान विभाग खानापूर्ति के के लिए कभी-कभार कार्रवाई कर रहे हैं. लेकिन इससे बालू के अवैध खनन पर कोई खास असर नहीं पड़ रहा है.

राज्य के लगभग सभी जिलों में अवैध बालू उठाव का खुला खेल जारी है. बीते ढाई साल में अवैध बालू खनन के खिलाफ राज्यभर में अबतक २४५२ मामले दर्ज हुए हैं. इस दौरान २५५१ लोगों की गिरफ्तारी हुई है. जबकि ४२८३ वाहन जब्त किये गये हैं,

१० जून से १५ अक्टूबर तक नदियों से बालू के उठाव पर रोक

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने झारखंड में १० जून से १५ अक्टूबर तक नदियों से बालू के उठाव पर रोक लगायी है. नदियों का इको सिस्टम बनाये रखने के लिए मॉनसून के दौरान हर साल इस अवधि तक बालू के उठाव पर रोक रहती है. यह रोक देश के अन्य राज्यों में भी है.

कुछ राज्य इसका पालन भी कर रहे हैं. लेकिन झारखंड में एनजीटी के आदेश को ताक पर रखकर बालू का अवैध खनन किया जा रहा है. आलम यह है कि बालू तस्कर उन जिलों के नदियों से भी बालू निकाल रहे हैं, जहां घाटों का टेंडर तक नहीं हुआ है.

जानें किस जिले में अवैध बालू खनन के कितने मामले हैं दर्ज : गढ़वा : २६०, देवघर: २०६, हजारीबाग: २०२, खूंटी: १७८, गोड्डा: १४७, गुमला: १४५, सरायकेला: ११८, बोकारो: ११२, लोहरदगा: ११४, रामगढ़: १०९, चतरा: १०७, धनबाद: ९९, - गिरिडीह: ९४, कोडरमा: ८९, जमशेदपुर: ८९, सिमडेगा: ६५, पाकुड़: ६१, चाईबासा: ५१, पलामू: ४०, दुमका: ३४, जामताड़ा: २२, साहिबगंज: २०, लातेहार: १५ ।

राजस्व से जुड़े एक लाख से ज्यादा सर्टिफिकेट केस लंबित, धनबाद, गोड्डा व पलामू में सर्वाधिक

रांची (एजेंसी): झारखंड में राजस्व से जुड़े एक लाख छह हजार नौ सौ उनासी (१०६९७९) सर्टिफिकेट केस लंबित हैं. इसमें धनबाद, गोड्डा और पलामू जिले में सबसे अधिक सर्टिफिकेट केस लंबित पड़े हैं. बता दें कि सर्टिफिकेट केस तब किया जाता है, जब संबंधित एजेंसी अपना बकाया नहीं वसूल कर पा रही हो. बकाया वसूलने में अक्षम होने पर एजेंसी डीसी के अधीन जिला नीलाम पत्र पदाधिकारी के पास मामला दर्ज कराती है. बकायेदार का नाम, पता और वसूली की राशि का ब्यौरा जिला नीलाम पत्र पदाधिकारी को भेजा जाता है. नीलाम पत्र पदाधिकारी को पावर है कि वह बकाया वसूली के लिए बॉडी वारंट या कुर्की जब्ती कराकर सूद के साथ राशि वसूल सकते हैं.

आरोपी को गिरफ्तार नहीं करने पर एएसआई सस्पेंड

रांची (एजेंसी): वरीय पुलिस अधीक्षक ने आरोपी को गिरफ्तार नहीं के मामले में एएसआई को सस्पेंड कर दिया है. दरअसल जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र निवासी रिटायर्ड प्रोफेसर डॉक्टर भारती सिन्हा के बैंक खाते से २७ लाख की अवैध निकासी हुई थी. पुलिस ने इस घटना के मुख्य आरोपी सुनील साहू को गिरफ्तार किया था, लेकिन वो थाना से भाग गया था. सुनील साहू की गिरफ्तारी के लिए प्रयास नहीं करने को लेकर वरीय पुलिस अधीक्षक ने केस के आइओ धीरज कुमार विश्वकर्मा को पहले शोकोज किया. इसके बाद उसे सस्पेंड कर दिया गया.

पूर्व मंत्री आलमगीर के ओएसडी संजीव की बेल पर 29 को सुनवाई

रांची (एजेंसी): टेंडर घोटाला के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोपी व पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के ओएसडी संजीव लाल की जमानत याचिका पर २९ जून को सुनवाई होगी. संजीव लाल ने रांची प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट)की विशेष कोर्ट में अपने अधिवक्ता के माध्यम से जमानत याचिका दाखिल की है. बता दें कि ईडी ने संजीव लाल के सहायक जहांगीर के घर पर छापेमारी की थी. इस दौरान वहां से ३५.२३ करोड़ नगद बरामद किये गये थे. वहीं संजीव लाल के करीबी बिल्डर मुन्ना सिंह के यहां से तीन करोड़ कैश मिला था. इसी केस में एंजेसी पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को भी गिरफ्तार कर चुकी है.

सीएमपीडीआई के डिस्पेंसरी में चलाया गया स्वच्छता अभियान

रांची (एजेंसी): भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के तहत सीएमपीडीआई १६ से ३० जून तक स्वच्छता पखवाड़ा माना रही है. इसी कड़ी में शनिवार को सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) शंकर नागाचारी ने स्वच्छता पखवाड़ा का नेतृत्व कर डिस्पेंसरी की साफ-सफाई की. इस अभियान में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ शिल्पी स्वरूप, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सीमा कुमारी कच्छप, महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, वरीय अधिकारी और कर्मचारियों ने भी अपना सहयोग दिया. इसके साथ ही सीएमपीडीआई (मुख्यालय) रांची और इसके क्षेत्रीय संस्थानों द्वारा भी विभिन्न गतिविधियां चलायी गयीं. रांची के लोहरा कोचा गांव, धनबाद और येन्सा में जूट बैग का वितरण किया गया. वहीं क्षेत्रीय संस्थान १ आसनसोल और क्षेत्रीय संस्थान-२ धनबाद में भी स्वच्छता अभियान चलाया गया. धनबाद में एकल उपयोग प्लास्टिक पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन और कूड़ेदान का वितरण किया गया. जबकि क्षेत्रीय संस्थान-५-बिलासपुर के अधीनस्थ सिंहपुर कैंप द्वारा मास्क और सैनिटाइजर का वितरण किया गया. साथ ही प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों पर लोगों को जागरूक करने के लिए जागरुकता अभियान चलाया गया.

क्रिमिनल केस के आईओ को अब जुटाना होगा डिजिटल साक्ष्य

रांची (एजेंसी): झारखंड पुलिस के आईपीएस अफसरों को ऑफलाइन माध्यम से नए क्रिमिनल लॉ के बारे में जानकारी दी गई. इसको लेकर शनिवार को अनुसंधान प्रशिक्षण विद्यालय होटवार में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. नए क्रिमिनल लॉ के लागू होने के बाद, आपराधिक मामले में केस के आईओ को घटनास्थल पर जाना अनिवार्य होगा. घटनास्थल की फोटो लेने के साथ ही डिजिटल साक्ष्य भी जुटाना होगा, ताकि आरोपियों के खिलाफ मजबूत सबूत जुटाया जा सके. गौरतलब है कि नए क्रिमिनल लॉ को लेकर बीते १८ जून को गृह सचिव की अध्यक्षता में बैठक हुई थी. गृह सचिव ने एसपी और उसके ऊपर रैंक के अधिकारियों के लिए नए क्रिमिनल लॉ पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने को कहा था. उसी के आलोक में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ.

कार्यक्रम में डीजीपी के अलावा सभी एसपी, डीआईजी, आईजी, एडीजी रैंक के अधिकारी शरीक हुए. जिले के एसपी अपने जूनियर अफसरों को नए क्रिमिनल लॉ के बारे में जानकारी देंगे.

नए लॉ लागू होने के बाद यह होगा बदलाव

नया क्रिमिनल लॉ लागू होने के बाद कई बदलाव होंगे. हत्या की धारा को ३०२ के नाम से जाना जाता था, जिसकी जगह अब हत्या का मामला भारतीय दंड संहिता की धारा १०३ के तहत दर्ज होगा. इसी तरह हत्या के प्रयास के लिए धारा ३०७ की जगह धारा १०९, मारपीट के लिए ३२३ की जगह ११५, छेड़छाड़ के लिए

३५४बी की जगह ७४, पीछा करने के लिए ३५४ की जगह ७८, नाबालिग के अपहरण में धारा ३६३ की जगह १३९ और दुष्कर्म मामले में धारा ३७६ की जगह ६४ के तहत मामला दर्ज होगा.

एक जुलाई से लागू होंगे तीनों नए क्रिमिनल लॉ

केंद्र सरकार की अधिसूचना के आनुसार, तीनों नए क्रिमिनल लॉ एक जुलाई लागू हो जाएंगे. तीनों नए आपराधिक कानून आईपीसी और सीआरपीसी की जगह लेंगे. इनका नाम भारतीय न्याय संहिता होगा. तीनों नए कानूनों को दिसंबर में ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मंजूरी मिल गई थी. इनमें भारतीय न्याय संहिता (इछड), भारतीय नागरिक संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम शामिल है. नए कानूनों का उद्देश्य न्याय प्रणाली को बदलना है. इससे अंग्रेजों के जमाने के कानूनों से छुटकारा मिलेगा. इछड में राजद्रोह के अपराध को समाप्त कर देशद्रोह में बदल दिया गया है.

मैनहर्ट घोटाला : सरयू राय की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

रांची (एजेंसी): झारखंड के पूर्व मंत्री और जमशेदपुर पूर्वी के निर्दलीय विधायक सरयू राय की ओर से मैनहर्ट घोटाले की जांच की मांग को लेकर झारखंड हाईकोर्ट में दाखिल याचिका पर सुनवाई पूरी हो गई है. केस से जुड़े सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है. अब अदालत क्या फैसला सुनाता है यह देखना काफी महत्वपूर्ण होगा. विधायक सरयू राय विधानसभा में भी 'मैनहर्ट' का मुद्दा उठा चुके हैं. सरयू राय ने बताया कि झारखंड अलग राज्य बनने के बाद रांची के कुछ समाजसेवियों की ओर से झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी, जिसमें कोर्ट ने २००३ में अहम आदेश दिया है. इसमें राज्य सरकार को राजधानी रांची में भी सीवरेज-ड्रेनेज प्रणाली विकसित करने के लिए कहा था. उस आदेश के बाद तत्कालीन नगर विकास मंत्री बच्चा सिंह के आदेश पर परामर्शी बहाल करने के लिए टेंडर निकाल कर दो परामर्शियों का चयन किया गया. इसी बीच सरकार बदल गई. २००५ में अर्जुन मुंडा सरकार में नगर विकास मंत्री रहे रघुवर दास ने डीपीआर फाइनल करने के लिए ३१ अगस्त को बैठक बुलाई. बैठक में फैसला लिया गया कि पहले से चयनित परामर्शी को हटा दिया जाए. बाद में ये मामला हाईकोर्ट में चला गया. आरोपों के मुताबिक इस पर तकरीबन २१ करोड़ रुपए खर्च हुए, लेकिन धरातल पर कोई काम नहीं हुआ.

2016 में अनुशंसित दो अभ्यर्थियों को अब मिली नौकरी

रांची (एजेंसी): झारखंड लोक सेवा आयोग से २०१६ में अनुशंसित दो अभ्यर्थियों को अब जाकर राज्य सरकार में नौकरी मिली है. दोनों अभ्यर्थी अनारक्षित कोटि के हैं. राज्य सरकार ने राजीव कुमार को उप समाहर्ता पद पर नियुक्त करते हुए पलामू जिला प्रशिक्षण के लिए आवंटित किया है. वहीं दूसरे अभ्यर्थी पवन कुमार को अनारक्षित कोटि के मूक एवं बधिर श्रेणी में परिष्क्रमान उप समाहर्ता के रूप में औपबंधिक रूप से नियुक्त किया है. उन्हें साहिबगंज जिले में जिला प्रशिक्षण के लिए पदस्थापित किया गया है. कार्मिक विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया है.

रांची के नामकुम में जमीन खुदाई के दौरान मिला बम, नष्ट किया गया

रांची (एजेंसी): रांची जिले के नामकुम थाना क्षेत्र स्थित हाहाप जंगल में जमीन खुदाई के दौरान बम बरामद हुआ है. यहां शनिवार को मिट्टी में दबा एक बम बरामद किया गया. बीडीएस की टीम ने मौके पर पहुंचकर बम को नष्ट कर दिया. बताया जा रहा है कि जिस इलाके से बम बरामद हुआ है वहां अब घनी आबादी हो गयी है. १५ साल पहले इस इलाके में नक्सलियों की सक्रियता थी.

इस इलाके में नक्सलियों ने बड़े पैमाने पर हथियार और गोला बारूद छिपा कर रखे थे. जिन्हें बहुत पहले बरामद कर नष्ट भी किया जा चुका है. नक्सली अपने हथियार और गोला बारूद को जमीन के अंदर दबा कर रखते थे, आशंका जताई जा रही है कि इनमें से यह बम जमीन के अंदर ही दबा रह गया, जो अब जमीन से बाहर निकाल कर नष्ट कर दिया गया.

भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा संग 15 दिन के एकांतवास में गए भगवान जगन्नाथ

रांची (एजेंसी): रांची के प्रसिद्ध जगन्नाथपुर मंदिर में ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन शनिवार को भगवान जगन्नाथ का स्नान यात्रा अनुष्ठान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ. महास्नान के बाद भगवान जगन्नाथ

6 जुलाई को भगवान का नेत्रदान, 7 को रथयात्रा

भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ १५ दिनों के एकांतवास में चले गए. पुजारी कौस्तुभ मिश्रा ने बताया कि भगवान पांच जुलाई तक एकांतवास में रहेंगे. इस दौरान उनका दर्शन सुलभ नहीं होगा. श्रद्धालु मंदिर में गणेश, माता लक्ष्मी, श्रीकृष्ण आदि देवताओं के दर्शन पूजन कर सकेंगे. आषाढ़ शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि यानी छह जुलाई को भगवान का एकांतवास समाप्त होगा. विग्रहों को गर्भगृह से बाहर लाकर भगवान का नेत्रदान होगा. इसके बाद भगवान श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे.

पुजारी ने बताया कि अगले दिन आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि यानी सात

जुलाई को भाई और बहन के साथ भगवान जगन्नाथ रथ पर सवार होकर मौसी बाड़ी जायेंगे. सात जुलाई की शाम भगवान की रथयात्रा निकलेगी. भक्त भगवान का रथ खींचकर मौसीबाड़ी ले जाएंगे. नौ दिनों तक रथ मेला गुलजार रहेगा. १६ जुलाई को घुरती रथयात्रा निकाली जायेगी. भगवान मुख्य मंदिर लौटेंगे.

दर्शन को उमड़े श्रद्धालु, 108 दीपों से उतारी आरती

शनिवार को मंदिर में सुबह में दैनिक पूजन व आरती हुई. दोपहर में भगवान को अन्न का भोग लगाया गया. दोपहर करीब एक बजे स्नान यात्रा अनुष्ठान प्रारंभ हुआ. मंदिर के पुरोहित कौस्तुभ मिश्रा, रामेश्वर पाढ़ी, श्रीराम मोहंती व सरयू मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान को ५१-५१ कलश में रखे १०८ वनौषधियों व सुगंधित जल से स्नान कराया. दोपहर १(एजेंसी):३५ बजे के बाद परंपरानुसार आदिवासी पाहन और श्रद्धालुओ ने भी दूध, जल, सुगंध आदि से प्रभु को स्नान कराकर विग्रहों का स्पर्श दर्शन किया. फिर पुरोहितों ने शृंगार-पूजन कर १०८ मंगल दीपों से जगत के पालनहार की आरती उतारी. श्री जगन्नाथ अष्टकम और जगन्नाथ गीता द्वादश अध्याय पाठ किया गया. बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रभु के दर्शन-पूजन कर मंगल कामनाएं की और अन्न भोग का प्रसाद पाया. प्रथम सेवक सुधांशु नाथ शाहदेव, मंदिर समिति के सचिव मिथलेश कुमार, उपाध्यक्ष अशोक नारसरिया और कांग्रेस नेता आलोक दुबे ने इसमें मुख्य रूप से हिस्सा लिया. शाम चार बजे जयकारे के बीच विग्रहों को गर्भगृह ले जाया गया.

स्नान के बाद बीमार हुए भगवान

मान्यतानुसार भगवान जगन्नाथ स्नान करने के बाद बीमार पड़ जाते हैं. ऐसे में उनका उपचार किया जाता है. इस दौरान सोंठ, पिंपली, दाल चीनी, गोल मिर्च से बना विशेष काढ़ा भगवान को पिलाया जाता है.

नीट पेपर लीक मामला : पटना पुलिस नौ कुरमी बहुल सीटों को टारगेट कर विस चुनाव तैयारी में जुटे जयराम महतो की टीम ने देवघर से 6 लोगों को दबोचा

रांची (एजेंसी): नीट पेपर लीक मामले को लेकर पटना पुलिस की टीम ने देवघर से छह लोगों को पकड़ा है. पुलिस की टीम ने देवघर जिले के देवीपुर थाना क्षेत्र के एम्स के पास स्थित झुनू सिंह के घर में छापेमारी कर छह आरोपियों को पकड़ा है. हालांकि रेड करने आयी पटना पुलिस ने देवघर पुलिस को बताया था कि यह सभी साइबर ठगी के आरोपी है.

देवघर पुलिस को शनिवार को इस बात का पता चला कि असल में सभी नीट पेपर लीक मामले में पकड़े गये हैं. पकड़े गये युवकों में सिंटू कुमार उर्फ सिंटू, प्रशांत कुमार, पंकु कुमार, परमजीत सिंह, बालदेव सिंह व काजू कुमार शामिल हैं. सभी लोग बिहार के नालंदा के रहने वाले हैं.

सबसे पहले सिंटू के पास पहुंचा था नीट का पेपर

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सबसे पहले नीट का पेपर सिंटू के पास पहुंचा था. ५ मई की सुबह करीब नौ बजे सिंटू के मोबाइल पर प्रश्न पत्र और उत्तर आया था.

उसने प्रश्न पत्र और उत्तर दोनों को प्रिंट कराकर अभ्यर्थियों को रटने के लिए दिया था. इसके बाद सभी को कार से अपनी निगरानी में परीक्षा केंद्र तक छोड़ने की जिम्मेदारी सिंटू और उसके साथियों की ही थी. पटना के अलग-अलग ठिकानों से अभ्यर्थियों को लेकर सिंटू ने ही लर्न प्ले स्कूल पहुंचा था. सिंटू ने ही लर्न प्ले स्कूल में सारी व्यवस्था की थी.

30 लाख में नीट पेपर खरीदा और 40-40 लाख में बेचा

नीट पेपर लीक के गिरफ्तार आरोपी सिकंदर यादवेंदु ने पूछताछ के दौरान खुलासा किया है कि ३०-३२ लाख रुपये में उसने नीतीश कुमार और अमित आनंद से नीट का पेपर खरीदा था.

जिसके बाद सिकंदर ने रांची के अभिषेक कुमार, दानापुर पटना के आयुष कुमार, समस्तीपुर के अनुराग यादव और गया के शिवनंदन कुमार को ४०-४० लाख रुपये में इसे पेपर बेचा था. इतना ही नहीं इन चारों परीक्षार्थियों को नीट परीक्षा से एक रात पहले ४ मई को पटना के रामकृष्णा नगर में रातभर पेपर रटवाया गया था.

रांची (एजेंसी): झारखंड अलग राज्य के प्रणेता रहे आंदोलनकारी कृष्ण प्रसाद महतो के पुत्र जयराम महतो अब राज्य की सियासत में जाना-पहचाना नाम बन चुके हैं. जब जयराम महतो ने खुद को और अपने कैडर को लोकसभा चुनावी समर में उतरने का फैसला लिया, तो राजनीति के जानकार इसे उनका बचपना और राजनीतिक जल्दबाजी भरा कदम बताया था. मगर जिस प्रकार से खुद जयराम महतो और उनके लोगों ने वोट हासिल की, उससे राज्य की राजनीति में हलचल मचा गयी. जयराम महतो के बारे में यह कहा जा रहा था कि जिस कदर उनकी सभा में युवाओं की भीड़ उमड़ती थी क्या, वह वोट में तब्दील हो पाएगा, उन्होंने इस मिथ्या को सही साबित कर दिया. जयराम और उनका संगठन झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) ने झारखंड की राजनीति में खुद को स्थापित करते हुए लोहा मनवा लिया. अब जयराम महतो दूर की रणनीति बनाने में जुट गए हैं. भले ही उन्होंने घोषणा की है कि उनका संगठन ५५ सीट पर अकेले दम पर चुनाव लड़ेगा, मगर सच इससे परे है. जयराम महतो की रणनीति फिलहाल राज्य की राजनीति में नया बड़ा कुरमी नेता बनने की है. इसलिए वे अपनी कोर टीम के साथ

झारखंड के कुरमी बहुल करीब नौ सीटों को टारगेट करके अपनी चुनावी रणनीति बना रहे हैं. बहुत जल्द जेबीकेएसएस का पार्टी के तौर पर निबंधन कराने की तैयारी चल रही है.

इन नौ सीटों पर जयराम का है फोकस

जयराम महतो ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए नौ सीटों पर फोकस किया है, जो कुरमी बहुल सीटें हैं. यहां पर कुरमी वोट ही अंतिम रूप से निर्णायक साबित होता है. इनमें सुदेश महतो की सीट सिल्ली, ईचागढ़, मांडू, रामगढ़, गिरिडीह, डुमरी, गोमिया, हजारीबाग और बाघमारा सीट प्रमुख है. इन नौ सीटों में अधिक अधिक से अपने पाले में करने की रणनीति बनाने में जयराम महतो जुटे हैं.

सुदेश और आजसू पार्टी है जयराम के निशाने पर

दरअसल अलग राज्य आंदोलन से लेकर झारखंड अलग होने के बाद से अब तक निर्मल महतो, विनोद बिहारी महतो, सुधीर महतो, शैलेंद्र महतो, टेकलाल महतो, सुदेश महतो जैसे कई कुरमी नेताओं का उदय हुआ. मगर फिर सारे आहिस्ता-आहिस्ता राजनीति से अस्त भी होते चले गए. कई कुरमी नेताओं की हत्या हो गयी तो कई वर्तमान में कुरमी राजनीति से हाशिए पर चल रहे हैं. झारखंड गठन के बाद झारखंड की कुरमी राजनीति में अचानक से सुदेश महतो का उद्वह हुआ. कमी पांच-पांच विधायक जिता कर लाने वाले सुदेश महतो खुद अपनी गृह सीट सिल्ली से दो बार चुनाव हार गए. पांच से खिसककर पार्टी दो तक भी पहुंच गयी. वर्तमान में सुदेश और उनके द्वारा ऑल झारखंड स्टुडेंट्स यूनियन जो झारखंड आंदोलन में एक उग्र युवा संगठन के तौर पर उदय हुआ था, उसे झारखंड गठन के बाद इस संगठन के नाम को विलोपित करते हुए आजसू पार्टी का गठन कर नए सिरे झारखंड में राजनीति की शुरुआत की. करीब १५ से १८ साल तक सुदेश महतो और आजसू पार्टी की तूती झारखंड की राजनीति में चली. अब झारखंड की राजनीति में छोटा टाइगर के रूप में झारखंड आंदोलन के पुत्र के तौर पर जयराम महतो का उदय हो गया है. जयराम महतो के नजदीकी यह बताते हैं कि हमारे निशाने पर आजसू पार्टी और उनके सुप्रीमो सुदेश महतो ही हैं. २४ के विधानसभा चुनाव में हमलोग किंग मेकर की भूमिका में रहेंगे. यही कारण है कि अचानक से जयराम महतो झारखंड के तमाम बड़े राजनीतिक दल जैसे भाजपा, कांग्रेस और झामुमो की पसंद बन गए हैं.

संपादकीय | कठघरे में परीक्षा और दांव पर विश्वसनीयता

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि देश भर में जिन कुछ परीक्षाओं को सबसे पुख्ता इंतजामों के बीच कराए जाने और उनकी गुणवत्ता के लिए जाना जाता रहा है, आज धांधली या फिर पहले ही प्रश्न-पत्रों के बाहर आ जाने की लगातार घटनाओं के बीच उनकी विश्वसनीयता को गहरी चोट पहुंच रही है। इन परीक्षाओं का आयोजन कराने वाली एजंसी की साख इस तरह गिर चुकी लगती है कि अब उसकी क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। सवाल है कि अगर यह स्थिति पिछले काफी समय से निरंतर बनी हुई है, तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी बनती है।

गौरतलब है कि बुधवार को हुई विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-नेट परीक्षा में कई स्तर पर हुई गड़बड़ी के संकेत मिलने के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने उसे रद्द करने की घोषणा कर दी। दरअसल, परीक्षा के अगले ही दिन यूजीसी को गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध कोआर्डिनेशन केंद्र से परीक्षा में गड़बड़ी होने के स्पष्ट संकेत मिले थे। अब मंत्रालय ने परीक्षा रद्द करने के साथ-साथ इसकी जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआइ को सौंप दी है।

जाहिर है, अब समूचे मामले की जांच की प्रक्रिया चलेगी, लेकिन कितने दिनों में उसका नतीजा क्या आएगा, किसे कठघरे में खड़ा किया जाएगा, क्या कार्रवाई होगी, गड़बड़ी से बचाव के क्या इंतजाम किए जाएंगे, इसे लेकर कोई स्पष्टता शायद ही सामने आए! यूजीसी-नेट की परीक्षा में हुई गड़बड़ी इस तरह का कोई पहला मामला नहीं है। देश में अलग-अलग राज्यों में स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सा और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित की जाने

वाली परीक्षाओं के दौरान गड़बड़ी या प्रश्न पत्रों के पहले ही बाहर आ जाने की घटनाएं पिछले कुछ समय से लगातार सुर्खियों में रही हैं।

यह तब है, जब इन परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश के पहले बहुस्तरीय और बारीक जांच की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है और किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु अंदर ले जाने की छूट नहीं होती। इसके बावजूद परीक्षा के प्रश्न पत्र कुछ आपराधिक तत्त्वों के हाथ लग जाते हैं और उनका संजाल ऊंची रकम लेकर इन्हें अभ्यर्थियों को बेचता है। जब एनटीए और संबंधित महकमों की ओर से हर स्तर पर चौकसी बरतने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने का दावा किया जाता है, तब इतनी गंभीर गड़बड़ी कैसे संभव हो पाती है?

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि हाल ही में जब नीट की परीक्षा में धांधली की खबर सामने आई, तब केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने पहले उससे इनकार कर दिया था। मगर बाद में जब इस मामले में कुछ माफिया की गिरफ्तारी हुई, तब जाकर यह कहा गया कि कुछ गड़बड़ी हुई है। सवाल है कि धांधली की खबरें आने के बाद उस पर उचित कार्रवाई सुनिश्चित कराने के बजाय उसे नजरअंदाज करने, पर्दा डालने या फिर उस पर राजनीति की कोशिशों को कैसे देखा जाएगा! जिन परीक्षाओं में लाखों विद्यार्थी एक उम्मीद लेकर तैयारी करते हैं, उनके प्रश्न पत्रों को बाहर निकाल कर लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले माफिया या आपराधिक तत्त्वों की पहुंच कैसे परीक्षाओं के आयोजन से जुड़े उस तंत्र तक हो जाती है, जो पूरी पारदर्शिता और सख्ती के साथ परीक्षा आयोजित कराने का दावा करता है? बीते कुछ समय से जिस तरह लगातार इन परीक्षाओं में धांधली की घटनाएं सामने आ रही हैं, उसमें इनकी विश्वसनीयता को लेकर कैसी राय बनेगी और इसके लिए किसकी जवाबदेही तय की जाएगी?

रिकॉर्ड तोड़ गर्मी से बिगड़ रही लोगों की दिनचर्या

इस वर्ष की गर्मी को लेकर जिस स्तर के संकट के अनुमान पिछले कई महीनों से व्यक्त किए जा रहे थे, वे जमीन पर उतरते दिख रहे हैं। दिल्ली में भयंकर लू की चपेट में आने से सत्रह लोगों की मौत की खबर आ चुकी है और इस संख्या में बढ़ोतरी की आशंका जताई जा रही है। धूप की तपिश

सहनशक्ति की सीमा के पार करने से बीमार हुए लोग जितनी तादाद में अस्पतालों में भर्ती कराए जा रहे हैं, उससे पता चलता है कि इस गर्मी की मार पिछले कई वर्षों के मुकाबले ज्यादा पड़ रही है। यों तो देश भर में इस बार तापमान जिस स्तर पर सता रहा है, वह परेशान करने वाला है, मगर दिल्ली में न्यूनतम तापमान ने भी पिछले पचपन वर्ष का रिकार्ड तोड़ दिया। मौसम विभाग के सफदरजंग केंद्र के मुताबिक 18 जून की रात को न्यूनतम पारा सामान्य से आठ डिग्री ज्यादा यानी 35.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालत यह है कि दोपहर के समय के तापमान ने बहुत सारे लोगों के सामने न केवल सामान्य दिनचर्या, बल्कि जीवन तक का संकट पैदा कर दिया है। कई राज्यों में स्कूलों की बंदी को लेकर नए निर्देश जारी करने पड़े। एक ओर ऐसे तमाम लोग हैं, जिनके सामने अपनी जिंदगी चलाने के लिए जानलेवा लू के बीच भी काम करने की मजबूरी है, तो दूसरी ओर सरकारी स्तर पर शायद ही ऐसे इंतजाम किए जाते हैं, जिनसे खुले आसमान के नीचे जानलेवा तापमान और जोखिम के बीच हाड़तोड़ मेहनत करने वालों को थोड़ी राहत मिल सके। कड़ाके की ठंड में जिस तरह बचाव के लिए कंबल और रैन बसेरे बनाए जाने को लेकर कुछ कदम उठाए जाते हैं, उस तरह धूप से बचाव के घटते ठौर के समांतर एक समय जगह-जगह दिखने वाले प्याऊ या मुफ्त पानी के इंतजाम अब शायद ही कहीं दिखते हैं। हालांकि मौसम के मिजाज को देखते हुए बहुत सारे लोग बेहद जरूरी काम होने पर ही घर से निकलते हैं, मगर संतोषजनक आवास और कामकाज की जगहों पर बचाव के उपायों के अभाव के बीच कई लोग लू की तपिश में दम तोड़ दे रहे हैं। मौसम की गति को थामना शायद असंभव है, मगर सरकार अगर लू से बचाव और बीमार होने वालों के इलाज को लेकर मानवीयता के लिहाज से कुछ कदम उठाए तो कई लोगों की जान बचाई जा सकती है।

प्रजा सवाल कर रही, सरकार जवाब दे...

यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द होने और बिहार और गुजरात में नीट-यूजी पेपर लीक की बात सामने आने के बाद से भाजपा और आरएसएस से जुड़े संगठनों ने भी सवाल उठाया है। छात्र संगठन एबीवीपी ने गुरुवार को कहा कि जब प्रजा की तरफ से सवाल उठता है तो सरकार की तरफ से जवाब होना चाहिए। इन परीक्षाओं को आयोजित करने वाली राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए एबीवीपी के राष्ट्रीय महासचिव याज्ञवल्क्य शुक्ला ने द इंडियन एक्सप्रेस से कहा, ऐसा सामने आ रहा है कि एनटीए द्वारा कुप्रबंधन किया जा रहा है।

श्रुति श्रीवास्तव

ऐसा कैसे है कि कुछ केंद्रों पर प्रश्नपत्र 15-20 मिनट देरी से पहुंच रहे हैं? ऐसा कैसे है कि एक ही केंद्र के 7-8 छात्रों को 100% अंक मिलते हैं? 67 छात्रों को 720 अंक कैसे मिले? एनटीए की विश्वसनीयता पर सवालिया निशान है और जब प्रजा की तरफ से सवाल है तो सरकार की तरफ से जवाब होना चाहिए।एबीवीपी महासचिव ने आगे कहा, क्या ऐसा हो सकता है कि जब केंद्रीय नेतृत्व का ध्यान कहीं और (लोकसभा चुनाव में) था तो कुछ गलत हुआ हो? एनटीए की भूमिका संदेह के घेरे में है। एबीवीपी की मांग है कि पूरे प्रकरण की जांच सीबीआई से करायी जाये। एनटीए की भूमिका की जांच होनी चाहिए। ग्रेस मार्क्स की प्रक्रिया की समीक्षा की जानी चाहिए। इस मुद्दे पर हमारा प्रतिनिधिमंडल पहले ही शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मिल चुका है।

फरवरी 2024 में पेपर लीक को रोकने के लिए संसद द्वारा एक सख्त नया कानून पारित करने के बाद यह पहली बार है जब केंद्र द्वारा आयोजित यूजीसी-नेट परीक्षा को रद्द किया गया है। जानकारी के लिए बता दें कि यूजीसी-नेट 2024 को 19 जून को रद्द कर दिया गया था जब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पाया कि शायद परीक्षा की अखंडता से समझौता हुआ है।

याज्ञवल्क्य शुक्ला के अनुसार, एबीवीपी ने 5 जून को एक आंदोलन शुरू किया था। उन्होंने कहा, हमने 6 जून को ग्रेस मार्क्स के मुद्दे पर सवाल उठाए थे और 8 जून को हमने देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की थी। सरकार को परीक्षाओं में पारदर्शिता लाने की दिशा में काम करना चाहिए ताकि सिस्टम में छात्रों का भरोसा बरकरार रहे। छात्रों और अभिभावकों दोनों के लाखों सपने इन परीक्षाओं से जुड़े हैं।

एबीवीपी ने अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी परिषद में इस संबंध में एक प्रस्ताव भी पारित किया है। इसमें देश में परीक्षाओं में अनियमितताओं की जांच के लिए एक अलग केंद्रीय एजेंसी के गठन की भी मांग की गई है।

हश्वश्वञ्ज और हश्वञ्ज परीक्षा के इस प्रकरण से सत्तारूढ़ दल के कुछ नेता भी परेशान हैं। भाजपा के राज्यसभा सांसद राकेश सिन्हा ने पेपर सेटर्स और कोचिंग संस्थानों के बीच पाए गए किसी भी सांठगांठ को अपराध घोषित करने की मांग की।

इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए राकेश सिन्हा ने कहा, शिक्षा क्षेत्र अब पैसे कमाने का जरिया हो गए हैं। कोचिंग संस्थानों पर ध्यान देने की जरूरत है। हजारों केंद्रों पर परीक्षाएं होने के कारण कुछ परीक्षा केंद्रों की विश्वसनीयता पर विवाद बना हुआ है। इसके लिए पहले से ही पूरी तैयारी की जरूरत होती है। परीक्षा केंद्रों में बाहरी इनविजिलेटर का होना जरूरी है, साथ ही कोचिंग सेंटरों से किसी भी तरह का संबंध रखने वाले शिक्षकों द्वारा प्रश्न सेट करना अपराध बनाया जाना चाहिए। पूरी प्रक्रिया, लोग और प्रतिभागी सभी बहुत महत्वपूर्ण हैं।

शिक्षा बचाओ आंदोलन ने नीट-यूजी 2024 को रद्द करने, चल रही काउंसलिंग प्रक्रिया को बंद करने और अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग की। संगठन ने संरचनात्मक सुधारों का सुझाव देने और एनटीए के कामकाज को देखने के लिए विशेषज्ञों के एक निकाय के गठन की भी मांग की।

शिक्षा बचाओ आंदोलन से संबंधित शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने परीक्षाओं के संचालन के लिए केंद्र द्वारा 2017 में गठित एनटीए की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। निकाय के सूत्रों ने कहा कि एनटीए की आखिरी पूर्ण बोर्ड बैठक कब हुई थी? उन्होंने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि महज कुछ साल पुरानी संस्था कैसे कई परीक्षाएं आयोजित कर सकती है? बिहार के मधुबनी से भाजपा के लोकसभा सांसद अशोक कुमार यादव ने इंडियन एक्सप्रेस से कहा, निश्चित रूप से ऐसी घटनाएं सभी के लिए चिंता का विषय है और ऐसे गलत कामों में लिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। इसको लेकर हर कोई चिंतित है। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की इजाजत किसी को नहीं दी जानी चाहिए। इसे लेकर केंद्र और बिहार सरकार दोनों चिंतित हैं। मुझे पता चला है कि बिहार सरकार अगले विधानसभा सत्र में पेपर लीक रोकने के लिए एक ड्राफ्ट कानून लाने जा रही है।

उत्तर प्रदेश के हरदोई से भाजपा सांसद जय प्रकाश रावत ने कहा कि भाजपा सरकार ऐसे मामलों पर सतर्क थी और ऐसी हर घटना पर तुरंत कार्रवाई की थी। सरकार की ओर से कोई ढिलाई नहीं है। सरकार भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठा रही है।

राजस्थान के राजसमंद से बीजेपी सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने नीट विवाद पर इंडियन एक्सप्रेस से कहा, यह हमारे बच्चों के भविष्य के बारे में है और इसलिए हर कोई इसे लेकर बहुत गंभीर और ईमानदार है। मुझे यकीन है कि जो कुछ भी हुआ है, सरकार और पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों ने इसका संज्ञान लिया है और जो भी सही होगा वह किया जाएगा। जो कुछ भी किया जाएगा वह छात्रों के सर्वोत्तम हित में किया जाएगा।

आज का कार्टून

केंद्रीय लोक सेवा में महिलाओं की बढ़ती भूमिका

कौशल किशोर

पिछले कुछ सालों की सिविल सेवा परीक्षा के परिणाम पर गौर करने से महिलाओं की बढ़ती भूमिका का पता चलता है। इस साल के टॉप टैन में आधा दर्जन लड़कियां शामिल हैं। कुल 1016 सफल उम्मीदवारों में महिलाओं की संख्या 352 है।अल्पसंख्यक समुदाय से भी 50 उम्मीदवार सफल हुए हैं। विदेश सेवा के लिए चुने गए कुल अभ्यर्थियों की संख्या 37 है। साथ ही प्रशासनिक सेवा के लिए 180 और पुलिस सेवा के लिए 200 तथा वन सेवा के लिए 147 अभ्यर्थी चुने गए हैं। आजकल महिला अधिकार आंदोलनों ही नहीं बल्कि सरकार भी संसदीय राजनीति में उनके लिए एक तिहाई सीटों की व्यवस्था में लगी है। इसे पूरा करने के लिए नवीन संसद भवन के उद्घाटन के बाद नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण विधेयक) पारित किया गया था। लेकिन यहां लड़कियों ने अपनी योग्यता के बूते मांग से थोड़ा अधिक हासिल किया है। 21वीं सदी के दूसरे दशक में नौकरशाही में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। यह 2018 में 24 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 34 प्रतिशत हो गई। आज महिलाएं संघर्ष और ताकत की अद्भुत कहानियां लिखने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। 22 साल की अवस्था में महिला टॉपर डोनुरु अनन्या रैड्डी अखिल भारतीय रैंकिंग में तीसरा स्थान हासिल करती हैं। यह उनका पहला ही प्रयास था। वह तेलंगाना में महबूबनगर जिला मुख्यालय से 23 किलोमीटर दूर पोन्नकल नामक एक छोटे से गांव से आती हैं। उनके पिता धान की खेती करते हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाऊस से भूगोल में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। गुरुग्राम की 28 वर्षीय रूहानी छठे और अंतिम प्रयास में पांचवां स्थान हासिल कर चुकी हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफंस कॉलेज से वह अर्थशास्त्र में स्नातक हैं। पिछले एक प्रयास में मिली सफलता की वजह से रूहानी परिणाम के दिन 16 अप्रैल को हैदराबाद में प्रशिक्षण ले रही थीं। शीर्ष 10 में अभ्यर्थियों में अल्पसंख्यक समूह से आने वाली एक मात्र उम्मीदवार महिला हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में जन्मी नौशीन चौथे प्रयास में नौवां स्थान हासिल करती हैं। तीसरे असफल प्रयास के बाद वह डिप्रैशन में चली गई थीं। लेकिन अगले परिणाम से पता चलता है कि वह जल्द ही स्वस्थ हो गई थीं। वह भी दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक करने वालों में से एक हैं। नौशीन के पिता अब्दुल कय्यूम आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो) में सहायक निदेशक हैं। पंजाब ने शीर्ष 100 उम्मीदवारों में एक सीट हासिल की है। 31 वर्षीय गुरलीन कौर ने अपने चौथे प्रयास में 30वीं रैंक हासिल की। डाक्टर बलविंदर कौर मान (सेवानिवृत्त जिला स्वास्थ्य अधिकारी) की बेटी भी एक प्रशिक्षित डाक्टर हैं। वह 2021 में प्रांतीय लोक सेवा परीक्षा में नौवां स्थान मिलने पर प्रशासनिक सेवा में शामिल हो गई थीं। उनकी सफलता अपने आप में एक संघर्षपूर्ण कहानी कहती है क्योंकि उन्होंने अपने पूर्णकालिक नौकरी से अध्ययन अवकाश के बिना ही लक्ष्य साध कर इतिहास कायम किया है। 1972 में राष्ट्रीय स्तर पर टैनिस खेलने वाली किरण बेदी (पेशावरिया) ने सिविल सेवा की परीक्षा उत्तीर्ण की और भारत की पहली महिला आई.पी.एस. अधिकारी बनी थीं। आधी शताब्दी से अधिक बीतने के बाद जब अगले साल उनके जीवन पर फिल्म की घोषणा हुई तो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाली दूसरी महिला खिलाड़ी भारतीय पुलिस सेवा में शामिल हुई। 25 वर्षीय कुहू गर्ग बैडमिंटन में 50 से अधिक राष्ट्रीय व 19 अंतर्राष्ट्रीय पदक जीतने के बाद लक्ष्य साध कर इतिहास कायम करती हैं। दूसरे प्रयास में उन्हें 178वां स्थान मिला है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से अर्थशास्त्र में स्नातक किया है। उसने इस नई उपलब्धि के लिए तैयारी शुरू की।

लोकतंत्र के पूरक न बनें अपराधी

एक ताजा-तरीन रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार इस बार के लोकसभा चुनावों में जीतने वाले प्रत्याशियों में से 46 प्रतिशत ऐसे हैं जिनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। लोकतंत्र में सुधार के मुद्दों पर काम करने वाली संस्था एसोसिएशन फॉर डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ए.डी.आर.) ने इन लोकसभा चुनावों में जीतने वाले सभी प्रत्याशियों के हलफनामों का अध्ययन कर यह जानकारी निकाली है। ए.डी.आर. की रिपोर्ट के मुताबिक 543 जीतने वाले प्रत्याशियों में से 46 प्रतिशत (251) प्रत्याशियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके अलावा सभी जीतने वाले प्रत्याशियों में 31 प्रतिशत (170) ऐसे हैं जिनके खिलाफ बलात्कार, हत्या, अपहरण आदि जैसे गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

डा. वरिन्द्र भाटिया

27 जीतने वाले प्रत्याशी ऐसे हैं जो दोषी भी पाए जा चुके हैं और या तो जेल में हैं या जमानत पर बाहर हैं। 4 जीतने वाले प्रत्याशियों के खिलाफ हत्या के मामले, 27 के खिलाफ हत्या की कोशिश के मामले, 2 के खिलाफ बलात्कार, 15 के खिलाफ महिलाओं के खिलाफ अन्य अपराध, 4 के खिलाफ अपहरण और 43 के खिलाफ नफरती भाषण देने के मामले दर्ज हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि किसी साफ पृष्ठभूमि वाले प्रत्याशी की जीतने की संभावना सिर्फ 4.4 प्रतिशत है, जबकि आपराधिक मामलों का सामना कर रहे प्रत्याशी की जीतने की संभावना 15.3 प्रतिशत है। भाजपा के 240 विजयी प्रत्याशियों में से 39 प्रतिशत (94), कांग्रेस के 99 विजयी प्रत्याशियों में से 49 प्रतिशत (49), सपा के 37 में से 57 प्रतिशत (21), तृणमूल कांग्रेस के 29 में से 45 प्रतिशत (13), डीएमके के 22 में से 59 प्रतिशत (13), तेदेपा के 16 में से 50 प्रतिशत (8) और शिवसेना (शिंदे) के सात में से 71 प्रतिशत (पांच) प्रत्याशियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरजेडी के 100 प्रतिशत (चारों) प्रत्याशियों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। स्थिति को राज्यवार

देखें तो केरल सबसे आगे है, जहां विजयी प्रत्याशियों में से 95 प्रतिशत के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसके बाद तेलंगाना (82 प्रतिशत), ओडिशा (76 प्रतिशत), झारखंड (71 प्रतिशत) और तमिलनाडु (67 प्रतिशत) जैसे राज्यों का स्थान है। इनके अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, गोवा, कर्नाटक और दिल्ली में 40 प्रतिशत से ज्यादा विजयी प्रत्याशी आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं।

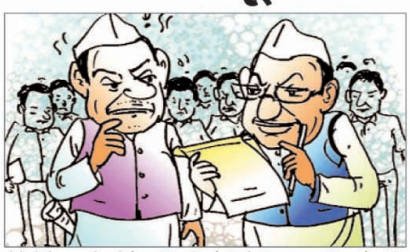

ए.डी.आर. की रिपोर्ट दिखा रही है कि चुनाव दर चुनाव ऐसे सांसदों की संख्या बढ़ती जा रही है जिनके खिलाफ आपराधिक और गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2009 में लोकसभा में आपराधिक मामलों का सामना कर रहे सांसदों की संख्या 30 प्रतिशत थी। 2014 में यह संख्या बढ़ कर 34 प्रतिशत, 2019 में 43 प्रतिशत और 2024 में 46 प्रतिशत हो गई। गंभीर आपराधिक मामलों वाले सांसदों की संख्या देखें तो 2009 में उनकी संख्या 14 प्रतिशत थी, 2014 में बढ़कर 21 प्रतिशत, 2019 में 29 प्रतिशत और 2024 में 31 प्रतिशत हो गई। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि राजनीतिक दल यह मान नहीं रहे हैं कि जिनके खिलाफ आपराधिक मामले लंबित हों ऐसे लोगों को चुनाव लड़ाना देश के लिए अच्छा नहीं हैं। सभी जगह अकुशल शासन राजनीति के अपराधीकरण को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इस बिन्दू पर सुप्रीम कोर्ट ने कई बार अपनी चिंता जताई है। सजायाफ्ता नेताओं की सदस्यता रद्द करने का-4 सितंबर 2013 को सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कहा कि 2 साल या उससे अधिक की सजा पाए नेताओं की सदस्यता रद्द हो जाएगी। सदस्यता रद्द होने के अलावा दागी नेता 6 साल तक चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। कोर्ट ने फैसले में आगे कहा था कि जेल में रहते हुए किसी नेता को वोट देने का अधिकार भी नहीं होगा और न ही वे चुनाव लड़ सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने 2020 में एक फैसले में कहा कि राजनीतिक दलों को यह बताना होगा कि दागी उम्मीदवारों को क्यों टिकट दिया और उनपर कितने केस दर्ज हैं। कोर्ट ने कहा सभी माध्यमों में विज्ञापन देकर राजनीतिक दल जनता को दागी छवि वाले उम्मीदवारों के बारे में बताएं।

साल 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि देश में कितने सांसद और विधायक दागी हैं? इनके केसों की सुनवाई के लिए कितने स्पैशल कोर्ट बनाए गए हैं? इसकी जानकारी दीजिए। सुनते हैं कि केंद्र ने हलफनामा जमा नहीं किया, जिस पर कोर्ट और केंद्र में ठन गई। 2018 में दागी नेताओं को टिकट नहीं देने की याचिका पर चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा की बैंच में सुनवाई चल रही थी।

इस पर केंद्र सरकार भड़क गई। तत्कालीन अटॉर्नी जनरल ने कहा कि संसद का काम भी आप ही कर दीजिए। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा- जब तक आप नहीं करेंगे तब तक हम हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठ सकते हैं। चुनाव लडने के लिए उम्मीदवारों और पार्टियों को जितने पैसे की जरूरत होती है, जो साधारण लोगों के बस में नहीं है। साथ ही इलाके में अपराध की वजह से अपराधियों की नैटवर्किंग काफी मजबूत रहती है। इन दोनों वजहों से राजनीतिक दल अपराधियों को टिकट देती है। इनमें कई अपराधी चुनाव जीत कर रॉबिनहुड की छवि बना लेते हैं।

वर्तमान में ऐसी स्थिति बन गई है कि राजनीतिक दलों के मध्य इस बात की प्रतिस्पर्धा है कि किस दल में कितने उम्मीदवार आपराधिक पृष्ठभूमि के हैं क्योंकि इससे उनके चुनाव जीतने की संभावना बढ़ जाती है आज राजनीति और अपराध की दुनिया का आपस में अटूट इश्किया बंधन है जो कभी भी जुड़ा नहीं होगा यह एक बार फिर इस बार के लोक सभा चुनावों मे कड़वा सच बन कर सामने आया है हमें सुनिश्चित करना होगा कि अपराधी लोकतंत्र के पूरक न बन सकें।

आज भी कायम है... सर्कस का जादू

आज जब कंप्यूटर का जमाना है और हर चीज झटपट माउस के एक क्लिक पर उपलब्ध है, तब भी लाइव और एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज कारनामे देखने का मजा ही कुछ और है। और साथ में अगर हाथी, ऊंट, तोते, चिड़ियां और कुत्ते भी खेल दिखाने लगें तो आंखें आश्चर्य से खुली की खुली रह जाती हैं। जी हां, आज तुम्हें सर्कस की दुनिया में ले जा रहे हैं

सर्कस का नाम पढ़ते ही हमारे दिमाग में शेर-चीते-भालू के खेल से सजा शानदार टैंट में चल रहा खेल-तमाशा ध्यान आता है। लेकिन क्या तुम जानते हो कि कभी भारतीय लोगों के मनोरंजन का फिल्म के बाद सबसे लोकप्रिय माध्यम सर्कस अब करीब-करीब बिन जानवरों का खेल दिखाता है? आजकल दिल्ली में सर्कस चल भी रहा है। यह इन सर्कस चलाने वालों की हिम्मत ही है कि वह इस प्राचीन कला के माध्यम को हर तरह की परेशानी के बाद भी जीवित रखे हुए हैं। सर्कस चलाने वालों का कहना है कि सर्कस चलाना बहुत मेहनत का काम है। एक सर्कस में 200 से ज्यादा लोग काम करते हैं। सबके रहने-सहने और खानपान की जिम्मेदारी सर्कस कंपनी की होती है। सभी कलाकार नहीं होते। पर वे एक-दूसरे से ऐसे जुड़े होते हैं, जैसे मोतियों की माला। कुछ का काम होता है तंबू लगाना, उखाड़ना व उनकी देखभाल करना, तो कुछ लोग जानवरों की सेवा में लगे रहते हैं। खेल दिखाने वाले कलाकार तो होते ही हैं, परंतु उन्हें कब और क्या चाहिए और कई बार जब उनका शो खराब हो रहा होता है, तो कैसे जोकर व अन्य लोग उस शो को संभाल लेते हैं, यह देखते ही बनता है।

भारत में सर्कस

भारत में सर्कस के आदिगुरु होने का गौरव महाराष्ट्र के विष्णुपंत छत्रे को है। वह कुर्दुवाडी रियासत में चाकरी करते थे। उनका काम था घोड़े पर करतब दिखाकर राजा को प्रसन्न करना। 1879 में वह अपने राजा जी के साथ मुंबई में 'रॉयल इटैलियन सर्कस' में खेल देखने गए। उसके मालिक ने भारतीयों का मजाक उड़ाते हुए कह दिया कि सर्कस में खेल दिखाना भारतीयों के बस की बात नहीं है। इस अपमान को छत्रे सह नहीं सके और उन्होंने अपनी पत्नी के साथ मिलकर एक साल के भीतर ही भारत की पहली सर्कस कंपनी 'द ग्रेट इंडियन सर्कस' की नींव रखी और खेल दिखाया।

बाद में उनका साथ दिया केरल के कीलेरी कुन्नीकानन ने। वह भारतीय मार्शल आर्ट 'कालारी पायटू' के मास्टर थे। उन्होंने सर्कस के कलाकारों को ट्रेनिंग देने के लिए स्कूल खोला। बाद में जितने भी सर्कस भारत में शुरू हुए, उनके अधिकतर मालिक इसी स्कूल से सीखकर सर्कस जगत में आए। उन्हें भारतीय सर्कस का पितामह माना जाता है। भारत के मशहूर सर्कसों में ग्रेट रॉयल सर्कस (1909), ग्रैंड बॉम्बे सर्कस 1920 (यही सर्कस आज 'द ग्रेट बॉम्बे सर्कस' के नाम से जाना जाता है), ग्रेट रेमन सर्कस 1920, अमर सर्कस 1920, जेमिनी सर्कस 1951, राजकमल सर्कस 1958 और जम्बो सर्कस 1977 है।

शुरुआत सर्कस की

प्राचीन रोम में भी सर्कस हुआ करते थे। बाद में जिप्सियों ने इस खेल को यूरोप तक पहुंचाया। इंग्लैंड में फिलिप एशले ने पहली बार लंदन में 9 जनवरी 1768 को सर्कस का शो दिखाया था। उसने घोड़ों के साथ कुत्तों के खेल को भी सर्कस में स्थान दिया। पहली बार दर्शकों को हंसाने के लिए उसने सर्कस में जोकर को जोड़ा। इंग्लैंड के जॉन बिल रिकेट्स अमेरिका में 3 अप्रैल 1793 को अपना दल लेकर पहुंचे और वहां के लोगों को सर्कस का अद्भुत खेल दिखाया। रूस के सर्कस बहुत अच्छे माने जाते हैं और वहां 1927 में मास्को सर्कस स्कूल की स्थापना हुई।

सर्कस और जानवर

प्राचीन काल से ही सर्कस से जानवर जुड़े हैं। इनके खेल दर्शक सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। परंतु सर्कस की कठिन दिनचर्या और ट्रेनिंग जानवरों के लिए बड़ी तकलीफदेह होती है। इसी को लेकर सर्कस में जानवरों के प्रदर्शन पर विरोध होने लगा और पेटा सहित अन्य संगठनों के प्रदर्शन के बाद कई देशों में जानवरों के सर्कस में प्रयोग पर पाबंदी लगने लगी। 1990 में भारत में सुप्रीम कोर्ट ने सर्कस में जंगली जानवरों के प्रयोग पर रोक लगा दी थी। तब से कुछ ही जानवर सर्कस में प्रयोग होते हैं और उन्हें भी बैन करने की मुहिम चलाई जा रही है। ग्रीस पहला यूरोपियन देश है, जिसने सर्कस में किसी भी जानवर का उपयोग करने पर प्रतिबंध लगाया है।

जोकर की जिंदगी

सर्कस में सबसे ज्यादा तालियां बजती हैं जोकरों के लिए। खासकर बच्चे इनका इंतजार करते रहते हैं कि ये कब मंच पर आएंगे। रंग-बिरंगे चेहरे, नकली नाक व बाल लगाकर सबको हंसाने वाले जोकर दो प्रोग्राम के बीच के टाइम में फिलर का काम करते हैं। इस समय में वो सबको खूब हंसाते हैं। कई लोगों की नकल करके, जोक सुनाके वे ऐसा करते हैं। कई बार तो इनके भी अलग कार्यक्रम होते हैं। आमतौर पर जोकर वे बनते हैं, जो शारीरिक विकास में पिछड़ जाते हैं और कद कम रह जाता है। बच्चों जैसे दिखने वाले ये जोकर कई बार साठ-साठ साल की उम्र तक के होते हैं। कई जोकर आम इनसान जितने भी होते हैं, पर तालियां तो छोटे कद वाले जोकर ही बटोर ले जाते हैं। इनका काम भी काफी मेहनतभरा होता है। शो के बाद ये काफी थक जाते हैं।

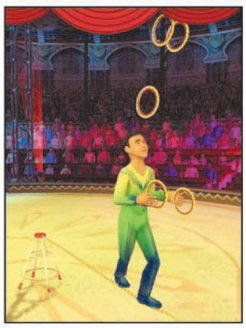

सर्कस पर किताबें

यूं तो सर्कस पर बहुत किताबें लिखी गई हैं, लेकिन अगर तुम्हें मौका मिले तो एनिड ब्लाइटन की सर्कस सीरीज पर लिखी तीन किताबों को जरूर पढ़िएगा। ये हैं-'मि. गिलियानोज सर्कस', 'हुर्रह फॉर द सर्कस' और 'सर्कस डेज एगेन'। हिंदी में संजीव का उपन्यास 'सर्कस' पढ़ सकते हैं। सर्कस में ट्रेनर रहे दामू धोके की आत्मकथा वाली पुस्तक भी बहुत अच्छी है।

सर्कस एक नजर में

- सर्कस शब्द सर्कल शब्द से बना है, जिसका अर्थ है घेरा।
- दुनिया का सबसे पुराना सर्कस प्राचीन रोम में था। आज से करीब 2500 वर्ष पहले बने इस सर्कस का नाम था—'मैविसमम'।
- भारत का पहला अपना सर्कस था—'द ग्रेट इंडियन सर्कस'। इसका पहला शो मुंबई में 20 मार्च 1880 को हुआ था।
- तुम्हें जानकर हैरानी होगी कि अमेरिका के द रिंगलिंग ब्रदर्स एंड बार्नम एंड बैले सर्कस को दुनिया का सबसे बड़ा सर्कस माना जाता है। इस सर्कस को एक जगह से दूसरी जगह शो करने जाने के लिए दो पूरी ट्रेनों का उपयोग किया जाता है। इसके बेड़े में 100 से ज्यादा हाथी और कई अन्य तरह के जानवर शामिल हैं।

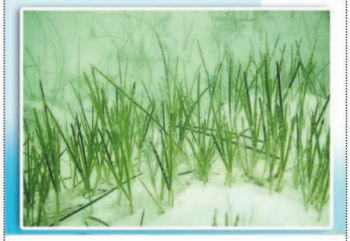

पर्यावरण संतुलन के लिए उपयोगी है.. सी-ग्रास

बच्चों, पार्क में हरी-भरी घास पर खेलते हुए तुम्हें काफी मजा आता होगा। कभी तुमने सोचा है कि मैदानों से दूर गहरे समुद्र में भी घास होती है, जहां कई तरह के जलीय जीव भी रहते हैं। फर्क इतना है कि सी-ग्रास के नाम से मशहूर यह समुद्री घास लंबे-पतले या अंडाकार पत्तेदार पौधे की तरह होती है और इसकी जड़ें समुद्र की रेतीली तलहटी को जकड़े रखती हैं। समुद्र के खारे पानी में पनपने वाली सी-ग्रास छोटे-बड़े आकार में दूर-दूर तक फैली रहती है। इसके पत्ते रिबन की तरह पानी की लहरों के साथ इधर-उधर हिलते रहते हैं।

कहां पाई जाती है

यह सी-ग्रास अंटार्कटिका को छोड़कर दुनिया भर के महाद्वीपों में पाई जाती है। शीतोष्ण और उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के महासागरों में इसकी 52 प्रजातियां पाई जाती हैं। यह सी-ग्रास 1-15 इंच लंबी होती है और समुद्र के गहरे पानी में पाई जाती है।

क्या हैं फायदे

समुद्र के नमकीन पानी में उगने वाली यह घास है बहुत काम की। यह न केवल कई जलीय जीवों का घर और भोजन है, बल्कि हमारे पर्यावरण को प्रदूषण से दूर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह हमारे कार्बनिक-कणों, जहरीली गैसों जैसे पर्यावरण को प्रदूषित करने वाले तत्वों को अवशोषित करके वातावरण को साफ बनाती है। हाल ही में सिडनी के वैज्ञानिकों ने अपने अध्ययनों से साबित किया है कि अपने इस गुण से सी-ग्रास ग्लोबल वार्मिंग के खतरे को कम करती है और पर्यावरण संतुलन को बनाए रखती है। दूसरी ओर सी-ग्रास समुद्र के पानी में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड को ऑक्सीजन में बदल देती है। इससे पानी की गुणवत्ता बनी रहती है, जिससे कई जीवों को जीवन मिलता है। इससे निकलने वाली ऑक्सीजन समुद्र के जलीय जीवों के लिए उपयोगी होती है। रेत में गहराई तक फैली सी-ग्रास की जड़ें समुद्र तल को स्थिर रखने में मदद करती हैं। ये पानी के तेज बहाव और उठने वाली तेज लहरों को रोकती हैं, जिससे समुद्र तल और तटीय क्षेत्रों में भूमि का कटाव को रोकने में मदद मिलती है।

कई जीव निर्भर हैं इस पर

वैज्ञानिकों ने यह साबित कर दिया है कि समुद्र में पाए जाने वाले 70 प्रतिशत जीव सी-ग्रास पर निर्भर रहते हैं। ये समुद्र की तलहटी से और अपने चारों ओर पानी से पोषक तत्व प्राप्त करते हैं। पोषक तत्वों (नाइट्रोजन और फॉस्फोरस) से भरपूर सी-ग्रास समुद्री कछुए, कलहंस, छोटी मछलियों, सी-क्यूकुबर, केकड़ों, स्टारफिश, अर्चिन, सी-हॉर्स जैसे जलीय जीवों का मुख्य आहार है। ये जीव एक दिन में करीब 2-5 किग्रा ग्रास खा सकते हैं। केकड़े, झींगा, ब्लू डॉल्फिन, सी-हॉर्स, लेजर्ड फिश जैसे जीवों के लिए तो सी-ग्रास बेड सुरक्षित और आदर्श घर साबित होते हैं। कई जलीय जीवों के लिए लंबी-लंबी सी-ग्रास नर्सरी का काम करती है। इनमें वे अपने बच्चों की देखभाल करते हैं और अपना जीवन बिता देते हैं। इनमें छिपकर वे आसानी से शिकारियों से अपना बचाव करते हैं।

अस्तित्व है खतरे में

हमारे पर्यावरण के लिए इतनी उपयोगी सी-ग्रास में पिछले कुछ दशकों से लगातार गिरावट आ रही है। पर्यावरण वैज्ञानिकों ने अपनी रिसर्च से साबित किया है कि विश्व स्तर पर हम एक फुटबॉल के मैदान के आकार जितनी सी-ग्रास हर रोज खो देते हैं। इनके गायब होने के पीछे तेजी से हो रहे विकास और पर्यावरण प्रदूषण से होने वाली ग्लोबल वार्मिंग प्रमुख कारण हैं।

ऋचा को पसंद आया मिर्जापुर 3 का ट्रेलर

अली फजल इन दिनों अपनी सीरीज मिर्जापुर 3 को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। सीरीज का ट्रेलर रिलीज हो गया और इस टर्राकों की अच्छी-खासी प्रतिक्रिया भी मिल रही है। इसी क्रम में अली फजल की पत्नी ऋचा चड्ढा ने भी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर सीरीज के ट्रेलर को साझा करते हुए अभिनेता के लुक की तारीफ की है। इसके साथ ही उन्होंने अली के बालों का भी मजाक बनाया है।

हाल ही में, ऋचा चड्ढा ने इंस्टाग्राम पर मिर्जापुर के तीसरे सीजन का ट्रेलर शेयर किया, जिसमें उनके पति अली फजल और अन्य स्टार कास्ट नजर आ रहे हैं। हीरामंडी अभिनेत्री ने मजाक करते हुए कहा कि उनका बच्चा उनकी शादी की तस्वीरों से लेकर नए लुक तक अली के बालों में अंतर समझ जाएगा। उन्होंने कैप्शन में लिखा, तो यह आज आ गया, है न, गुड्डू? कम से कम बच्चों को तो पता चलेगा कि शादी की तस्वीरों में डैडी के बाल छोटे क्यों थे, जबकि अब वे लंबे बाल रखते हैं! क्या मैं देख पाऊंगी? अपने पति अली की प्रशंसा करते हुए ऋचा ने कहा, आप इसमें बेहतरीन ही होंगे, चाहे कुछ भी हो। मैंने देखा कि आप कितनी मेहनत करते हैं अली। बता दें कि सीरीज के ट्रेलर में अली फजल का किरदार गुड्डू पंडित पूर्वांचल पर अपनी पकड़ बनाने की कोशिश करता है। ट्रेलर में श्वेता त्रिपाठी, विजय वर्मा, रसिका दुग्गल और अन्य की झलक भी है। एक सीन में गुड्डू को पंकज त्रिपाठी के किरदार की ओर इशारा करते हुए और कहते हुए जा सकता है, कालीन भैया गॉन, और गुड्डू पंडित ऑन।

कौन हैं सना सुल्तान? बिग बॉस ओटीटी 3 में कर रहीं एंट्री, ब्लॉगर के रूप में शुरू किया था करियर

चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी का तीसरा सीजन शुरू हो चुका है। इस बार इस शो में कई दिलचस्प चीजें हैं। सबसे बड़ा बदलाव तो इस शो के होस्ट हैं। इस बार अनिल कपूर बिग बॉस को होस्ट करते दिखेंगे। बिग बॉस ओटीटी 3 के जरिए अनिल कपूर भी बतौर होस्ट डेब्यू ही कर रहे हैं। बिग बॉस के घर की झलक भी सामने आ चुकी है। साथ ही प्रतिभागियों को लेकर भी जानकारियां आ रही हैं। इस बार अधिकांश सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर इस शो की रौनक बढ़ाएंगे। इनमें एक नाम सना सुल्तान का भी है। आइए जानते हैं उनके बारे में...

सामने आए एक प्रोमो में सना सुल्तान की झलक भी सामने आई है। इसके साथ यह पुष्टि हो गई है कि सना सुल्तान भी रियलिटी शो में इस बार धमाल मचाने वाली है। सना सुल्तान एक मॉडल और अभिनेत्री हैं। इसके अलावा वह मशहूर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बतौर ब्लॉगर की थी। सोशल मीडिया पर सना की तगड़ी फैन फॉलोइंग है। सना खान को क्रीन खान के नाम से भी जाना जाता है। ब्लॉगर के रूप में करियर शुरू करने के बाद सना ने वर्ष 2014 से 2015 तक डबस्मैश वीडियो बनाकर बतौर मॉडल शुरुआत की। उस दौरान ऐसी वीडियो का जबर्दस्त क्रेज था। जल्द ही सना छा गईं। इसके बाद उन्होंने टिकटॉक पर वीडियो बनाना शुरू किया। उनके वीडियो ट्रेंड होने लगे और उनके फॉलोअर्स की संख्या लगातार बढ़ती रही। इसके बाद सना खान ने मॉडलिंग शुरू की। वह कई विज्ञापनों में नजर आईं। 2019 में 'यूसी मिस क्रिकेट' का खिताब जीतने के बाद उन्हें बिलबोर्ड न्यूयॉर्क के टाइम स्क्वायर बिल्डिंग पर भी दिखाया गया था। सना को पंजाबी गायक और एक्टर शैरी मान के दिलवाले, काका के गुस्ताखी, बी प्राक के रूहेदारियां, जैजी बी और मिलिंद के गाबा की जोड़ी जैसे सुपरहिट म्यूजिक वीडियो के लिए भी जाना जाता है।

नो एंट्री 2 में एंट्री नहीं मिलने पर आया अनिल कपूर का जवाब

जब से नो एंट्री फिल्म के सीक्वल का एलान हुआ है, तब से इसे लेकर आए दिन कोई न कोई नई जानकारी सामने आ रही है। नो एंट्री साल 2005 में रिलीज हुई एक कॉमेडी फिल्म है। इसके दूसरे भाग में सभी मुख्य किरदारों को बदल दिया गया है। हाल ही में, फरदीन खान ने सीक्वल का हिस्सा न होने पर बातचीत की थी और अब अनिल कपूर ने भी इसी मामले पर कुछ बातें साझा की है।

घर की बात है, घर में रहने दो

एक हालिया साक्षात्कार में, अनिल कपूर से नो एंट्री के सीक्वल पर कुछ कहने के लिए कहा गया तो वो बोल पड़े कि घर की बात है, घर में रहने दो। उससे क्या चर्चा करनी चाहिए। दरअसल, नो एंट्री 2 का निर्माण बोनी कपूर कर रहे हैं, जो अनिल कपूर के भाई है। शायद इसी वजह से अनिल कह रहे थे कि पारिवारिक मुद्दों पर बात करने का कोई मतलब नहीं है। नो एंट्री 2 में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अर्जुन कपूर मुख्य भूमिका अदा करेंगे। फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी करेंगे। फिल्म के पहले भाग को भी उन्होंने ही डायरेक्ट किया था। चर्चा है कि फिल्म की शूटिंग दिसंबर में शुरू हो जाएगी। फिल्म के पहले भाग में सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान ने मुख्य किरदार निभाया था।

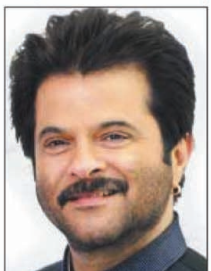

दीपिका पादुकोण को पीछे छोड़ इस मामले में आगे निकलीं आलिया भट्ट

आलिया भट्ट जल्द ही जिगरा फिल्म में नजर आएंगी, जो 11 अक्तूबर, 2024 को रिलीज होगी। इन दिनों आलिया अपनी फिल्मों के अलावा एक और मामले की वजह से सुर्खियां बटोर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आलिया भट्ट ने ब्रांड वैल्यू के मामले में अभिनेत्री दीपिका पादुकोण को पीछे छोड़ दिया है। अब आलिया भट्ट 101.1 मिलियन डॉलर के साथ पांचवें पायदान पर पहुंच गई हैं जबकि दीपिका पादुकोण 96 मिलियन डॉलर के साथ छठे स्थान पर हैं। आलिया भट्ट की पिछली फिल्म की बात करें तो वो रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आई थीं, जिसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार किया था।

मंगल लक्ष्मी मेरे करियर में नई पहचान दिलाएगा

लोकप्रिय टीवी सीरियल मंगल लक्ष्मी में एक्ट्रेस गायत्री सोहम नेगेटिव किरदार निभाती नजर आएंगी। वह अपने बेटे कार्तिक (शुभम दीक्षा) को लेकर बहुत ही पजेसिव है। उन्होंने बताया कि कैसे उनकी आवाज इस किरदार को निभाने में उनकी मदद करेगी। गायत्री ने कहा - कार्तिक की मां गायत्री निगम का किरदार निभाना मेरे लिए कलाकार के तौर पर शानदार एक्सपीरियंस रहा है। वह एक ऐसी मां है, जो अपने बेटे से प्यार और अटेंशन चाहती है। वह अपने बेटे को उसकी बीवी के साथ भी शेयर नहीं करना चाहती। अपनी किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी देते हुए उन्होंने कहा, गायत्री अपने बेटे कार्तिक को किसी भी कीमत पर खोना नहीं चाहती। इसी डर के चलते उसका व्यवहार अटपटा होता है। शादी के बाद बेटे का किसी दूसरी महिला के साथ करीब जाने का विचार उसे सताता है। इसके लिए वह कार्तिक और उसकी पत्नी लक्ष्मी के बीच मुश्किलें पैदा करती है, हालांकि यह गलत है। लेकिन उसका व्यवहार उसके मन में चल रहे उथल-पुथल को दिखाता है। गायत्री ने आगे कहा, यह किरदार इसलिए भी खास है क्योंकि मैंने अब तक पॉजिटिव किरदार निभाए हैं। यह किरदार मेरा पहला ग्रे किरदार है, और मेरी भारी आवाज इस किरदार को निभाने में मदद करेगी। मुझे उम्मीद है कि यह शो मुझे मेरे करियर में नई पहचान दिलाएगा।

तेलुगु फिल्म हीरो हीरोइन में डेब्यू कर रही हैं प्रियंका चाहर चौधरी

एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी आज टीवी और म्यूजिक इंडस्ट्री का बड़ा नाम बन चुकी हैं। वह अक्सर किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। इन दिनों वह दिव्या खोसला स्टारर तेलुगु फिल्म हीरो हीरोइन को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। वह इस फिल्म में अहम रोल निभाने वाली हैं। प्रियंका ने कहा कि मैं हीरो हीरोइन का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। फिल्ममेकर प्रेरणा अरोड़ा के साथ काम करना वाकई शानदार है। यह फिल्म सुनहरा अवसर है, और मैं ऐसे टैलेंटेड कलाकारों और वरू के साथ अपने किरदार को निभाने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। उन्होंने कहा कि फिल्म की कहानी दिल को छू लेने वाली है, और मैं दर्शकों के लिए कुछ खास लाने के लिए शुरू होने वाले सफर का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। इस फिल्म के जरिए प्रियंका तेलुगु इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हैं। प्रेरणा अरोड़ा द्वारा निर्मित, हीरो हीरोइन में परेश रावल और सोनी राजदान भी हैं। इसकी शूटिंग जुलाई में हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में शुरू होने वाली है। प्रियंका अपने वेब शो दस जून की रात की रिलीज के लिए भी तैयार हैं, इसमें उनके साथ तुषार कपूर भी हैं। शो का प्रीमियर जल्द ही होने वाला है। जयपुर में जन्मी प्रियंका ने 2018 में फिल्म लतीफ तू लादेन में चांदनी की भूमिका निभाई। इसके बाद 2019 में गठबंधन के साथ छोटे पर्दे की दुनिया में कदम रखा। वह क्राइम थ्रिलर फिल्म कैंडी टिवस्ट में भी नजर आई।

मुझे एक्टिंग के अलावा कुछ नहीं आता है, मेरे करियर का बेस्ट पार्ट आना अभी बाकी है

एक्टर और कॉमेडियन सुनील ग्रोवर हाल ही में फिल्म 'ब्लैक आउट' में नजर आए। इस फिल्म में उनका किरदार ग्रे शेड लिए हुए है। अपनी कॉमिक इमेज से हटकर इसमें उन्होंने अपना एक नया रूप दिखाया है। सुनील ने कहा, मुझे एक्टिंग के अलावा कुछ नहीं आता है। मेरे करियर का बेस्ट पार्ट आना अभी बाकी है। इसके अलावा उन्होंने अपनी फिल्म ब्लैक आउट के बारे में भी बात की।

ब्लैक आउट की स्क्रिप्ट आपको कैसे अप्रोच हुई थी?

मुझे नीरज कोठारी जी का फोन आया था। उन्होंने बताया कि इस फिल्म के जो राइटर हैं अब्बास और हुसैन दलाल वो आपको कुछ सुनाना चाहते हैं। फिर बाद में जब मैं उनसे मिलने पहुंचा तो डायरेक्टर देवांग भी वहां थे जिन्होंने अब्बास और हुसैन के साथ ये कहानी लिखी है। मैंने कहानी सुनी तो मुझे मजा आ गया। मुझे लगा ये फिल्म तो करनी चाहिए और फिर मैंने इसके लिए हामी भर दी। इस पूरी फिल्म में ही काफी सस्पेंस है। मेरे किरदार के साथ भी कुछ सस्पेंस जुड़े हुए हैं। जिन्होंने ये फिल्म अभी तक नहीं देखी है मैं चाहता हूं कि वह देखें। मैंने भी जब स्क्रिप्ट पढ़ने के दौरान वो सारे सस्पेंस पढ़े तो बड़ा अच्छा लगा। मुझे काफी फीडबैक भी मिले कि लोग मेरे किरदार को काफी पसंद कर रहे हैं।

आगे आपके पास क्या प्रोजेक्टस हैं?

एक वेब सीरीज भी है अगले महीने से उस पर भी काम शुरू होने वाला है। साथ ही एक फिल्म है जिसकी शूटिंग मैं जुलाई में शुरू करूंगा। फिलहाल नाम रिवील नहीं कर पाऊंगा।

कपिल शर्मा के शो से ब्रेक के दौरान कभी लगा नहीं कि 'चला लल्लन हीरो बनने...' को फिर शुरू करें?

मेरा मानना है कि हर चीज की एक उम्र होती है। एक दौर था जब मैं 'चला लल्लन हीरो बनने' शो कर रहा था। उस समय लोग उस शो को काफी पसंद भी करते थे। मैंने उसमें भी कई तरह के अवतार लिए थे। मैंने खुद भी वह शो काफी एंजॉय किया। ऑलमोस्ट मैंने दो साल तक वह शो किया था। उसके बाद मैंने एक अलग जर्नी शुरू की, अलग किरदार किए। अगर वही करता रहता तो उससे बाहर कैसे निकलता। हालांकि, उस शो को करने में बहुत मजा आया था। अलग-अलग किरदार करने में काफी मजा तो आता है।

आप इतने लंबे समय से इंडस्ट्री में क्या लगता है सही ड्यू मिला है आपको फिल्मों में?

मुझे लगता है कि मेरी उम्मीद से अधिक ड्यू मुझे मिला है। मेरा मानना है कि हर चीज की एक जर्नी होती है। अगर शुरुआत थोड़ा स्लो फेज भी रहा है तो टाइम भी लगा कुछ हासिल करने में। मैंने तो उस समय को भी एंजॉय किया जब काम नहीं था या कम था। मुझे अंदर से लगता था कि ये टाइम दोबारा नहीं मिलेगा तो मजा कर लो। फिर जब बिजी हो गया तो उस फेज का भी खूब आनंद लिया। अब मैं अपनी पसंद से काम करता हूं जो मुझे अच्छा लगता है। मैं खुद को बहुत लकी भी मानता हूं कि अच्छे लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। आगे मेरी तमन्ना है कि अलग-अलग तरह के किरदार करूं, अलग-अलग तरीके से करूं।

क्या लगता है कि वेब सीरीज में आपको ज्यादा तवज्जो मिल रही है?

वेब सीरीज में अच्छा स्क्रीन स्पेस तो मिला है। ऐसा भी नहीं है कि मुझे वेब स्पेस में कॉमिक इमेज से हटकर कुछ करना है। मैं अपनी कॉमिक इमेज से खुश हूं। वो तो मैं लकी हूं कि मुझे अलग-अलग तरह का काम करने का मौका मिल गया। उन डायरेक्टर्स का शुक्रगुजार हूं जिन्होंने मुझे अलग तरह से यूज किया। मुझे खुशी है इस बात की।

आपको पर्सनली कॉमिक एक्टर के टैग से कोई प्रॉब्लम तो नहीं?

यहां बात सिर्फ जॉनर की नहीं है। एक अच्छी स्क्रिप्ट होनी चाहिए। कोई भी जॉनर हो मैं करना चाहूंगा। मान लीजिए एक कॉमेडी स्क्रिप्ट है जिसकी कहानी बेहतरीन और दूसरी तरफ एक दूसरे जॉनर की स्क्रिप्ट जो एवरेज है तो मैं कॉमेडी ही करूंगा। जिसकी स्क्रिप्ट अच्छी हो, किरदार अच्छा हो वह करूंगा।

ऐसा क्या है इस फील्ड में जो अभी तक आपने एक्सप्लोर नहीं किया है?

मैंने तो जितना करना था उससे ज्यादा ही एक्सप्लोर किया है। मुझे एक्टिंग के अलावा और कुछ आता ही नहीं है। मैं और किसी फील्ड में हाथ नहीं आजमाता। मुझे सिर्फ एक्टिंग में ही आनंद आता है। मैं राइटिंग या डायरेक्शन या और किसी काम को कर ही नहीं सकता। मेरा इन चीजों में कोई अनुभव भी नहीं है और रुचि भी नहीं है। करिअर में बेस्ट धीरे-धीरे आना बाकी है।

संक्षिप्त समाचार

घरेलू हिंसा होने पर अमेरिकी सरकार को लोगों से बंदूक छीनने का अधिकार: सुप्रीम कोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि घरेलू हिंसा रोकने के लिए बनाए गए कानून के तहत लोगों को दिए गए हथियार छीने जा सकते हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उस कानून को बरकरार रखने का एलान किया, जिसके तहत घरेलू हिंसा का दोष साबित होने पर सरकार को दोषियों से बंदूक / हथियार छीनने का अधिकार हासिल है। 2008 में अमेरिका में पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने आत्मरक्षा के लिए घर में बंदूक या फायरिंग करने वाले हथियार रखने को व्यक्तिगत संवैधानिक अधिकार के रूप में मान्यता दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट का नया फैसला बंदूक अधिकारों के पक्ष में अदालत के प्रमुख फैसलों की एक निरंतर श्रृंखला से पीछे हटने के रूप में देखा जा रहा है।

आईईडी विस्फोट में पांच पाकिस्तानी सैनिकों की मौत

कुर्रम, एजेंसी। अफगानिस्तान की सीमा से लगे अशांत कुर्रम आदिवासी जिले में आईईडी विस्फोट होने से पांच पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई। पांचों सैनिकों की पहचान हवलदार अकील अहमद, लांस नायक मुहम्मद तफीर, सिपाही अनोश रूफ, सिपाही मुहम्मद आजम खान और सिपाही हारून विलियम के रूप में की गई है।

उ. कोरियाई सैनिकों की घुसपैठ पर द. कोरिया ने की फायरिंग

प्योंगयांग, एजेंसी। दक्षिण कोरियाई सेना ने शुक्रवार को कहा कि बीते दिन उत्तरी कोरिया के सैनिक एक बार फिर जमीनी सीमा की अस्थायी तौर पर पार कर उनकी सीमा में आ गए। इसके बाद सैनिकों ने चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं। इस महीने में तीसरी बार उत्तर कोरियाई सैनिकों ने जमीनी सीमा पार की है। उत्तर कोरिया के कई सैनिक सीमा के उत्तरी भाग में अज्ञात निर्माण कार्य में लगे हुए हैं।

पाकिस्तान में पर्यटक की पीट-पीटकर हत्या मामले में भीड़ पर एफआईआर

सियालकोट , एजेंसी। पाकिस्तानी पुलिस ने शुक्रवार को पर्यटक की पीट-पीटकर हत्या मामले में भीड के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पंजाब प्रांत के सियालकोट के 40 वर्षीय निवासी मुहम्मद इस्माइल को गुस्साई भीड़ ने बृहस्पतिवार को घसीटते हुए गोली मार दी थी। जिसके बाद इस्माइल को भीड़ ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात जिले की मद्यन तहसील में सार्वजनिक तौर पर फांसी पर लटका दिया था। इस्माइल पर इस्लाम की पवित्र किताब की बेअदबी करने का आरोप था। भीड़ को कंट्रोल करने में पांच पुलिसकर्मी और 11 स्थानीय लोग भी घायल हो गए थे।

अमेरिका में सार्वजनिक जगह पर फिर हुई गोलीबारी, दुकान में तीन लोगों की मौत, 10 घायल

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिका में अर्कांसस के फोर्डिस में सामूहिक गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई जबकि आठ अन्य लोग घायल हो गए। अमेरिकी की स्थानीय मीडिया ने जानकारी देते हुए बताया कि घायलों में एक कानून प्रवर्तन अधिकारी भी शामिल है, जिसे गंभीर चोटें आई है। यह गोलीबारी ग्रोसरी स्टोर के सामने की है। पुलिस के मुताबिक गोलीबारी करने वाला भी गंभीर रूप से घायल हो गया है और उसे हिरासत में ले लिया गया है। अर्कांसस की गवर्नर सारा हकाबी सैंडर्स ने कहा कि उन्हें फोर्डिस में हुई गोलीबारी के संबंध में जानकारी दी गई है और वह घटना स्थल पर पुलिस के साथ लगातार संपर्क में हैं। सैंडर्स ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा, 'मुझे फोर्डिस में हुई दुखद गोलीबारी के बारे में जानकारी दी गई है और मैं घटनास्थल पर राज्य पुलिस के साथ लगातार संपर्क में हूं। मैं जीवन बचाने के लिए त्वरित और वीरतापूर्ण कार्रवाई के लिए कानून प्रवर्तन और अन्य लोगों की आभारी हूं। मेरी प्रार्थनाएं पीड़ितों और इस भयावह घटना से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं।' सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले हफ्ते अमेरिका के मिशिगन में हुए हमले में दो बच्चों सहित आठ लोग गोली लगने से घायल हो गए थे।

कनाडा में रहने वाले हिंदुओं के लिए खतरा, भारतीय मूल के सांसद ने जताई आशंका

ओटावा , एजेंसी। जून 1985 में हुई कनिष्क विमान दुर्घटना की गुरुवार को कनाडा की संसद में चर्चा हुई। भारतीय मूल के सांसद चंद्र आर्य ने कहा कि उक्त विमान में रखा बम फटने से 329 लोग मारे गए थे। उस विस्फोट के लिए जो विचारधारा जिम्मेदार थी, उससे अभी भी कनाडा के कुछ लोग प्रभावित हैं।

सांसद आर्य ने कहा, खालिस्तान समर्थकों द्वारा भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या से संबंधित समारोह आयोजित करना हिंसा को महिमामंडित करने और घृणा को बढ़ावा देने वाला कृत्य है। इसके लिए जिम्मेदार ताकतें कनाडा में एक बार फिर से संगठित हो रही हैं। यह कनाडा में रहने वाले हिंदुओं के लिए चिंता की बात है।

हाल ही में हुई कई घटनाएं हिंदुओं की चिंता का कारण हैं। संसद में आर्य ने कहा, 23 जून को आतंकवाद के शिकार हुए लोगों की याद में राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। 39 वर्ष पूर्व एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या 182

में कनाडा में रहने वाले खालिस्तानी चरमपंथियों ने बम रख दिया था। यह विमान कनाडा के माट्रियल से उड़ान भरकर लंदन होते हुए नई दिल्ली जाना था।

23 जून, 1985 को हवा में उड़ते हुए विमान में विस्फोट हुआ और उसमें सवार सभी 329 लोग मारे गए। कनाडा के इतिहास में यह सबसे ज्यादा लोगों की सामूहिक हत्या है। लेकिन दुर्भाग्य से बहुत से कनाडावासी आज तक इस विस्फोट के लिए जिम्मेदार विचारधारा की असलियत को नहीं समझे हैं। जिस विचारधारा ने विमान में विस्फोट कराया था, वह विचारधारा आज भी कनाडा के कुछ लोगों में बनी हुई है।

कनाडा की कोर्ट ने दो खालिस्तानियों को दिया झटका, नो-फ्लाई लिस्ट से निकालने से किया इनकार

ओटावा। नो-फ्लाई सूची से खुद को हटाने का सपना देख रहे दो खालिस्तानियों को कनाडा की कोर्ट ने बड़ा झटका दिया है और उनकी याचिका खारिज कर दी है। खालिस्तानी भगत सिंह बराड़ और पर्वकर सिंह दुलाई के बारे में कोर्ट ने कहा कि वह हवाई यात्रा के लिए खतरा हो सकते हैं। कनाडा की एक अदालत ने देश की उड़ान-प्रतिबंधित सूची से बाहर किए जाने के दो सिख चरमपंथियों के प्रयास को यह कहते हुए नाकाम कर दिया कि यह संदेह करने के लिए पुख्ता आधार हैं कि वे आतंकवादी घटना को अंजाम देने के वास्ते परिवहन सुरक्षा या हवाई यात्रा के लिए खतरा होंगे। कनाडा की समाचार एजेंसी ने वैंकूवर से बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में संघीय अपीलीय अदालत द्वारा पिछले सप्ताह जारी आदेश के हवाले से कहा है कि अपीलीय अदालत ने भगत सिंह बराड़ और पर्वकर सिंह दुलाई की अपील खारिज कर दी है। इन दोनों का नाम कनाडा के सुरक्षित विमान यात्रा अधिनियम के तहत 'उड़ान प्रतिबंधित' सूची में शामिल किया गया था।

कोर्ट ने फैसले में कही ये बात

फैसले में कहा गया है कि यह अधिनियम सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री को लोगों को उड़ान भरने से प्रतिबंधित करने का अधिकार देता है, बशर्ते यह संदेह करने का उचित आधार हो कि वे परिवहन सुरक्षा को खतरा पहुंचाएंगे या आतंकवादी घटना को अंजाम देने के लिए हवाई यात्रा करेंगे।

दक्षिण कोरिया ने रूसी राजदूत को तलब कर रक्षा संधि पर जताया विरोध, कहा- राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा

सियोल , एजेंसी। उत्तर कोरिया से सीमा पर तनाव के बीच दक्षिण कोरिया ने रूस के राजदूत को तलब कर हालिया रक्षा समझौते पर विरोध दर्ज कराया है। कहा, इससे दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो सकता है। वहीं, रूस ने दक्षिण कोरिया द्वारा किसी तरह की धमकी या ब्लैकमेल को अस्वीकार्य बताया है।

दक्षिण कोरिया के उप विदेश मंत्री किम होंग क्युन ने सियोल स्थित रूसी राजदूत जार्जी जिनोवीव को तलब कर कहा कि उत्तर कोरिया और रूस के बीच रक्षा समझौते से न केवल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन हुआ है, बल्कि इससे दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरा है।

क्युन ने कहा कि दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष या परोक्ष सैन्य गठबंधन से दक्षिण कोरिया और रूस के संबंधों पर प्रभाव पड़ेगा। उधर, रूसी दूतावास ने एक्स पर लिखा कि रूसी राजदूत जार्जी जिनोवीव ने कोरियाई अधिकारी से कहा कि दो देशों के बीच समझौते में तीसरे देश को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

वहीं, दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि जिनोवीव ने वादा किया है वह दक्षिण कोरिया की चिंता को अपने उच्च अधिकारियों तक पहुंचा देंगे। उल्लेखनीय है कि संधि के तहत रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई शासक किम जोंग उन ने एक दूसरे पर आक्रमण के समय तुरंत सैन्य मदद करने का संकल्प लिया है।

जलवायु परिवर्तन की वजह से सऊदी अरब में पड़ रही जानलेवा गर्मी

दुबई , एजेंसी। जलवायु विज्ञानियों और शोधकर्ताओं के एक स्वतंत्र समूह ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन ने सऊदी अरब में गर्मी को और बढ़ा दिया है। इसके चलते वहां का तापमान 2.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है।

शोधकर्ताओं ने कहा कि प्रकृति की परिवर्तनशीलता ने संभवत छोटी भूमिका निभाई है। पिछले कुछ सप्ताह से पूर्वी भूमध्य सागर और पश्चिम एशिया के बड़े हिस्से को अत्यधिक तापमान का सामना करना पड़ा है।

मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि शुक्रवार को शुरू हुई वार्षिक हज यात्रा के दौरान कम-से-कम 550 जायरीनों की मौत हो गई। मक्का की मस्जिद के आसपास तापमान 51.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। रिपोर्टों के अनुसार, मृतकों में 323 मिस्र, 98 भारत, 60 जार्डन और पांच ईरान के नागरिक शामिल हैं।

यूरोपीय संघ की फंडिंग से चल रहे क्लाइमामीटर के विश्लेषकों ने इसे बहुत ही असामान्य घटना बताया। उन्होंने कहा, हम सऊदी अरब में प्रचंड गर्मी के लिए मानव जनित जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार मानते हैं। इसमें प्राकृतिक परिवर्तनशीलता की भूमिका मामूली हो सकती है।

नैंसी पेलोसी के पति पर हथौड़े से वार करने वाले को कोर्ट ने माना दोषी, घर में घुसकर किया था हमला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद की पूर्व स्पीकर नैंसी पेलोसी के अपहरण का प्रयास करने और उनके पति पॉल पेलोसी पर हथौड़े से हमला करने से जुड़े सभी आरोपों में 44 वर्षीय डेविड डेपेप को दोषी पाया गया।

अमेरिका की राज्य जूरी ने डेपेप को ट्रायल के दौरान इन मामलों में दोषी पाया है: गंभीर अपहरण के परिणामस्वरूप शारीरिक नुकसान या मृत्यु, किसी बुजुर्ग या अक्षित वयस्क को गलत कारावास, सरकारी अधिकारियों के परिवार को धमकी देना, घर से चोरी करना, किसी गवाह को धमकी देकर रोकना

अदालत के अधिकारियों ने बताया कि जूरी सभी पांच मामलों में सर्वसम्मति से फैसले पर पहुंची। जूरी ने मंगलवार दोपहर सैन फ्रांसिस्को में इस मामले में विचार-विमर्श शुरू किया। हालांकि, जूनटीन्थ की छुट्टी के कारण बुधवार को अदालत बंद थी, इसलिए शुक्रवार दोपहर को फैसला सुनाया गया।

सैन फ्रांसिस्को के पब्लिक डिफेंडर एडम लिप्सन ने अपने अंतिम तर्क में कहा कि डेपेप एकांत जीवन जी रहे थे और वह प्रचार और षड्यंत्र के सिद्धांतों के जाल में फंस गए थे। इसी के चलते 28 अक्तूबर 2022 में नैंसी पेलोसी के घर में घुस गए।

पॉल की बहादुरी आई काम

वहीं, नैंसी पेलोसी के प्रवक्ता आरोन बेनेट ने बताया कि स्पीकर पेलोसी और उनका परिवार पॉल पेलोसी की बहादुरी से हैरान हैं, जो इस मुकदमे में गवाह के तौर पर फिर से सामने आए। ठीक वैसे ही जैसे हमले की रात उन्होंने अपनी जान बचाई थी। बेनेट ने आगे कहा कि पॉल ने हर दिन अपने स्वास्थ्य को लेकर साहस और धैर्य का परिचय दिया है। हालांकि इस मामले में फिलहाल नैंसी और उनका पूरा परिवार कुछ नहीं कहना चाहता।

30 साल की सुनाई गई थी सजा

इससे पहले, नैंसी पेलोसी के अपहरण का प्रयास करने और उनके पति पर हथौड़े से हमला करने के दोषी व्यक्ति को 30 साल की सजा सुनाई गई थी। न्यायाधीश जैकलीन स्कॉट कॉर्नी ने 44 वर्षीय डेविड डेपेप को सजा सुनाई थी, जिसे जूरी सदस्यों ने पिछले नवंबर में एक संघीय अधिकारी के अपहरण के प्रयास और एक संघीय अधिकारी के परिवार के सदस्य पर हमले का दोषी पाया था। अभियोजकों ने डेविड को 40 साल की सजा की मांग की थी। डेपेप ने 28 अक्टूबर 2022 को वारदात को अंजाम दिया था।

हथौड़े से किया था हमला

नैंसी पेलोसी के पति पॉल पेलोसी पर हमला उनके सैन फ्रांसिस्को वाले घर में हुआ था। हमलावर ने हथौड़े से पॉल के सिर पर वार कर दिया था। घटना सीटीटीवी और पुलिस के बॉडीकेम में कैद हो गई थी। इसके बाद 82 साल के पॉल को अस्पताल ले जाया गया था। उनके सिर और हाथ में गंभीर चोट आई थी, जिसके चलते उनका स्कल फैक्चर हो गया था।

मध्य अमेरिका में अल्बर्टो तूफान का कहर जारी, मूसलाधार बारिश से 30 लोगों की मौत

मैक्सिको, एजेंसी। मध्य अमेरिका में अल्बर्टो तूफान ने तबाही मचाई हुई है। लगातार भारी बारिश से नदियां ऊफान पर हैं और भूस्खलन हो रहा है। नदियों में बाढ़ आने से लोगों के घर नष्ट हो गए हैं। वहीं, भारी बारिश और बाढ़ के चलते 30 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने भविष्यवाणी की है कि दक्षिणी मेक्सिको और उत्तरी मध्य अमेरिका में शुक्रवार तक भारी बारिश जारी रहेगी, जिससे सप्ताहांत में कोस्टा रिका और पनामा तक दक्षिण में तूफान और बारिश होगी।

अल साल्वाडोर की नागरिक सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख लुइस अमाया ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता की। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, भौतिक वस्तुएं आती और जाती रहती हैं। अब हमें लोगों के जीवन की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने बताया कि साल्वाडोर में भारी बारिश और बाढ़ से मरने वालों की संख्या अब 19 हो गई है, जिनमें छह बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, 3,000 से अधिक लोग अस्थायी आश्रयों में हैं।

ग्वाटेमाला में बाढ़ से गई 10 लोगों की जान: दूसरी तरफ ग्वाटेमाला में 10 लोगों की मौत की सूचना है। अधिकारियों का कहना है कि लगभग 11,000 लोगों बाढ़ से निकाला गया है। 380 लोग अभी भी अस्थायी आश्रयों में हैं। चार पुल नष्ट हो गए हैं। वहीं, पड़ोसी होंडुरास में 1 मौत की सूचना मिली है। पिछले 24 घंटों में 1,200 से अधिक लोगों को निकाला गया है। कहा कि बारिश ने 180 समुदायों को काट दिया है और 22 घर नष्ट हो गए हैं।

बच्चों के अस्पताल से निकाले 80 लोग: जानकारी के अनुसार, भारी बारिश के कारण बृहस्पतिवार को ओकसाका राज्य में बाढ़ की स्थिति बन गई। अधिकारियों ने स्थिति को भांपते हुए बच्चों के अस्पताल से लगभग 80 लोगों को निकाल लिया। वहीं, मेक्सिको के कोनगुआ जल प्रधिकरण ने खाड़ी और कैरेबियाई तटों के आसपास 70 किलोमीटर प्रति घंटे (44 मील प्रति घंटे) की रफ्तार से हवाएं चलने और 3 मीटर (10 फीट) तक ऊंची लहरें उठने की चेतावनी दी है।

अल्बर्टो तूफान ने उत्तर-पूर्व मैक्सिको में ली चार लोगों की जान: यूएस राष्ट्रीय तूफान केंद्र के अनुसार, कम दबाव वाले चैनलों के कारण देश के अधिकांश हिस्सों में बारिश हुई है। उत्तरी प्रशांत में समुद्री हवा में आने वाली मानसून ट्रफ अल्बर्टो के अवशेषों से प्रेरित है। अटलांटिक तूफान सीजन का पहला नामित उष्णकटिबंधीय तूफान है। इस सप्ताह उत्तर-पूर्व मैक्सिको के ऊपर से गुजरते हुए अल्बर्टो ने कम से कम चार लोगों की जान ली है।

रफाह-गाजा में भीषण लड़ाई जारी, पीछे हटने को तैयार नहीं इजरायल

बमबारी में 45 फलस्तीनियों की मौत

यरुशलम , एजेंसी। रफाह और गाजा के अन्य इलाकों में इजरायली बमबारी में शुक्रवार को 45 फलस्तीनी मारे गए। इजरायली सेना ने कहा है कि कई स्थानों पर उसकी फलस्तीनी आतंकियों से लड़ाई चल रही है। इजरायली सेना करीब डेढ़ महीने से मिस्र की सीमा के नजदीक बसे रफाह शहर में लड़ रही है लेकिन उस पर पूरी तरह से कब्जा कर पाने में विफल रही है।

रफाह में अभी भी गाजा के अन्य शहरों से आए एक लाख से ज्यादा बेघर फलस्तीनी शरण लिए हुए हैं जबकि मई की शुरुआत में शरणार्थियों की संख्या 14 लाख थी। इजरायली हमलों से बचने के लिए करीब 13 लाख भागकर गाजा के अन्य हिस्सों में चले गए हैं।

रफाह के निवासियों के अनुसार इजरायली टैंक शहर की पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं से गोलाबारी कर रहे हैं। जबकि रह-रहकर लड़ाकू विमानों से बमबारी हो रही है और समुद्र में लंगर डाले युद्धपोत राकेट और मिसाइल दाग रहे हैं। शुक्रवार को रफाह के पश्चिमी हिस्से में स्थित मवासी इलाके में गोलाबारी में 12 फलस्तीनी शरणार्थी मारे गए।

इजरायली टैंक का गोला इन शरणार्थियों के टेंट पर आकर गिरा था। रफाह के लोगों का कहना है कि बीते दो दिनों में इजरायली कार्रवाई में तेजी आई है, इससे उसका प्रतिरोध भी बढ़ा है। हमास के अनुसार उसके लड़ाकों ने गुरुवार को दो इजरायली टैंकों को निशाना बनाकर उन्हें बर्बाद किया है।

पूरा शहर इजरायली सैन्य कार्रवाई की चपेट में

रफाह के मेयर अहमद अल-सौफी कहते हैं कि पूरा शहर इजरायली सैन्य कार्रवाई की चपेट में है। यहां रहने वाले आमजनों की इजरायली सेना को बिल्कुल भी चिंता नहीं है। इसलिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में आमजन मारे जा रहे हैं। घायलों के इलाज की अब कोई सुविधा नहीं बची है। गाजा के मध्य में स्थित नुसीरत में भी इजरायली सेना की कार्रवाई में बड़ी संख्या में लोग मारे गए हैं। सेना के सूत्रों ने बताया है कि मारे गए ज्यादातर लोग फलस्तीनी आतंकी थे और क्षेत्र में स्थित हथियारों के गोदाम की जानकारी मिलने पर कार्रवाई की गई, उसी दौरान वहां पर आतंकी मारे गए।

इटली के पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी रोबर्टो बैजियो के घर पर डकैती, बंदूक की बट से किया हमला

रोम , एजेंसी। इटली के पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी रोबर्टो बैजियो के साथ यूरो कप में स्पेन और इटली के मैच के दौरान घर में घुसकर लूटपाट की गई। हथियार लिए पांच डकैत विसेंजो में रात 10 बजे के आसपास उनके विला में घुस गए।

बंदूक की बट से किया हमला: पूर्व खिलाड़ी ने जब उनका विरोध किया तो एक ने उनके सिर पर बंदूक की बट से प्रहार कर दिया। डकैतों ने 57 वर्षीय बैजियो को उनके परिवार के साथ एक कमरे में बंद कर जेवरात, घड़ियां और नकद चुरा लिए। उनके जाने के बाद बैजियो ने दरवाजा तोड़कर पुलिस को बुलाया। पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया जहां उनकी चोट का उपचार किया गया।

संक्षिप्त समाचार

एंडी मरे पीठ की चोट से निपटने के लिए लेंगे सर्जरी का सहारा

लंदन (एजेंसी)। पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे विंबलडन या पेरिस ओलंपिक में खेलने की कोशिश के बारे में कोई फैसला लेने से पहले पीठ की चोट से निपटने के लिए शनिवार को सर्जरी करवाएंगे। 37 साल के मरे ने पीठ दर्द के कारण बुधवार को क्वींस क्लब में अपने दूसरे दौर के मैच को बीच में ही छोड़ दिया था, तब वह जॉर्डन थॉम्पसन से 1-4 से पीछे चल रहे थे। ब्रिटेन के इस खिलाड़ी ने मुकाबले के शुरू होने से पहले ही अपने दाहिने पैर में परेशानी की शिकायत की थी। मरे पिछले कई साल से लगातार अलग-अलग चोट का सामना कर रहे हैं। दो बार के विम्बलडन विजेता मरे ने इस साल के अंत में संन्यास लेने का संकेत दिया है। उनकी प्रबंधन टीम ने पुष्टि की कि शनिवार को उनकी सर्जरी की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इस बारे में कोई अन्य जानकारी नहीं दी गई। ऑल इंग्लैंड क्लब (विम्बलडन) में पहले दौर का खेल एक जुलाई से शुरू होगा।

भारतीय महिला कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने विश्व कप में लगाई स्वर्ण पदकों की हैट्रिक

अंताल्या (तुर्की) (एजेंसी)। भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की कम्पाउंड महिला टीम ने इस सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां तीसरे चरण में एस्टोनिया पर जीत से विश्व कप में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई। शीर्ष वरीयता प्राप्त इस तिकड़ी ने यहां एकतरफा फाइनल में एस्टोनिया की लिसेल जाटमा, मीरी मैरिटा पास और मैरिस टेट्समैन को 232-229 से हराया। भारत की महिला कम्पाउंड टीम ने अप्रैल में शंघाई और और मई में येचियोन में क्रमशः विश्व कप के पहले चरण और दूसरे चरण के स्वर्ण पदक जीते थे।

इस तरह टीम इस सत्र में अपराजेय रही है। भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाज प्रियांश भी दिन में कांस्य पदक का मुकाबला खेलेंगे। रिकर्व वर्ग में अंकिता भकत और धीरज बोम्मादेवरा भी दो पदकों की दौड़ में हैं क्योंकि दोनों व्यक्तिगत सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं।

टी- 20 वर्ल्ड कप

अमेरिका के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगा इंग्लैंड

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। गत चैंपियन इंग्लैंड को टी20 विश्व कप में अगर अपनी उम्मीदें जीवंत रखनी हैं तो उसे अमेरिका के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले सुपर आठ के अपने अंतिम मैच में बड़ी जीत दर्ज करनी होगी और ऐसे में उसके 'पावर हिटर्स' की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। इंग्लैंड के बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में 164 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी नहीं कर पाए और इस मैच में हार के कारण उसका नेट रन रेट भी गड़बड़ा गया।

वेस्टइंडीज की अमेरिका के खिलाफ बड़ी जीत से इस ग्रुप में सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ रोमांचक हो गई है। ऐसी परिस्थितियों में इंग्लैंड को अपने नेट रन रेट में सुधार करने के लिए अमेरिका पर बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप दो में अपने दोनों मैच जीते हैं और वह अभी शीर्ष पर काबिज है लेकिन वेस्टइंडीज और इंग्लैंड की जीत से समीकरण बदल सकते हैं। तीनों टीम में अभी वेस्टइंडीज का नेट रन रेट बेहतर है।

अभी किसी भी टीम ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की नहीं की है और इंग्लैंड को अंतिम चार में जगह बनाने की होड़ में बने रहने के लिए अमेरिका के खिलाफ कम से कम 10 रन या एक ओवर शेष रहते हुए जीत हासिल करनी होगी। अगर इंग्लैंड ऐसा करने में सफल हो जाएगा तो दक्षिण अफ्रीका की मुश्किल बढ़ जाएगी क्योंकि वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां तक कि सुपर ओवर में हारने पर भी वह बाहर हो जाएगा। यदि दक्षिण अफ्रीका जीत दर्ज करने में सफल रहता है और इंग्लैंड की टीम अमेरिका से हार जाती है तो फिर वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और अमेरिका में से जिसका नेट रन रेट बेहतर होगा वह ग्रुप से दूसरे स्थान पर रहकर सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा।

इंग्लैंड को अगर अपना नेट रन रेट सुधारना है तो उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उसके बल्लेबाजों ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वह इसे नहीं दोहरा पाए। फिल साल्ट शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने अपने पिछले 10 टी20 मैचों में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया है लेकिन पिछले मैच में उनके जल्दी आउट होने से इंग्लैंड को धमाकेदार शुरुआत नहीं मिल पाई।

कप्तान जोस बटलर और जॉनी बेयरस्टो बड़े शॉट नहीं लगा सके। हैरी ब्रूक (53) और लियाम लिविंगस्टोन (33) ने मोर्चा संभाला लेकिन इंग्लैंड आँतम तीन ओवर में 25 रन नहीं बन पाया। इसके बावजूद अमेरिका के गेंदबाजों के लिए इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना मुश्किल होगा। अमेरिका को अपने पिछले दोनों मैच में हार का सामना करना पड़ा और अगर वह सेमीफाइनल में जगह बनाता है तो यह किसी चमत्कार से कम नहीं होगा।

टीम इस प्रकार हैं

इंग्लैंड - जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, सैम करन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक्स, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपले और मार्क वुड।

अमेरिका - मोनंक पटेल (कप्तान), आरोन जोन्स, एंड्रीज गौस, कोरी एंडरसन, अली खान, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, मिलिंद कुमार, निसर्ग पटेल, नितीश कुमार, नोशतुश केंजीगे, सौरभ नेत्रलवकर, शैडली वैन शल्कविक, स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर। रिजर्व खिलाड़ी- गजानंद सिंह, जुआनॉय ड्रिब्डेल, यासिर मोहम्मद।

समय - रात 8 बजे।

बाबर आजम कर सकते हैं पूर्व खिलाड़ियों और यूट्यूबर्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई

इस्लामाबाद (पाकिस्तान) (एजेंसी)। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम उन यूट्यूबर्स और पूर्व क्रिकेटरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं जिन्होंने टी20 विश्व कप में उनके अभियान के दौरान उन पर 'दुर्व्यवहार' का आरोप लगाया था। बाबर और पाकिस्तान की टीम को विश्व कप अभियान के कारण पूर्व खिलाड़ियों और प्रशंसकों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि पाकिस्तान के अभियान के दौरान बाबर को 'निशाना' बनाने के लिए सोशल मीडिया अभियान चलाया गया, जिससे वह 'निराश' महसूस कर रहे थे।

यह भी बताया गया कि यूट्यूबर्स और पूर्व क्रिकेटरों द्वारा दिए गए बयानों से संबंधित साक्ष्य पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के कानूनी विभाग द्वारा एकत्र किए जा रहे हैं। कुछ खिलाड़ी और अधिकारी बुधवार की सुबह एक निजी एयरलाइन की उड़ान से लाहौर के अल्लामा इकबाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। वापस लौटने वाले खिलाड़ियों में नसीम शाह, उस्मान खान और वरिष्ठ प्रबंधक वहाब रियाज शामिल थे। लेकिन, 15 सदस्यीय टीम के कुछ खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने प्रवास को बढ़ाने का फैसला किया। बाबर, इमाद वसीम, हारिस रऊफ, शादाब खान और आजम खान के साथ शनिवार को रवाना होने की उम्मीद है। प्रतियोगिता के पिछले संस्करण में इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में खेलने के बाद पाकिस्तान ग्रुप चरण में चल रहे विश्व कप से बाहर हो गया। पाकिस्तान ने रविवार को फ्लोरिडा में आयरलैंड पर तीन विकेट की जीत के साथ अपने अभियान का अंत किया जो ग्रुप ए से भारत और यूएसए के सुपर 8 चरण में हार गया था और सुपर 8 में स्थान सुरक्षित करने के लिए पर्याप्त नहीं था। पाकिस्तान की अगली व्हाइट-बॉल सीरीज नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगी। मेन इन ग्रीन तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में भाग लेंगे, जिसकी शुरुआत 4 नवंबर से होगी।

आज टी-20 वर्ल्ड कप में सुपर आठ मुकाबले में अफगानिस्तान के सामने ऑस्ट्रेलिया की कड़ी चुनौती

किंग्सटाउन (एजेंसी)। भारत से हारने के बाद अफगानिस्तान को रविवार को यहां टी20 विश्व कप सुपर आठ ग्रुप एक के अपने दूसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। सुपर आठ के अपने पहले मुकाबले में भारत से 47 रन से हारने वाली अफगानिस्तान की टीम काफी दबाव में होगी, उस पर जीत ही नहीं बल्कि नेट रन रेट सुधारने का दबाव भी होगा।

अफगानिस्तान -2.350 के नेट रन रेट के साथ तीसरे स्थान पर है और उसके लिए इसे बेहतर करना और साथ ही ग्रुप की अंक तालिका में ऊपर की ओर बढ़ना मुश्किल काम होगा जिसमें बांग्लादेश भी शामिल है। अफगानिस्तान के लिए बल्लेबाजी में रहमानुल्लाह गुरबाज (178 रन) और इब्राहिम जदरान (160) अहम खिलाड़ी हैं लेकिन उन्हें मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाजों से सहयोग की जरूरत है।

फजलहक फारूकी (15 विकेट) और राशिद खान (9) दोनों ने अमेरिकी पिचों पर बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें खड़ी की हैं जिससे दोनों फॉर्म में चल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर लगाम कसने में महत्वपूर्ण होंगे। अफगानिस्तान ने ग्रुप चरण में हरफनमौला कौशल का प्रदर्शन किया जिसकी बदौलत वह वेस्टइंडीज के बाद दूसरे स्थान पर रहने में सफल रहा। लेकिन 2021 की विजेता ऑस्ट्रेलिया को रोकने के लिए उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा जो लगातार पांच जीत दर्ज कर चुकी है।

ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम की बात की जाए तो डेविड वार्नर (169 रन) और ट्रेविस हेड (179) की विस्फोटक सलामी जोड़ी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाने में माहिर लेकिन राशिद और फारूकी अपनी गेंदबाजी से प्रभाव डाल सकते हैं। दोनों टीमें पिछली बार 2023 वनडे विश्व कप में एक दूसरे के आमने सामने हुई थीं। मुंबई में ग्लेन मैक्सवेल ने शानदार दोहरा शतक जड़ा था जबकि पैट कमिंस ने दूसरे छोर पर उन्हें मजबूत सहयोग दिया था।

अफगानिस्तान निश्चित रूप से उस हार का बदला लेना चाहेगा, भले ही प्रारूप अलग हो क्योंकि वे इस प्रारूप में सहज महसूस करते हैं। साथ ही उनके पास बेहतर प्रदर्शन करने के लिए कौशल और मानसिकता है। पर देखना होगा कि राशिद की टीम अपनी योजनाओं को अच्छी तरह आजमा पाती है या नहीं। दक्षिण अफ्रीका की तरह मिचेल मार्श की आस्ट्रेलियाई टीम भी अपने विस्फोटक बल्लेबाजों की बदौलत टूर्नामेंट की मजबूत टीम में से एक है। हालांकि उसके लिए मैक्सवेल की फॉर्म चिंता बनी हुई है। लेकिन उसके पास टिम डेविड के रूप में शानदार खिलाड़ी मौजूद है जो बेहतरीन ऑलराउंडर है।

मध्य और निचले क्रम में मार्कस स्टोइनिस की मौजूदगी टीम की बल्लेबाजी को और मजबूत बनाती है जिनकी मौजूदा फॉर्म (तीन मैच में 156 रन) शानदार है। स्कॉटलैंड के खिलाफ पिछले मैच में पैट कमिंस की हैट्रिक के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई टीम को अपने क्षेत्ररक्षण में सुधार करने की जरूरत होगी क्योंकि स्कॉटलैंड के खिलाफ उन्होंने कुल छह कैच टपकाए जिसमें से अकेले मार्श ने तीन कैच छोड़े। एडम जम्पा (11) इस विश्व कप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। यह लेग स्पिनर तीन तेज गेंदबाजों के बाद टीम के लिए अहम गेंदबाज हैं।

टीम इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया - मिचेल मार्श (कप्तान), एस्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड (विकेटकीपर), डेविड वार्नर और एडम जम्पा।

अफगानिस्तान - राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जदरान, अजमतुल्लाह उमरजई, नजीबुल्लाह जदरान, मोहम्मद इशाक, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, करीम जनत, नांग्याल खरोटी, हजरतुल्लाह जजई, नूर अहमद, नवीन उल हक, फजलहक फारूकी, फरीद अहमद मलिक।

समय - सुबह 6 बजे।

टी20 विश्व कप

वेस्टइंडीज बनाम अमेरिका मैच में छक्कों की बारिश, टूटा बड़ा रिकॉर्ड

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने मौजूदा टी20 विश्व कप के सुपर 8 में सह-मेजबान यूएसए पर 8 विकेट से धमाकेदार जीत दर्ज की, जिसके बाद बड़ा रिकॉर्ड ध्वस्त हो गया। दोनों टीमों ने मैच के दौरान कुल 14 छक्के लगाए। इससे टी20 विश्व कप 2024 में कुल छक्कों की संख्या 412 हो गई। यह टूर्नामेंट के एक संस्करण में लगाए गए सबसे अधिक छक्के हैं जो 2021 में 405 से अधिक हैं।

निकोलस पूरन ने 14 में से तीन छक्के लगाए और अपने व्यक्तिगत छक्कों के स्कोर को 17 तक पहुंचाया, जो टी20 विश्व कप संस्करण में किसी खिलाड़ी द्वारा लगाए गए सबसे अधिक छक्के हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के दिग्गज सलामी बल्लेबाज क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 2012 में 16 छक्के लगाए थे।

बल्लेबाजी के अनुकूल सतह पर, वेस्टइंडीज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए यूएसए को 128 रनों पर रोक दिया। रोस्टन चेस ने यूएसए के बल्लेबाजों को चकमा देते हुए अपने शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरीं। चेस ने रन रेट को नियंत्रित रखा और 3/19 के आंकड़े दर्ज किए। आंद्रे रसेल ने अपनी विविधताओं से चेस का साथ दिया और 3/31 के आंकड़े हासिल किए।

स्टार ऑलराउंडर अब टी20 विश्व कप में कैरेबियाई टीम के लिए सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो की बराबरी पर है। दोनों ऑलराउंडरों ने इस शानदार ड्वेंट में 27 विकेट लिए हैं। शानदार ड्वेंट के मैचजानों के बीच मुकाबले में वेस्टइंडीज ने यूएसए को हैरान कर दिया। शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन ने यूएसए को 128 रनों पर रोक दिया। चोटिल बैंडन किंग की जगह आए शाई होप ने पावरप्ले में धमाकेदार प्रदर्शन किया। ब्रिजटाउन में होप के बाहे से बाउंड्री की बारिश होने लगी।

जॉनसन चार्ल्स ने दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी की और हर मौके पर स्ट्राइक रोटेट की। होप की पारी का सबसे बेहतरीन पल छक्कों की हैट्रिक थी उन्होंने 9वें ओवर में मिलिंद कुमार की गेंद पर स्टेडियम के चारों ओर शॉट्स लगाए। होप ने पावरप्ले के तुरंत बाद गेंद को स्टैंड में पहुंचाकर 26 गेंदों में अर्धशतक जड़ा। उन्होंने मैच का अंत एक शानदार छक्के के साथ किया और विंडीज को 9 ओवर से अधिक समय रहते 9 विकेट से जीत दिलाई। होप ने 39 गेंदों पर 82* रन बनाकर मैच का अंत किया।

ऋषभ पंत की गिलक्रिस्ट से तुलना अभी जल्दबाजी, स्मिथ बोले- तय करना होगा लंबा रास्ता

ग्रॉस आइलेट (सेंट लूसिया) (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर इयान स्मिथ का मानना है कि ऋषभ पंत की एडम गिलक्रिस्ट के साथ तुलना करना अभी जल्दबाजी होगी लेकिन उन्होंने कहा कि अगर भारत का विकेटकीपर बल्लेबाज अपनी वर्तमान फॉर्म को जारी रखता है तो वह ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी के करीब पहुंच सकता है।

स्मिथ स्वयं भी विकेटकीपर बल्लेबाज रहे हैं और पंत ने कार दुर्घटना से उबरने के बाद जिस तरह से वापसी की है उससे काफी प्रभावित हैं। पंत ने इंडियन प्रीमियर लीग में अच्छा प्रदर्शन किया और टी20 विश्व कप में भी वह विकेट के आगे और विकेट के पीछे अपनी भूमिकाओं को अच्छी तरह से निभा रहे हैं। पंत को वर्तमान समय में विश्व क्रिकेट के सबसे प्रतिभाशाली क्रिकेटरों में गिना जाता है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट शतक लगाए हैं लेकिन गिलक्रिस्ट की बराबरी पर पहुंचने के लिए उन्हें अभी लंबा रास्ता तय करना होगा जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 15000 से अधिक रन बनाने के साथ 800 से अधिक कैच लिए हैं।

टी20 विश्व कप में कमेंटेटर की भूमिका निभा रहे स्मिथ ने कहा, 'ऋषभ पंत ने दुर्घटना के बाद दमदार वापसी की है और वह बेहतरीन फॉर्म में दिख रहा है। वह बेहद कुशल खिलाड़ी है। वह आक्रामक है, वह

खतरनाक खिलाड़ी है। गिलक्रिस्ट की तरह पंत ने भी दिखा दिया है कि वह प्रत्येक प्रारूप में किसी भी क्रम में बल्लेबाजी कर सकते हैं। टी20 विश्व कप में उन्हें तीसरे नंबर पर भेजा जा रहा है और उन्होंने अभी तक इस फैसले को सही साबित किया है।

स्मिथ ने कहा, 'वह किसी भी खिलाड़ी का अच्छी तरह से साथ निभा सकते हैं फिर चाहे वह विराट कोहली हो या रोहित शर्मा। इसलिए उन्हें तीसरे नंबर पर उतारने का फैसला सही है क्योंकि मेरा मानना है कि सीमित ओवरों की क्रिकेट में आपके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को अधिक गेंदों का सामना करने का मौका मिलना चाहिए। यही वजह है जिससे कि वह विशेष बन जाता है।

उन्होंने कहा, 'वह पहली गेंद को ही हिट कर सकता है और उसे सीमा रेखा के पास पहुंचा सकता है। उसके पास रन बनाने के अन्य विकल्प भी हैं। उसने केएल राहुल जैसे अच्छे खिलाड़ी की जगह ली है। केएल राहुल विश्व स्तरीय क्रिकेटर है और उसकी जगह लेना काफी मायने रखता है। इस 26 वर्षीय क्रिकेटर की गिलक्रिस्ट से तुलना करने के लिए हालांकि अभी इंतजार करना होगा। स्मिथ ने कहा, 'गिलक्रिस्ट की बराबरी पर पहुंचने के लिए उसे अभी काफी रास्ता तय करना होगा। दोनों एक तरह के ही क्रिकेटर हैं जो टेस्ट क्रिकेट में निचले क्रम और सीमित ओवरों की क्रिकेट में ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी कर सकते हैं। इसलिए उसमें और गिलक्रिस्ट में समानता है। अगर वह आगे कुछ वर्षों तक इसी तरह से खेलता रहा तब लोग करेंगे कि गिलक्रिस्ट और पंत एक दूसरे के काफी करीब हैं।

सानिया मिर्जा और मोहम्मद शमी कर रहे शादी? टेनिस आइकन के पिता ने अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी, कहा यह सब बकवास है

मुंबई (एजेंसी)। सानिया मिर्जा और मोहम्मद शमी देश के दो सबसे सफल खिलाड़ियों में से हैं। सानिया भारत की सबसे महान महिला टेनिस खिलाड़ी हैं जबकि शमी चैंपियन तेज गेंदबाज हैं जिन्होंने वनडे विश्व कप 2023 में अपने शानदार प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट टीम को फाइनल में पहुंचाया। हाल ही में दोनों की शादी की अफवाहें उड़ रही हैं। इन अफवाहों पर सानिया के पिता ने चुप्पी तोड़ते हुए सच्चाई बताई है।

इस साल की शुरुआत में सानिया और पाकिस्तान के क्रिकेट स्टार शोएब मलिक का तलाक हो गया था, वहीं शमी भी अपनी पत्नी हसीन जहां से अलग हो चुके हैं। हालांकि शादी की अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। सानिया मिर्जा के पिता इमरान ने कहा, यह सब बकवास है। वह उनसे मिली भी नहीं है।

भारतीय टेनिस आइकन सानिया मिर्जा ने हाल ही में हज की पवित्र यात्रा शुरू की, लगभग 5 महीने पहले उन्होंने अपने क्रिकेटर पति शोएब मलिक से अलग होने की घोषणा की थी।

टी20 विश्व कप के बीच जसप्रीत बुमराह-अक्षर पटेल के दोस्त ने चिराग गांधी लिया संन्यास

34 साल की उम्र में थम गया करियर

अहमदाबाद (एजेंसी)। एक ओर जहां जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल टी20 विश्व कप 2024 में भारतीय टीम को विश्व विजेता बनाने के लिए मोर्चा संभाले हुए हैं तो दूसरी ओर उनके एक करीबी दोस्त ने कम उम्र में ही क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान किया है। जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल के साथ गुजरात क्रिकेट टीम में खेलने वाले चिराग गांधी ने सिर्फ 34 वर्ष की उम्र में क्रिकेट किट टांगने का फैसला किया। वह रणजी ट्रॉफी विनिंग टीम का हिस्सा रहे थे और उनके बल्ले से ही विनिंग रन निकला था। 2011 से डोमेस्टिक क्रिकेट करियर का आगाज करने वाले गांधी को हालांकि पार्थिव पटेल, जयदेव उनादकत, जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल के साथ भारत की तरफ से खेलने का मौका नहीं मिला। इस बात की कसक उन्हें जरूर होगी।

उन्होंने अपने संन्यास का ऐलान करते हुए लिखा- आज मैं भारतीय क्रिकेट से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं। 2011-2024 तक का सफर मेरे जीवन का सबसे शानदार दौर रहा है। स्पष्ट सूरत जिला क्रिकेट संघ से शुरुआत से प्रथम श्रेणी क्रिकेट तक, यह सभी उतार-चढ़ावों के साथ एक रोलर कोस्टर की सवारी थी।